

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 89 | गुवाहाटी | गुरुवार, 26 अक्टूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मिजोरम विस चुनाव में 8.5 लाख से अधिक मतदाता करेंगे वोट

मप्र विस चुनाव : आईएनडीआईए में तकरार, कांग्रेस के खिलाफ सपा, जेडीयू व...

संस्कारयुक्त शिक्षा से ही सशक्त व समर्थ होगा राष्ट्र : मुख्यमंत्री

महिला अत्याचार पर एक शब्द नहीं बोली प्रियंका गांधी वाड़ा : अल्फा गुजर

पूर्वाञ्चल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94360 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
चलिए अपना आज कुर्बान करें ताकि आगे आने वाली पीढ़ी को बेहतर कल मिल सके।
- अब्दुल कलाम

न्यूज गैलरी
विजयादशमी के दूसरे दिन भी पांडू घाट पर उमड़ी भीड़

गुवाहाटी (हि.स.)। विजयादशमी के अवसर पर पांडू घाट पर आज भी प्रतिमा का विसर्जन जारी रही। ज्ञात हो कि मंगलवार दोपहर से विसर्जन शुरू हुआ था। हर बार की तरह इस बार भी पांडू पोर्ट प्रशासन द्वारा पांडू घाट विसर्जन समिति के सहयोग से दो दिवसीय दुर्गा प्रतिमा विसर्जन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रतिमा विसर्जन प्रबंध समिति द्वारा पुरस्कारों का आयोजन किया गया। इसके अलावा, प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने दुर्गा प्रतिमा को सुंदर तरीके से विसर्जित करने - श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

यूनाइटेड नेशन्स फोरम ऑन फॉरेस्ट की बैठक की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत जंगल में लगने वाली आग और वन प्रमाणीकरण पर विचार-विमर्श के लिए यूनाइटेड नेशन्स फोरम ऑन फॉरेस्ट की तीन दिवसीय बैठक की मेजबानी करने जा रहा है। 26 से 28 अक्टूबर तक वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में यूनाइटेड नेशन्स फोरम ऑन फॉरेस्ट के हिस्से के रूप में कंटी लेड इनीशिएटिव (सीएलआई) कार्यक्रम का आयोजन - श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

राज्य में हत्या, बलात्कार में आई कमी : सीएम



गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि उनकी सरकार राज्य में अपराध को नियंत्रित करने के अपने वादे को पूरा करने की दिशा में सफलतापूर्वक आगे बढ़ रही है। आज मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए एक डेटा शीट साझा किया। जिसमें पिछले पांच वर्षों में राज्य में अपराध दर में गिरावट संबंधी आंकड़ा प्रस्तुत किया गया है। हत्या, बलात्कार और डकैती जैसे गंभीर अपराधों की घटती प्रवृत्ति से आशावादी और उत्साहित मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि असम को अपराध मुक्त राज्य बनाने की हमारी प्रतिबद्धता सही दिशा में सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही है। उन्होंने लिखा कि राज्य में दर्ज सभी गंभीर प्रकृति के अपराधों की घटती प्रवृत्ति पर अपडेट साझा कर रहा हूँ। मुख्यमंत्री द्वारा साझा किए गए आंकड़ों से पता चलता है कि 2019 में 1235 हत्या के मामलों की तुलना में 2023 में 656 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए हैं। इसी प्रकार डकैती के मामलों में भी भारी गिरावट देखी गई है। 2019 में दर्ज डकैती के 198 मामलों की तुलना में 2023 में डकैती के सिर्फ 55 मामले दर्ज किए गए हैं। आंकड़ों पर बारीकी से नजर डालने पर पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों में बलात्कार के मामलों की संख्या में भारी गिरावट आई है। अधिकतम मामले 2019 और 2021 में दर्ज किए गए थे। मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए आंकड़ों के अलावा राज्य में अपराध के घटते ग्राफ के बीच असम पुलिस की सक्रियता भी उल्लेखनीय है। असम पुलिस द्वारा इन दो वर्षों में हजारों की संख्या में ड्रास - श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

डाक विभाग में 28 साल मिजोरम चुनाव : 174 में से 112 बाद मिली नौकरी उम्मीदवार करोड़पति

नई दिल्ली। एक शख्स को सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद 28 साल बाद नौकरी मिली है। दरअसल, अंकुर गुप्ता नाम के शख्स ने साल 1995 में डाक सहायक के पद के लिए आवेदन किया था। प्री-इंडक्शन ट्रेनिंग के लिए चुने जाने के बाद में अंकुर को इस आधार पर मेरिट लिस्ट से बाहर कर दिया गया कि उन्होंने वोकेशनल स्कूल से 12वीं की शिक्षा पूरी की थी। सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए अंकुर गुप्ता की नियुक्ति का - श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

एजल। मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए मैदान में उतरे 174 उम्मीदवारों में से कुल मिलाकर 112 उम्मीदवार करोड़पति हैं, जिनमें आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश अध्यक्ष एंड्रयू लालरेमकिमा पचुआउ लगभग 69 करोड़ रुपए की घोषित संपत्ति के साथ सबसे अमीर व्यक्ति हैं। एक उम्मीदवारों के हलफनामों के मुताबिक, 64.4 फीसदी उम्मीदवारों ने एक करोड़ रुपए - श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

या उससे अधिक की संपत्ति घोषित की है। 68.93 करोड़ रुपए की घोषित संपत्ति के साथ आप के मिजोरम अध्यक्ष एंड्रयू लालरेमकिमा पचुआउ सबसे अमीर हैं। वह एजल उत्तर-थ्री निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। पचुआउ के बाद 55.6 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ कांग्रेस के आर बलालालटुआंगा (सेरफिंग सीट) हैं, जबकि जोरम पीपुल्स मूवमेंट के एच - श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

ईसी से कांग्रेस ने अमित शाह और सीएम शर्मा के विरुद्ध शिकायत की

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गृह मंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ बुधवार को निर्वाचन आयोग से शिकायत की और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दोनों नेताओं ने छत्तीसगढ़ में चुनावी सभा के दौरान समाज के कुछ वर्गों को एक दूसरे के खिलाफ भड़काने की नीयत से बयान दिए जो आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन हैं। पार्टी ने आयोग से - श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

जज निर्देश के बिना न करें सुनवाई : सीजेआई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीशों को सख्त हिदायत दी है। शीर्ष कोर्ट ने कहा है कि न्यायाधीशों को अनुशासन का पालन करना चाहिए। साथ ही किसी भी मामले को तब तक नहीं लेना चाहिए जब तक कि यह मुख्य न्यायाधीश द्वारा विशेष रूप से न सौंपा गया हो। शीर्ष कोर्ट की न्यायमूर्ति पंकज मिश्राल की पीठ ने राजस्थान हाई कोर्ट द्वारा पारित एक आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश द्वारा विशेष रूप से नहीं सौंपे गए मामले को उठाने को शीर्ष कोर्ट ने - श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर



(एफआईआर) को एक साथ जोड़ने के लिए एक सिविल रिट याचिका पर कैसे विचार किया जा सकता है। दरअसल, राजस्थान हाई कोर्ट ने मई में अपने एक आदेश में निर्देश दिया था कि आठ प्राथमिकियों के संबंध में तीन व्यक्तियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कदम नहीं उठाया जाएगा। इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। इस पर सुनवाई करते हुए पीठ ने कहा कि तीन व्यक्तियों ने पहले एफआईआर रह करने की मांग करते हुए हाई कोर्ट का दरवाजा नहीं दौड़ा है। इसका बाद, - श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

पाइपलाइन फटने को रोका नहीं जा सकता : मुख्यमंत्री अरविंद राजखोवा देंगे इस्तीफा, शशधर चौधरी राजनीतिक पार्टी में होंगे शामिल

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि गुवाहाटी जैसे शहर में पानी की पाइपलाइन को फटने से कोई नहीं रोक सकता है। डॉ. शर्मा ने कहा कि पानी की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के बाद तुरंत स्विच ऑफ करना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर आप इंटरनेट पर सच करेंगे तो पापों कि अन्य राज्यों की पानी के पाइपलाइनों की क्षतिग्रस्त हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई में पानी की आपूर्ति की पाइपलाइन - श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर



काजीरंगा। दिसंबर में केंद्र के साथ अपनी बातचीत से पहले, यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम (अल्फा) समर्थक वार्ता गुट ने काजीरंगा के कोहोरा में जेबो रिजॉर्ट में एक बैठक की। बैठक में अध्यक्ष अरविंद राजखोवा और अनुप चेतिया के नेतृत्व में अल्फा समर्थक वार्ता गुट का एक प्रतिनिधिमंडल भी चर्चा के लिए उपस्थित था। बैठक में कम से कम 300 पूर्व-अल्फा कैडेटों ने भाग लिया। सूत्रों के मुताबिक, बैठक के बाद पता चला कि कई नेता संगठन छोड़कर सामान्य जिंदगी जीने को तैयार हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, त्रिपक्षीय चर्चा खत्म होने के बाद वरिष्ठ नेता शशधर चौधरी जल्द ही एक राजनीतिक पार्टी में शामिल हो सकते हैं, हालांकि, यह पुष्टि नहीं हुई है - श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

भारत में 2050 तक बिजली की मांग नौ गुना बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी, दक्षिण-मध्य क्षेत्र भारत में भविष्य में हीटवेव हॉटस्पॉट के रूप में उभर रहे हैं। एक नए सरकारी अध्ययन में इसका खुलासा किया गया है। मिड और लॉन्ग टर्म में हीटवेव की प्रीक्वेंसी चार से सात गुना बढ़ सकती है। तीन हीट वेव-प्रॉन जोन क्षेत्रों में से सबसे अधिक वृद्धि देश के दक्षिण-मध्य क्षेत्र में देखने को मिल सकती है। खबरों के मुताबिक, ये रिसर्च विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत महामना सेंटर ऑफ एक्सिलेंस इन क्लाइमेट चेंज ने की है। इस रिसर्च में भविष्य में भारत में होने वाले हीट वेव का विश्लेषण किया गया है। इसमें मिड टर्म 2041-2060 और लॉन्ग टर्म 2081-2099 को लेकर रिपोर्ट - श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

जारी की गई है। प्रतिनिधि एकाग्रता पथ (आरसीपी) का उपयोग भविष्य के रुझानों को पकड़ने के लिए किया जाता है कि मानव गतिविधियों के परिणामस्वरूप भविष्य में वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की सांद्रता कैसे बढ़ेगी। रिपोर्ट में आरसीपी 4.5 का मतलब मिड टर्म में उत्सर्जन चरम पर था और अंत में गिरावट आई। वहीं, आरसीपी 8.5 में उच्चतम उत्सर्जन में वृद्धि हुई है। अध्ययन में कहा गया है कि भविष्य के अनुमान आरसीपी 4.5 के तहत मिड और लॉन्ग टर्म में भविष्य के लिए हीटवेव प्रीक्वेंसी में चार से सात गुना वृद्धि दर्शाते हैं। वहीं, आरसीपी 4.5 के तहत दोनों टर्म में भविष्य के लिए हीटवेव प्रीक्वेंसी में पांच से - श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

हमास का अंत करके ही दम लेंगे : इजराइल

तेल अबीब। इजराइल ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र की एक उच्च स्तरीय बैठक में हमास को तबाह करने का संकल्प दोहराया और संयुक्त राष्ट्र प्रमुख, फलस्तीनियों तथा कई देशों के संघर्ष-विराम के आह्वान को नकार दिया। उसने कहा कि गाजा में युद्ध न सिर्फ उसका, बल्कि स्वतंत्र दुनिया का युद्ध है। इजराइल के विदेश मंत्री एली कोहेन ने सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के अप्रत्याशित हमले के बाद देश से जवाबी कार्रवाई में संयम बरतने की अपील को खारिज कर दिया। इजराइल पर हमास के हमले में अब तक लगभग 1,400 लोग मारे गए हैं। वहीं, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, क्षेत्र में 5,700 से अधिक फलस्तीनी नागरिकों की मौत हुई है। कोहेन ने पूछा कि आप बताइए कि शिशुओं की हत्या, महिलाओं से बलात्कार और उन्हें - श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर



जला देने, एक बच्चे का सिर काटने के जवाब में संयम भरी कार्रवाई कैसे की जाती है? उन्होंने कहा कि आप किसी ऐसे व्यक्ति के साथ संघर्ष-विराम के लिए कैसे सहमत हो सकते हैं, जिसने आपके अस्तित्व को मिटाने और नष्ट करने का संकल्प जताया हो? कोहेन ने हमास को नया नाजी करार देते हुए - श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771
86382-00107**

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivaling, Nandi etc. **ARTICLE WORLD**, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, Ph. : 94350-48866, 94018-06952

तमिलनाडु में राजभवन पर फेंके गए पेट्रोल बम, एक गिरफ्तार

चेन्नई (हिस.)। तीन दिन पहले जेल से रिहा हुए 39 वर्षीय हिस्ट्रीशीटर को चेन्नई में राजभवन के सामने पेट्रोल बम फेंकने के आरोप में गिंडी पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित की पहचान विनोथ उर्फ करुक्का विनोद के रूप में हुई है। खबरों के मुताबिक, इस बात से नाराज था कि राज्यपाल आरएन रवि ने जेल से उसकी समयपूर्व रिहाई पर सहमति नहीं दी। उसने राजभवन के सामने दो पेट्रोल बम फेंके। जानकारी के अनुसार बुधवार शाम राजभवन के सामने दो पेट्रोल बम फेंके गए। यह बम एक प्रकार का मोलोटोव कॉकटेल है, जिसे फेंकने से पहले आग से जलाया जाता है। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। उल्लेखनीय है कि नंदम

में एसएम नगर के निवासी विनोद को फरवरी 2022 में टी नगर में स्थित तमिलनाडु भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्य कार्यालय- कमलालय पर तीन पेट्रोल बम फेंकने के बाद भी गिरफ्तार किया गया था। अपनी गिरफ्तारी के बाद उसने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि उसने राष्ट्रीय पात्रा-सह-प्रवेश परीक्षा (नीट-एनईईटी) पर भाजपा के रूख के खिलाफ विरोध व्यक्त करने के लिए बम फेंके थे। एक साल की कैद के बाद उसे तीन दिन पहले रिहा



किया गया। बुधवार को, उसने राजभवन पर दो बम फेंके और फिर ड्यूटी पर मौजूद पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पुलिस ने उसके पास से दो और पेट्रोल बम बरामद किये। रिपोर्टों के अनुसार,

विनोद ने कथित तौर पर 2015 में सरकार द्वारा संचालित टीएएसएमएसी शराब की दुकान और 2017 में तेनमपेट पुलिस स्टेशन के सामने पेट्रोल बम फेंके थे। उसके खिलाफ कम से कम 14 मामले दर्ज हैं जिसमें चार हत्या के प्रयास के मामले और 10 अन्य संगीन आपराधिक मामले भी चल रहे हैं। भाजपा को राज्य इकाई के अध्यक्ष के अनामलाई ने आरोप लगाया है कि यह घटना तमिलनाडु में वास्तविक कानून-व्यवस्था की स्थिति का प्रतिबिम्बित करती है। उन्होंने इसके लिए द्रमुक को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि यह वही व्यक्ति है जिसने फरवरी 2022 में चेन्नई में भाजपा के तमिलनाडु मुख्यालय पर हमला किया था।

आग में घर जलकर राख, लाखों का नुकसान

नलबाड़ी (हिस.)। नलबाड़ी जिले के मुकालमुआ के तीन नंबर बतला इलाके में लगी आग के दौरान देखते ही देखते एक व्यक्ति का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। पुलिस ने बताया कि बुधवार को मुकालमुआ के तीन नंबर बतला चर (नदी का मैदानी वाला क्षेत्र) इलाके में आग लगने की वजह से बादशाह और उस्मान अली नामक व्यक्ति का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। दोनों के घर में भारी मात्रा में रखा गया पटसन भी पूरी तरह जल गया। स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया तब तक दोनों व्यक्ति का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया।

भारत ने कनाडा में कुछ श्रेणियों में वीजा सेवाएं बहाल की



नई दिल्ली (हिस.)। भारत ने कनाडा में भारतीय दूतावास और महावाणिज्य दूतावास से कुछ श्रेणियों में वीजा सेवाएं बहाल की हैं। कनाडा में भारतीय उच्चायोग की ओर से जारी बयान में कहा गया है

कि हाल में कनाडा की ओर से किए गए उपायों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के बाद 26 अक्टूबर से प्रवेश, विजनेस, मेडिकल और सम्मेलन के लिए वीजा सेवाओं को फिर से शुरू करने का निर्णय लिया गया है। बयान में कहा गया है कि ओटावा में भारतीय उच्चायोग और टोरंटो तथा वैक्वैर में महावाणिज्य दूतावासों को सुरक्षा कारणों से अस्थायी रूप से वीजा सेवाओं को निलंबित करने के लिए बाध्य किया गया था। वहीं आपातकालीन आवश्यकताओं से जुड़ी वीजा जरूरतों को उच्चायोग और महावाणिज्य दूतावास पहले की भांति संबोधित करते रहेंगे। इसमें आगे कहा गया कि स्थिति के निरंतर मूल्यांकन के आधार पर उचित होने पर आगे निर्णय लिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि कनाडा के नागरिकों के लिए भारत ने प्रवेश संबंधी वीजा सेवाओं पर 21 सितंबर को अस्थाई रोक लगाने का कदम उठाया था। भारत ने कनाडा से दो टूक शब्दों में कहा था कि वह आतंकवादियों को सुरक्षित पनाह न दे तथा कनाडा में भारतीय राजनयिक मिशनों और राजनयिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। इसका कारण स्पष्टकरते हुए विदेश मंत्रालय ने स्पष्टकरते हुए कहा था कि कनाडा में भारतीय उच्चायोग और वाणिज्य दूतावासों को सुरक्षा संबंधी चिंता का सामना पड़ रहा है। इससे उनका सामान्य कामकाज प्रभावित हुआ है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो ने भारत की विदेश खुफिया एजेंसी रॉ पर कनाडा में रह रहे खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप मढ़ने की कोशिश की थी।

बस की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

बरपेटा (हिस.)। जिले के कलगाछिया में गुवाहाटी जा रही बस की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि हादसा कलगाछिया के बेसीमारी में हुआ। यह हादसा उस समय हुआ जब बस और बाइक की आग्नेय सामने की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। मृतक की पहचान रकीबुल इस्लाम के रूप में हुई है। बस गुलंडेजा से गुवाहाटी जा रही थी। शिकायत के मुताबिक ड्राइवर की जगह बस को हैंडीमैन चला रहा था। हादसे के बाद चालक और हैंडीमैन फरार हो गए।

हमास पर जमीनी कार्रवाई के लिए इजराइल स्वतंत्र : यूएस

वाशिंगटन (हिस.)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि गाजा में इजराइल जमीनी कार्रवाई के लिए स्वतंत्र है।



इजराइल अपना फैसला खुद ले सकता है। बाइडन ने यह टिप्पणी वाशिंगटन की यात्रा पर पहुंचे ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के साथ मंगलवार को तस्वीर खिंचवाने के दौरान एक सवाल के जवाब में की। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। उल्लेखनीय है कि इजराइल के खिलाफ सात अक्टूबर को हमास के आक्रमण के बाद युद्ध छिड़ गया है। इजराइल ने 2007 से फिलिस्तीन पर शासन कर रहे हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हवाई हमले शुरू किए हैं। इस युद्ध से गाजा पृथी में भारी तबाही हुई है।

विक्रमस के परामर्श के लिए अपोलो हॉस्पिटल्स, चेन्नई विशेषज्ञ

5 नवंबर, 2023 को गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे



ऑर्थोपेडिक क्लिनिक
समय : 10.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक

डॉ. अरुण कनना
MS Ortho (aim), FGA(Aus), FARS(UK) Fellowship in Hip and Knee/Tumors (Minneapolis, USA) &Hip & Knee Replacement (Richmond, USA)
जटिल हड्डी रोग संबंधी सर्जरी में कंप्यूटर असिस्टेड में विशेषज्ञ, चूल्हा (हिप) एवं घुटना (नी) बदल, ऑर्थोकोपिक सर्जरी, आधुनिक (मॉडर्न) प्रेक्चर इलाज, स्पाइन सर्जरीयां पीट दर्द संबंधी समस्याओं इत्यादि के लिए

गैस्ट्रो क्लिनिक
समय : 9.30 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक

डॉ. एम. प्रीथि
MBBS, DNB (Med), MRCPI, DM (Gastro)

जो मरीज पीलिया रोग (जाँडिस), अल्सर, गोलब्लैड रस्टोन, ब्लाड इन मोशन, एम्बोलिनल दर्द, एरिथ्रिमा, एनोरेक्टल रोग (पाइरस एवं फिस्टूला) लीवर सिर्हीसिस, अल्कोहोलिक लीवर रोग, फेटी लीवर रोग, हेपेटाइटिस की एवं सी, चैक्रोएस एवं ब्लैड कैन्सर, गैस्ट्रोएंगेजिनाल, रिफ्लक्स रोग, इमोफैजिअल कैन्सर, पेट में जल, अंतर्द्वैत हैबिटस में बदलाव, एक्यूट एवं क्रोनिक पैन्क्रैएस रोग इत्यादि से परेशान हो तो संपर्क करें :

APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-BY Lane-10
Ph : 8404037649, 0361-3102669, 0361-3102669

पृष्ठ एक का शेष

बाद के चरणों के दौरान ग्लो मंत्री अमित शाह और असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा के विचार-विमर्श का हिस्सा बनने की उम्मीद है।

डाक विभाग में ...

आदेश दे दिया कि उसे इस पद के लिए अयोग्य ठहराने में गलती हुई है। मेरिट लिस्ट से बाहर होने के बाद अंकुर गुप्ता अन्य असफल उम्मीदवारों के साथ केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण में चले गए, जिसने 1999 में उनके पास में फैसला सुनाया। हालांकि, यह फैसला डाक विभाग को रास नहीं आया और उसने टिब्यूलन के आदेश को चुनौती देते हुए साल 2000 में इलाहाबाद हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाई कोर्ट ने साल 2017 में याचिका खारिज कर दी और केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण के आदेश को बरकरार रखा। वहीं, हाई कोर्ट में एक समीक्षा दायर की गई थी जिसे 2021 में खारिज कर दिया गया था, जिसके बाद डाक विभाग ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा कि अगर अस्थायी की उम्मीदवारी को शुरूआती चरण में खारिज नहीं किया गया और सलेक्शन प्रोसेस में शामिल होने दिया गया। अंततः उनका नाम मेरिट लिस्ट में भी आया है। तो वह इसलिए उम्मीदवारी का दावा नहीं कर सकता है क्योंकि उसका नाम मेरिट लिस्ट में शामिल है। उसके पास निपक्ष व्यवहार के लिए सीमित अधिकार होते हैं। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि डाक विभाग अगर संविधान के अनुच्छेद 12 के तहत एक राज्य है, को मनमाने तरीके से काम करने और उम्मीदवार को बिना किसी कारण के बाहर निकालने का कोई अधिकार नहीं है। पीठ ने कहा कि अगर डाक विभाग ने अंकुर गुप्ता को शैक्षिक योग्यता की शुरूआती समय में ही अयोग्य घोषित कर दिया होता, तो स्थिति पूरी तरह से अलग होती।

मिजोरम चुनाव : 174...

गिन्जालाला (चम्फाई नर्थ) 36.9 करोड़ रुपए की घोषित संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर हैं। उनके हलफनामे के अनुसार उनकी आय का स्रोत व्यवसाय है। सेरेडिप सीट से निर्दलीय उम्मीदवार रामहुनु-एडेना सबसे गरीब हैं। उनके पास 1500 रुपए की चक संपत्ति है। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किए गए अपना हलफनामे में, लॉन्टलाई पश्चिम से भाजपा उम्मीदवार जेबी रुआलछिंगा ने गलती से अपनी संपत्ति 90.32 करोड़ रुपए घोषित कर दी है। पार्टी ने निर्वाचन विभाग से इसमें सुधार की मांग की है। 2018 के विधानसभा चुनावों में, एमएनएफ के उम्मीदवार लालरिंगंगा सेलो (हाचेक) 100 करोड़ रुपए की घोषित संपत्ति के साथ सबसे अमीर थे, उसके बाद पार्टी के सहयोगी रॉबर्ट रोमाविया रॉयट (एजल पूर्व-द्वितीय) थे, जिनके पास 44 करोड़ रुपए की संपत्ति थी। हालांकि, इस बार सेलो की संपत्ति काफी कम होकर 26.24 करोड़ रुपए और रॉयट की 32.24 करोड़ रुपए रह गई है। 16 महिला उम्मीदवारों में से, कांग्रेस उम्मीदवार मरियम एल. ह्लॉचल (तुंगलवेई दक्षिण) 18.63 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ सबसे अमीर हैं। एमएनएफ अध्यक्ष और मुख्यमंत्री जोरमथांगा 5 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ पांच प्रतिस्पर्धी राजनीतिक दलों के अध्यक्षों में सबसे अमीर हैं। जेडपीएम के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार लालदुहुमा, जो सेरेडिप सीट से जनादेश चाहते हैं, के पास 4 करोड़ रुपए की संपत्ति है। जहां मिजोरम कांग्रेस अध्यक्ष लालसावता (एजल पश्चिम-थ्री) ने 6 करोड़ रुपए की संपत्ति घोषित की है, वहीं भाजपा अध्यक्ष वनलालहमुअका (उम्फा) के पास 31.31 लाख रुपए की संपत्ति है। पांच उम्मीदवारों - जेडपीएम से तीन और एमएनएफ और भाजपा से एक-एक पर आपराधिक मामले लंबित हैं। 2018 के चुनावों में, जोरमथांगा और पूर्व मुख्यमंत्री लाल थनहावला सहित 9 उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित थे। तुडुचंग सीट से दूसरी बार चुनाव लड़ रहे उपमुख्यमंत्री तावनपुई उम्मीदवारों में सबसे बड़े हैं। वह 80 वर्ष के हैं। 31 साल की महिला उम्मीदवार लालरुआतफेली ह्लांवडों, जो दो सीटों से निर्दलीय चुनाव लड़ रही हैं, और भाजपा उम्मीदवार एफ वानहर्मगथांगा सबसे कम उम्र के हैं।

राम मंदिर प्राण ...

प्रथम तल का कार्य संपन्न हो जाएगा। राम मंदिर निर्माण का कार्य काफी तेजी से चल रहा है। श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में भगवान राम की मूर्ति की स्थापना की तारीख 22 जनवरी, 2024 तय की। नरेंद्र मोदी ने एक पोस्ट में कहा कि जय सियाराय! आज का दिन बहुत भावनाओं से भरा हुआ है। अभी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी मुझे मेरे निवास स्थान पर मिलने आए थे। उन्होंने मुझे श्रीराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर अयोध्या आने के लिए निर्मात्रित किया है। मैं खुद को बहुत धन्य महसूस कर रहा हूँ। ये मेरा सौभाग्य है कि अपने जीवनकाल में, मैं इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनूँगा। इससे पहले अयोध्या में भगवान श्रीराम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा के दृष्टिगत श्री राम रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सलाह दी कि जिन लोगों के पास प्रोटोकॉल है, उन्हें 22 जनवरी को प्रतिष्ठा समारोह के दिन अयोध्या नहीं आना चाहिए। ट्रस्ट के सचिव चंपत राय ने कहा कि मुख्यमंत्री, राज्यपाल और देशों के राजदूत जैसे संवैधानिक प्रोटोकॉल वाले लोगों को प्रतिष्ठा समारोह के दिन अयोध्या नहीं आना चाहिए, ताकि राम मंदिर समारोह में किसी को किसी प्रकार की असुविधा न हो। राय ने कहा कि

हम 22 जनवरी को उनकी सेवा नहीं कर पाएंगे और मुझे लगता है कि यहां का स्थानीय प्रशासन भी उनकी देखभाल नहीं कर पाएगा। सचिव ने कहा कि अगले साल प्रतिष्ठा समारोह समाप्त होने के बाद 26 जनवरी से 22 फरवरी तक देश के हर प्रांत से लोग अयोध्या आएंगे। जिस दिन किसी भी राज्य के लोग आ रहे हों, उस दिन उस राज्य के मुख्यमंत्री और अन्य नेताओं को आना चाहिए।

ईसी से कांग्रेस ने ...

के अलावा वरिष्ठ नेता सतनाम खुशौंद, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रवेत रेड्डी और कुछ अन्य नेता शामिल थे। कांग्रेस ने आयोग के समक्ष दिए ज्ञापन में कहा कि अमित शाह का बयान और दावे भारतीय दंड संहिता, 1860 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 का उल्लंघन है। छत्तीसगढ़ के राजनंदगांव में 16 अक्टूबर को एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने भुवनेश्वर साहू नामक युवक की हत्या के मामले का उल्लेख किया था। साहू की हत्या इस साल अप्रैल में दूसरे समुदाय के कुछ लोगों ने की थी। भाजपा ने भुवनेश्वर साहू के पिता ईश्वर साहू को इस विधानसभा चुनाव में टिकट दिया है। चुनावी सभा के दौरान साहू पर मौजूद ईश्वर साहू की ओर इशारा करते हुए शाह ने कहा था कि वोट बैंक और तुष्टिकरण के लिए भुवनेश्वर साहू की हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा था कि हम भुवनेश्वर साहू के हत्यारे को सजा दिलाएंगे। हमने उनके पिता को टिकट दिया है। कांग्रेस ने आयोग से की गई एक अन्य शिकायत में कहा कि 18 अक्टूबर को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अपने भाषण के दौरान प्रदेश सरकार के मंत्री मोहम्मद अकबर और धर्मांतरण को लेकर बयान दिए। उसने आरोप लगाया कि शर्मा ने सभा के कुछ वार्ता को एक दूसरे के खिलाफ भड़काने की मंशा से ये टिप्पणियां कीं। छत्तीसगढ़ के कवर्धा विधानसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा था कि असम और छत्तीसगढ़ में आदिवासियों को प्रतिदिन धर्म परिवर्तन (ईसाई धर्म अपनाते) के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जब लोग (छत्तीसगढ़ में) इसके खिलाफ आवाज उठाते हैं, तो भूधरा बघेल कहते हैं कि वह धर्मनिरपेक्ष हैं। क्या हिंदुओं को मारना आपकी धर्मनिरपेक्षता है? यह देश हिंदुओं का है और हिंदुओं का ही रहेगा। धर्मनिरपेक्षता को परिभाषा हमें मत सिखाइये। कांग्रेस ने ज्ञापन में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की उपलब्धियों को बढ़ावा देने के लिए लोक सेवकों और सैनिकों को दिए गए सरकारी आदेशों के खिलाफ शिकायत की है। उसका कहना है कि सरकार का यह कदम आदर्श आचार संहिता और केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियमावली, 1964 का उल्लंघन है। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश के परिवहन मंत्री गोविंद राजपूत से संबंधित एक कथित वीडियो को लेकर भी शिकायत की। उसका दावा है कि राजपूत ने कहा है कि उन मतदान केंद्रों के प्रभारियों को 25 लाख रुपए दिए जाएंगे जहां भाजपा के लिए सबसे अधिक वोट पड़ेंगे। उसने तेलंगाना राज्य में पुलिस अधिकारियों के गैरकानूनी तबादलों और पोस्टिंग के खिलाफ शिकायत की है। कांग्रेस ने कहा कि कांग्रेस उम्मीद करती है कि आयोग उपरोक्त शिकायतों का त्वरित और समयबद्ध तरीके से संज्ञान लेगा।

अब स्कूल की ...

एससीआरटी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप स्कूली पाठ्यपुस्तकों के पाठ्यक्रम को संशोधित कर रहा है। परिषद ने हाल ही में इन कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकों और शिक्षण सामग्री को अंतिम रूप देने के लिए 19 सदस्यीय राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शिक्षण सामग्री समिति (एनएएसटीसी) का गठन किया है। आई ईएसए ने कहा कि समिति ने सभी विषयों के पाठ्यक्रम, अध्ययन और शिक्षण सामग्री (ओकेएस) को शामिल करने की भी सिफारिश की है। समिति के अन्य सदस्यों में आईसीएचआर के अध्यक्ष रघुवंश तंवर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) प्रोफेसर वंदना मिश्रा, डेक्कन कॉलेज डीम्ड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति वसंत शिंदे और हरियाणा के एक सरकारी स्कूल में समाजशास्त्र पढ़ाने वाली ममता यादव शामिल हैं।

भारत में 2050 तक ...

दस गुना वृद्धि होने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर-पश्चिम, मध्य और दक्षिण-मध्य भारत भविष्य में गर्मी की लहर के हाईटेंपरेट के रूप में उभरा, जिसमें दक्षिण-मध्य क्षेत्र में सबसे अधिक वृद्धि हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि उच्च-रिजॉल्यूशन क्षेत्रीय भविष्य का अनुमान मानव स्वास्थ्य, कृषि और बुनियादी ढांचे पर संभावित प्रभाव को कम करने के लिए परिवर्तनकारी गर्मी लचीली नीतियां और अनुकूलन उपायों को विकसित करने के लिए आधार रेखा के रूप में काम करेगा। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने कहा कि भारत अगले तीन दशकों में दुनिया के किसी भी देश या क्षेत्र की तुलना में सबसे बड़ी ऊर्जा मांग में वृद्धि देखेगा। आईईए ने मंगलवार को बताया कि थरेलू एयर कंडीशनर चलाने के लिए भारत की बिजली की मांग 2050 तक नौ गुना बढ़ने का अनुमान है और आज पूरे अफ्रीका में कुल बिजली खपत को पार कर जाएगा। भारत की ऊर्जा आपूर्ति 2022 में 42 एक्ससाजूल (इंजे) से बढ़कर 2030 में 53.7 इंजे और 2050 तक 60.3 इंजे हो जाने का अनुमान लगाया है।

राज्य में हत्या...

के तस्कर तथा अरबों रुपए के ड्रग्स पकड़े गए। इसमें कोई शक नहीं कि चोरी, डकैती, हत्या, बलात्कार आदि की घटनाएं राज्य में इन दोनों ही हो रही हैं। लेकिन, अपराध को अंजाम देने के बाद ही सही अपराधी पकड़े जा रहे हैं। वहीं, पुलिसवालों द्वारा सड़कों पर आम जनता से की जाने वाली धन-उगाही में भी काफी कमी आई है। डॉ. शर्मा के मुख्यमंत्री बनने और जीपी सिंह के डीजीपी बनने के बाद से कई भ्रष्ट पुलिसकर्मियों एवं पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध विभिन्न कार्रवाई की गई है। वहीं, सीएम बिजिलेंस द्वारा भी बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों एवं पुलिस अधिकारियों को पकड़ा गया है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि असम अपराध को नियंत्रित करने की दिशा में अपनी पकड़ को मजबूत बनाता जा रहा है। उधर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व ने कहा कि चालू वर्ष की जनवरी-अगस्त अवधि के दौरान असम के 686 मामलों, दुष्कर्म के 656 और डकैती के 55 मामलों दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि सरकार के सक्रिय कदमों के कारण बड़े अपराधों में कमी देखी गई है। आंकड़ों पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री हिमंत ने कहा कि पुलिस गत, अपराध प्रबंधन में दक्षता में वृद्धि, फॉरेंसिक के उपयोग, नागरिकों-पुलिस समन्वय और राज्य सरकार के दृढ़ समर्थन से अपराध डेटा में कमी आई है। उन्होंने कहा कि 2022 में हत्या, दुष्कर्म और डकैती के 2,282 मामलों दर्ज किए गए। वहीं 2021 के आंकड़ों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि तीन अपराधों की 3,302 घटनाएं हुईं। 2020 में 3,065 और 2019 में 3,385 घटनाएं देखी गईं।

जज निर्देश के ...

उन्होंने आठ एफआईआर को एक साथ जोड़ने और उन्हें एक में समेकित करने के लिए एक अलग सिविल रिट याचिका दायर की। अपीलकर्ता अंबालाल परिहार जिनकी शिकायत पर तीनों व्यक्तियों के खिलाफ छह एफआईआर दर्ज की गईं, ने शीर्ष अदालत के समक्ष दावा किया कि सिविल रिट याचिका दायर करना एक पैतृा था ताकि अंतरिम राहत नहीं देने वाले रोस्ट्रर जज से बचा जा सके। पीठ ने 16 अक्टूबर के फैसले में कहा कि यह फोरम हॉटिंग का उत्कृष्ट मामला है। यह कानून की प्रक्रिया के घोर दुरुपयोग का भी मामला है। इस तरह के पैरों को मंजूरी दी जाती है तो फिर चीफ जस्टिस के रोस्ट्रर का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। जजों को अनुशासन का पालन करना होगा और किसी भी मामले में तब तक सुनवाई शुरू नहीं करनी चाहिए जब तक कि चीफ जस्टिस उन्हें विशेष रूप से वह मामला नहीं सौंपें। पीठ ने कहा कि न्यायाध्यक्ष किसी मामले में परिवर्तित कर देना चाहिए, जिससे आपराधिक रिट याचिकाएं लेने वाले रोस्ट्रर जज के समक्ष ही रखा जा सकता था। पीठ ने कहा, हमें यकीन है कि तीनों वादियों के इस आचरण पर संबंधित अदालत आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 482 के तहत एफआईआर को रद्द करने की मांग वाली याचिकाओं पर विचार करेगी। यह एक उपयुक्त मामला है जहां तीनों व्यक्तियों को 50 हजार रुपए जुर्माना चुकाना होगा। यह राशि एक महीने के भीतर राजस्थान राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण को भुगतान करनी होगी।

पाइपलाइन फटने ...

क्षतिग्रस्त हो गई है। अन्य राज्यों की तरह ही पानी के पाइपलाइन को यहां भी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी जैसे बड़े शहर में पानी के पाइपलाइन को फटने से रोकना असंभव है। यदि कोई चाहता है कि कोई पाइपलाइन क्षतिग्रस्त न हो तो पानी की आपूर्ति स्थायी रूप से रोक देना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सड़क के ऊपर बड़ी गाड़ियों के चलने की वजह से कहीं कभी भी पाइपलाइन फट जाती है।

अरबिंद राजखोवा देंगे ...

कि वह किस पार्टी (कांग्रेस या भाजपा) में शामिल होंगी। इस बीच, राजू बरुआ सभी संगठनात्मक जिम्मेदारियां छोड़ देंगे और अपना खुद का व्यवसाय स्थापित करने पर विचार करेंगे। वहीं, लंबे समय से अख्यत्व चल रहे मिथिंगा दैमारी भी अपनी मौजूदा भूमिका छोड़कर आगे बढ़ेंगे। त्रिगुप्तिया चर्चा के तुरंत बाद वार्तम सभके अध्यक्ष अरबिंद राजखोवा से बात करते हुए कहा गया है कि वह अल्फा के साथ सभी संबंध समाप्त कर देंगे और अपने गृह नगर में सामान्य जीवन व्यतीत करेंगे। अनूप चेतिया ने कहा कि वह अल्फा के आत्मसमर्पण करने वाले सदस्यों और मारे गए लोगों के कल्याण के लिए काम करेंगे। केंद्र सरकार, असम सरकार और यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) समर्थक वार्ता गुट के बीच शांति वार्ता शुरूवार, 18 अगस्त को नई दिल्ली में आयोजित की गई। असमिया स्वदेशी लोगों के राजनीतिक अधिकार त्रिपक्षीय का मुख्य एजेंडा थे चर्चाएं। अरबिंद राजखोवा के नेतृत्व में अल्फा समर्थक वार्ता प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र सरकार के प्रमुख अधिकारियों के साथ बातचीत की। अल्फा के वार्ता समर्थक गुट के महासचिव अनूप चेतिया, शशधर चौधरी और राजू बरुआ राजखोवा के साथ राष्ट्रीय राजधानी आए।

मिजोरम विस चुनाव में 8.5 लाख से अधिक मतदाता करेंगे वोट

बहुधा विभाजित इंडियाएंस को लोकसभा चुनाव में जनता विश्वास में नहीं लेंगी : प्रदेश भाजपा

एजल (हिस)। मिजोरम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मधुप व्यास ने विधानसभा चुनाव से पहले आज आयोग के विभिन्न निर्देशों के संबंध में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी। उन्होंने आज मिजोरम विधानसभा चुनाव 2023 हेतु आयोग के निर्देश के अनुरूप प्रारंभिक अग्र्यास और गतिविधियों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि अंतिम मतदाता सूची के अनुसार मिजोरम राज्य में कुल मतदाता 8,57,063 हैं। जिनमें, 4,13,062 पुरुष मतदाता, 4,39,026 महिला मतदाता और 4,975 सेवा मतदाता हैं। राज्य में 1276 मतदान केंद्रों की अंतिम सूची जारी की गई, जहां चुनाव करार जाएंगे। सभी जिला चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने संबंधित जिले के भीतर मतदान केंद्रों की अंतिम सूची जल्द से जल्द प्रकाशित करें। जिसे सभी चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के साथ साझा किया जाएगा। सभी जिला निर्वाचन अधिकारी सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं (एएमएफ) स्थापित कर रहे हैं और सभी मतदान केंद्रों पर विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के लिए पहुंच सुनिश्चित कर रहे हैं। मतदान कर्मियों के प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की गई है। 1470 पीठासीन



अधिकारियों, प्रथम, द्वितीय और तृतीय मतदान अधिकारियों वाले मतदान दलों के लिए पहला प्रशिक्षण सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा आयोजित किया गया है। कुछ जिलों में दूसरा प्रशिक्षण भी जारी है। सभी जिलों में प्राप्त नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार कोई कमी नहीं है। 1276 मतदान केंद्रों में से 765 में वेबकास्टिंग की स्थापना और कार्यान्वयन की व्यवस्था की गई है, जो पूरे मिजोरम में सभी मतदान केंद्रों का 60 फीसदी है। यह सेवा मल्टी कंयूटर सर्विसेज, पश्चिम बंगाल द्वारा प्रदान की जाएगी, जिसके

लिए सभी औपचारिकताओं को अंतिम रूप दे दिया गया है और 27 अक्टूबर से काम शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि पहले रैंडमाइजेशन के माध्यम से मतदान दिवस के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में ईवीएम/वीवीपीएटी का आवंटन 18 अक्टूबर को पूरा किया गया था। दूसरा रैंडमाइजेशन ईसीआई द्वारा तैनात संबंधित सामान्य पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में सभी 11 जिलों द्वारा प्रत्येक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न मतदान केंद्रों पर ईवीएम/वीवीपीएटी का

आवंटन 23 अक्टूबर को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। ईसीआई ने प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए आर्वाइट ईवीएम/वीवीपीएटी का प्रतिशत मतदान केंद्रों की कुल संख्या के 10 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी करने को मंजूरी दे दी है। इससे राज्य भर के 1276 मतदान केंद्रों पर मतदान दिवस पर चुनाव कराने वाले मतदान अधिकारियों को पर्याप्त व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए उपलब्ध ईवीएम/वीवीपीएटी की संख्या में वृद्धि होगी। कर्मांशनिंग (मतदान के लिए ईवीएम/वीवीपीएटी की तैयारी) 27 अक्टूबर से शुरू होगी। इस उद्देश्य के लिए इलेक्ट्रॉनिक कार्रपॉरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के अड़तालीस (48) इंजीनियरों को तैनात किया जाएगा। मतदान के लिए उपयोग की जाने वाली ईवीएम/वीवीपीएटी की एक सूची सभी चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को विधिवत साझा की गई है। सभी ईवीएम/वीवीपीएटी को जिला स्टांग रूम में चौबीसों घंटे सशस्त्र सुरक्षा कर्मियों द्वारा संरक्षित और सीसीटीवी कवरेज के तहत सुरक्षित रूप से संग्रहीत किया गया है। मतपत्र निर्वाचन इकाई में उपयोग के लिए मतपत्रों की छपाई ईसीआई प्रोटोकॉल के अनुसार सरकारी

प्रेस में की जाती है। जो पूरी हो चुकी है। सभी जिलों में 25 अक्टूबर को मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय से अपने मतपत्र प्राप्त किये। डाक मतपत्र मतदाताओं की 4 श्रेणियां होंगी जो डाक मतपत्र सुविधा का लाभ उठाएंगे। वरिष्ठ नागरिक (80), दिव्यांगजन को बेंचमार्क विकलांगता के साथ ई-रोल में भेज दिया गया है। अधिसूचित आवश्यक सेवाएं, चुनाव ड्यूटी पर मतदाता संबंधित आरओ ने प्रारंभिक फॉर्म जारी किए हैं। कई आवेदन प्राप्त हुए हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए इसका पालन किया जाएगा कि सभी पात्र आवेदन इस सुविधा का लाभ उठा सकें। इलेक्ट्रॉनिकली ट्रांसमिटेड पोस्टल बैलेट मैनेजमेंट सिस्टम (ईटीपीबीएमएस) के माध्यम से सभी 4,975 सेवा मतदाताओं के लिए ई-पोस्टल मतपत्र तैयार और प्रेषित किया गया है। होम वोटिंग हेतु मिजोरम के 40 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 2092 वरिष्ठ नागरिकों (80) और विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) को होम वोटिंग की सुविधा प्रदान की जाएगी। घरेलू मतदान के लिए वैध आवेदनों की संख्या अनुबंध-द्वारा दी गई है। चुनाव व्यवस्था निगरानी हेतु सभी व्यवस्था निगरानी टीमों को तैनात किया गया है और सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए ईसीआई द्वारा तैनात व्यवस्था पर्यवेक्षक की प्रत्यक्ष निगरानी में काम किया गया है।

जंगली हाथी के हमले में एक की मौत

उदालगुड़ी (हिस)। उदालगुड़ी जिले के बभेगांव में जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में एक व्यक्ति की मौत पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि भारत-भूटान सीमावर्ती इलाके में जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में देवसुब्बा गांव में बिनय बर्मन (43) की मौत पर ही मौत हो गई। घटना के समय मृतक अपने खेत में धान की रखवली कर रहा था। इस दौरान हाथी ने उसे पैरों तले कुचलकर मार डाला। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि इलाके में पिछले एक सप्ताह से हाथी खाद्य की तलाश में जमकर उपद्रव मचा रहे हैं। इसकी जानकारी वन विभाग को दिए जाने के बावजूद भी वन विभाग द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने की वजह से यह हादसा हुआ। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम मृत व्यक्ति के शव को आपने



कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

उत्तर गुवाहाटी-गुवाहाटी नौका सेवाएं रहीं निलंबित



गुवाहाटी (हिस)। ब्रह्मपुर नद में जल स्तर कम हो जाने से उत्तर गुवाहाटी की गुवाहाटी से जोड़ने वाली नौका सेवाएं बुधवार के लिए निलंबित कर दी गई हैं। अंतर्देशीय जल परिवहन विभाग ने आज फेरी सेवा को बंद रखकर वैकल्पिक मार्ग तैयार करने का निर्णय लिया। यह निर्णय ब्रह्मपुर नदी का जलस्तर कम हो जाने की वजह से लिया गया है। फेरी सेवाएं गुरुवार यानी 26 अक्टूबर से फिर से शुरू होंगी।

रोटरी स्मार्ट सिटी के गरबा उत्सव का शानदार समापन



गुवाहाटी (विभास)। गैर सरकारी संगठन रोटरी क्लब का गुवाहाटी स्मार्ट सिटी के तत्वाधान में आयोजित 6 दिवसीय गरबा उत्सव का शानदार समापन हुआ। सोनाराम खेल मैदान में आयोजित गरबा उत्सव व नवरात्र डॉडिया रास के दौरान रोजाना बड़ी संख्या में लोगों ने अपने परिवार व मित्रों के साथ कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम के अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने बताया कि इस दौरान रोजाना बॉलीवुड के कई नामी सितारों सहित प्रख्यात न्यूजिक बैंड ने भी रोजाना अपनी प्रस्तुति दी। गरबा उत्सव के दौरान गुजराती गीतों के अलावा स्थानीय असमिया पारंपरिक गीतों का भी दर्शकों ने भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम संयोजक विनय डीडवानिया ने बताया कि रोटरी क्लब गुवाहाटी स्मार्ट सिटी के तत्वाधान में आयोजित इस रोमांच कार्यक्रम में माहेस्वरी युवा संगठन, रोटेक्ट क्लब ऑफ रॉंगली गुवाहाटी व और एंटरटेनमेंट सहित पुलिस प्रशासन व मीडिया का भरपूर सहयोग मिला। उन्होंने कार्यक्रम के सभी प्रायोजकों के प्रति भी आभार व्यक्त किया। क्लब के सचिव अभिषेक जैन ने बताया कि रोटरी क्लब का यह कार्यक्रम एक अर्थ संग्रह आयोजन था। इस आयोजन से आय होने वाली संपूर्ण राशि को क्लब पूरे वर्ष पर विभिन्न विभिन्न सामाजिक गतिविधियों, मानव कल्याण एवं शिक्षा के क्षेत्र में व्यय करती हैं।

पूसीरे ने बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों के लिए कुछ ट्रेनें की रद्द

गुवाहाटी (हिस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के रिंग्या मंडल के अंतर्गत बोको, बासुनीगांव, शिंगरा और धूपधारा स्टेशनों पर पोस्ट नॉन इंटरलॉकिंग और नॉन इंटरलॉकिंग कार्यों के मद्देनजर उक्त सेक्शन से होकर गुजरने वाली कुछ ट्रेनों को निम्नानुसार रद्द किया गया है। पूसीरे के सीपीआरो सव्सायटी डे ने आज बताया है कि 27 अक्टूबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15417 (अलीपुरद्वार जंक्शन-सिलघाट टाउन) राज्य रानी एक्सप्रेस रद्द रहेगी। 28 अक्टूबर को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15418 (सिलघाट टाउन-अलीपुरद्वार जंक्शन) राज्य रानी एक्सप्रेस रद्द रहेगी। इसके अलावा, अन्य ट्रेनों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए, ट्रेन संख्या 04653/04654 (न्यू जलपाईगुड़ी-अमृतसर-

न्यू जलपाईगुड़ी) स्पेशल और ट्रेन संख्या 05616/05615 (गुवाहाटी-उदयपुर सिटी-गुवाहाटी) स्पेशल के समय-सारणी में संशोधन करने का निर्णय लिया गया है। ट्रेन संख्या 04654 (अमृतसर-न्यू जलपाईगुड़ी) स्पेशल 25 अक्टूबर से प्रत्येक बुधवार को संशोधित समय के साथ संचालित होगी। ट्रेन अमृतसर से 08:40 बजे खाना होकर न्यू जलपाईगुड़ी 17:45 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 04653 (न्यू जलपाईगुड़ी-अमृतसर) स्पेशल 27 अक्टूबर से प्रत्येक शुक्रवार को संशोधित समय के साथ संचालित होगी। यह ट्रेन न्यू जलपाईगुड़ी से 06:45 बजे प्रस्थान कर अमृतसर 16:20 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 05616 (गुवाहाटी-उदयपुर सिटी) स्पेशल 29 अक्टूबर को संशोधित समय के साथ संचालित होगी।

मंगलदै दुर्गापूजा मंडप में चोरी, दो चोर गिरफ्तार

दरंग (हिस)। मंगलदै स्थित उत्तर मंगलदै सार्वजनिक दुर्गापूजा मंडप में मंगलवार को हुई चोरी के सिलसिले में पुलिस ने आज दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि दशमी की पूजा खत्म होने के तुरंत बाद दो चोरों ने पूजा पंडाल में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। दोनों चोरों ने पूजा पंडाल में रखे कांसा के बड़े बर्तन, कलश एवं अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। पूजा समिति के लोगों द्वारा दोनों चोरों को पकड़ लिया गया। समिति के लोगों ने दोनों चोरों को पुलिस के हवाले कर दिया। दोनों चोरों की पहचान नगरवाही कानाईसूबा के अल्लाफ हुसैन और सरिफुल के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों चोरों के पास से ड्रस, गांजा और सिस्त्रिज बरामद किया है।

होजाई : जिला आयुक्त कार्यालय से अमृत कलश दल गुवाहाटी के लिए रवाना



होजाई (निर्स)। देश के स्वाधीनता के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने अमृत महोत्सव आयोजन का अंश मेरी माता, मेरा देश के साथ संपत्ति रखते हुए होजाई से दिल्ली के लिए अमृत कलश यात्रा आज होजाई जिला

ईफाल। मणिपुर पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ 24 अक्टूबर को थोबल, काकचिंग, कांग्पाकपी, बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जैसे इलाकों को निशाना बनाते हुए अपने तलाशी अभियान में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। मणिपुर हिंसा के लाभग आधे साल बाद भी यह सवाल अभी भी अनुत्तरित है कि उत्तेजित भीड़ ने सुरक्षा बलों के शस्त्रागार से कितने हथियार लूटे हैं। मणिपुर पुलिस ने सुरक्षा बलों के साथ 24 अक्टूबर को थोबल, काकचिंग, कांग्पाकपी, बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जैसे इलाकों को निशाना बनाते हुए अपने तलाशी अभियान में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। इसी तरह के एक अन्य ऑपरेशन के दौरान, राज्य पुलिस ने केंद्रिय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवानों के साथ हाथ मिलाया और चुराचांदपुर में म्यांमार स्थित आतंकवादी समूह चिन-कु की लिबरेशन आर्मी (सीकेएलए) से हथियार, ड्रस और नकदी जब्त की। कई पुलिस स्टेशनों

में दर्ज कुल 27 सार्वजनिक रूप से उपलब्ध एफआईआर के आधार पर मणिपुर के विभिन्न जिलों में दंगाइयों द्वारा लूटे जा रहे गोला-बारूद के विशाल भंडार को उजागर करने का प्रयास किया है। संघर्ष की शुरुआत में, अनियंत्रित रूप से हिंसक हुई भीड़ ने अपने पड़ोसी क्षेत्रों में आक्रोश फैलाने के लिए बड़ी संख्या में हथियार लूट लिए, जैसा कि मणिपुर

इसके बाद एक सुसज्जित बस में अमृत कलश को लेकर गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कला क्षेत्र में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय आयोजन के लिए यहां से रवाना किया गया। उल्लेखयोग्य है की आने वाले 27 अक्टूबर को राजधानी एक्सप्रेस से असम से अमृत कलश प्रतिनिधि दिल्ली के लिए रवाना होंगे। उक्त जानकारी आज संपर्क विभाग द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

गुवाहाटी की समायकरा जैन ने हुला हापिंग में बनाया रिकार्ड



गुवाहाटी। गुवाहाटी की नौ वर्षीय बच्ची समायकरा जैन ने हुल्ला हापिंग, जिसमें कमर के चारों ओर रिंग को घूमाकर असम बुक ऑफ रिकार्ड्स, ओएमजी बुक ऑफ रिकार्ड्स, इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड्स, एशिया बुक ऑफ रिकार्ड्स, मैं अपना नाम दर्ज करवा लिया है। समायकरा जैन ने यह रिकार्ड 6 मिनट 23 सेकेंड में 800 हुला हापिंग नियम कमर के चारों ओर घूमा कर संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त 195 देश की राजधानियों के नाम बता कर रिकार्ड बनाया है। समायकरा जैन गुवाहाटी निवासी अभिषेक-प्रियंका जैन की पुत्री हैं।

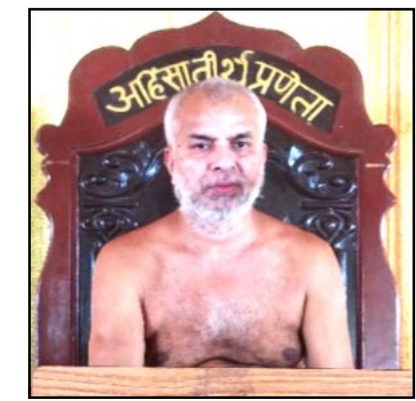
तीन पशु तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे

गुवाहाटी (हिस)। गुवाहाटी के सोनपुर पुलिस ने पशु तस्करों में शामिल दो तस्करों को 36 मवेशियों समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के डिगार इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान एक ट्रक (एस-01जीसी-9844) को जब्त किया गया। ट्रक से कुल 36 मवेशियों को बरामद किया गया है। जिसे मेघालय के पशु बाजार तक ले जाया जा रहा था। इस मामले में चालक सहित तीन पशु तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस इस संबंध में पशु अधिनियम के तहत एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

आचार्य प्रमुख सागर महाराज की मौन साधना संपन्न

मौन ही सबसे उत्तम उत्तर है: आचार्य प्रमुख सागर

गुवाहाटी। मौन सभी प्रश्नों का उत्तर है। जो मौन रहते हैं वह बहुत शांत होते हैं। आप ने कहा कि मैंने नौ दिनों तक जो साधना की उसका एक नियम आप सभी लोग लेंगे कि जहां वाद-विवाद और लड़ाई-झगड़ा हो रहा हो उस जगह पर मौन रहना है। मौन से ही सारी साधनाएं होती हैं, मौन रहने से ही हिंसा रूकती है व मौन से अंदर की शांति मिलती है। यह उक्त बातें मंगलवार को आचार्य प्रमुख सागर महाराज ने भगवान महावीर धर्म स्थल में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मौन ही सबसे उत्तम उत्तर है। मालूम है कि आचार्य प्रमुख सागर महाराज का मंगलवार को विश्व में शांति स्थापना



हेतु अखंड मौन साधना व्रत संपन्न हुआ। चातुर्मास समिति के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि आज प्रातः आचार्य श्री ससंघ के मुखारविंद से श्रीजी की शांतिधारा करने का परम सौभाग्य ओम प्रकाश- प्रभा देवी सेठी परिवार, गुवाहाटी/ बंगलुरु, एवं सुरेश कु.-अमित कु. बाकलीवाल परिवार, गुवाहाटी को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात मंगलारचण, चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट आदि के पश्चात आचार्य की भक्ति भाव पूर्वक अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। प्रचार प्रसार विभाग के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी ने बताया कि आचार्य ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को अपना विशेष आशीर्वाद प्रदान किया। इस मौके पर काफी संख्या में गुरु भक्त उपस्थित थे।

मप्र विस चुनाव: आईएनडीआईए में तकरार, कांग्रेस के खिलाफ सपा, जेडीयू व आप ने 89 सीटों पर उतारे उम्मीदवार

भोपाल, (हि.स.)। विपक्षी दलों के गठबंधन आईएनडीआईए में मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए टिकट बंटवारे को लेकर तकरार देखने को मिल रही है। कांग्रेस ने राज्य की सभी 230 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। इसके बाद आईएनडीआईए में शामिल दल भी कांग्रेस के खिलाफ चुनावी मैदान में अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर रहे हैं। मंगलवार रात ही जेडीयू ने पांच सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित किए, जबकि समाजवादी पार्टी (सपा) और आम आदमी पार्टी (आप) भी कई सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। इस तरह कांग्रेस के खिलाफ सपा, आप और जेडीयू 89 सीटों पर चुनाव मैदान में अपने उम्मीदवार उतार चुकी हैं। राष्ट्रीय स्तर पर बने आईएनडीआईए में कांग्रेस के साथ सपा, आप और जेडीयू भी शामिल हैं, लेकिन मध्य प्रदेश में इनके बीच कोई गठबंधन नहीं है। इसीलिए इन दलों ने भी अपने उम्मीदवारों की सूचियां जारी की हैं। अब ये दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। मध्य प्रदेश में कांग्रेस मुख्य विपक्षी पार्टी है। ऐसे में कांग्रेस को नुकसान होने का डर सताने लगा है। इससे भाजपा को फायदा मिलने की संभावना है।

सबलगाढ़ विधानसभा सीट से कांग्रेस ने बैजनाथ कुशवाहा को टिकट दिया है, जबकि यहां से सपा ने लाल सिंह राठौर को उम्मीदवार बनाया है। जौरा से कांग्रेस के पंकज उपाध्याय के खिलाफ सपा ने रीना कुशवाहा और आप ने भगवती धाकड़ को टिकट दिया है। सुमावली से कांग्रेस के कुलदीप सिकरवार के खिलाफ आप की मंजु सोलंकी चुनाव मैदान में हैं। मुरैना से कांग्रेस के दिनेश गुर्जर के खिलाफ आप के रंजेश उपाध्याय चुनाव लड़ेंगे। दिमनी से कांग्रेस के सुरेन्द्र सिंह तोमर को टिकट दिया है। भिंड से कांग्रेस के चौधरी राकेश चतुर्वेदी के खिलाफ आप के राहुल कुशवाहा मैदान में हैं।

मेहगांव सीट पर कांग्रेस ने राहुल भदौरिया को टिकट दिया है, जबकि यहां से सपा ने बृजकिशोर सिंह गुर्जर और आप ने सतिंदर भदौरिया को प्रत्याशी बनाया है। गौहद से कांग्रेस के सुरेन्द्र चौधरी के खिलाफ आप के यशवंत पटवारी, ग्वालियर ग्रामीण से कांग्रेस के साहब सिंह गुर्जर के खिलाफ आप के सुमित पाल, ग्वालियर से कांग्रेस के सुनील शर्मा के खिलाफ आप के रोहित गुप्त, ग्वालियर दक्षिण से कांग्रेस के प्रवीण



पाठक के खिलाफ आप के पंकज गुप्ता, सेवड़ा से कांग्रेस के धनश्याम सिंह के खिलाफ आप के संजय दुबे, भांडेर से कांग्रेस के फूल सिंह बैर्या के सामने सपा के अरबी राहुल अंहरवार और आप की रमणी देवी जाटव चुनाव मैदान में हैं। शिवपुरी से कांग्रेस के केपी सिंह के खिलाफ आप के अनुप गोयल, पिछोर से कांग्रेस के अरविंद सिंह लोधी के खिलाफ जेडीयू के चंद्रपाल यादव, चाचौड़ा से कांग्रेस के लक्ष्मण सिंह के खिलाफ आप की ममता मीणा, नरयावली से कांग्रेस के सुरेन्द्र कुशवाहा के खिलाफ आप की शारदा खटीक, सागर से कांग्रेस की निधि जैन के खिलाफ आप के मुकेश कुमार जैन, बंडा से कांग्रेस के तरवर सिंह लोधी के खिलाफ आप के सुधीर यादव, जलता से कांग्रेस की किरण अहिरवार के

सिया भारती के खिलाफ आप की चंदा किन्नर, दमोह से कांग्रेस के अजय कुमार टंडन के खिलाफ आप के चाहत मणि पांडेय, जंबेरा से कांग्रेस के प्रताप सिंह लोधी के खिलाफ सपा के लखन लाल यादव चुनाव मैदान में हैं। इसी प्रकार गुनौर, चित्रकूट, रैगांव, सतना, नागद, मैहर, रामपुर-बधेलान, सिरमौर, त्योंथर, मऊगंज, देवतालाब, मंगवगां, रीवा, गुड चुरहट, सीधी, चितरंगी, सिंगरीली, देवसर, धौहनी, ब्यौहारी, मानपुर, बड़वारा, विजयराघवगढ़, मुडुवारा, बहोरीबंद, पाटन, बरगी, जबलपुर कैंट, पनागर, शहरपुर, परसवाड़ा, बालाघाट, कटंगी, चौई, सिवनी-मालवा, सिरोंज, भोपाल उत्तर, नरेला, भोपाल मध्य, गोविंदपुरा, हुजूर, नरसिंहगढ़, शुजालपुर, कालापीपल, संघवा, राजपुर, पानसेमल, थोदला, पेटलावट, गंधवानी, मनावर, इंदौर-1, इंदौर-4, इंदौर-5, महु, नागदा-खारचोड़, उज्जैन उत्तर और रतलाम शहर से भी कांग्रेस के खिलाफ आईएनडीआईए में शामिल दलों ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। इनके अलावा प्रदेश के विधानसभा चुनाव में बसपा और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने भी करीब 72 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित किए हैं।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सप्लीक 27 को करेंगे बदरीनाथ धाम के दर्शन

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सप्लीक 27 को करेंगे बदरीनाथ धाम के दर्शन



उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 27 अक्टूबर को बदरीनाथ धाम के दर्शन के लिए पहुंचेंगे। उप राष्ट्रपति के साथ उनकी धर्मपत्नी भी होंगी। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने बताया कि उप राष्ट्रपति धनखड़ और उनकी पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ 27 अक्टूबर को वायु सेना के विशेष विमान से सुबह 10:30 बजे बदरीनाथ धाम पहुंचेंगे। इसके बाद 10:45 से 11:30 बजे तक बदरीनाथ मंदिर में दर्शन और पूजा करेंगे और 11:45 बजे बदरीनाथ से देहरादून के लिए प्रस्थान करेंगे। उप राष्ट्रपति के बदरीनाथ धाम के दर्शन के लिए जिलाधिकारी ने बुधवार को समस्त अधिकारियों को बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को बदरीनाथ धाम और गौहर हेलीपैड व सुरक्षा व्यवस्था और अन्य समस्त व्यवस्थाएं चाक चौबंद करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में पुलिस अधीक्षक रेखा यादव, डीएफओ सर्वेश कुमार दुबे, सीडीओ डॉ. एलएन मिश्र, एडीएम डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, सीएमओ डॉ. राजीव शर्मा, एसडीएम कुमुकुम जोशी आदि मौजूद थे।

देवभूमि द्वारका: द्वारकाधीश के दर्शन करने जगत मंदिर पहुंचे मुकेश अंबानी



देवभूमि द्वारका, (हि.स.)। रिलायंस इंडस्ट्री के मालिक मुकेश अंबानी अपने बेटे अनंत अंबानी के साथ मंगलवार शाम देवभूमि द्वारका में द्वारकाधीश का दर्शन करने जगत मंदिर पहुंचे। सख्त पुलिस बंदोबस्त के बीच उन्होंने भगवान द्वारकाधीश के दर्शन कर पूजन किया। मंदिर प्रशासन की ओर से उन्हें भगवान का वस्त्र शॉल अंबानी और उनके पुत्र अनंत अंबानी को सम्मानित किया गया। अंबानी ने शारदा मठ जाकर भी पूजा अर्चना की। इससे पूर्व गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपानी भी द्वारका के जगत मंदिर गए। उन्होंने भगवान द्वारकाधीश की पूजा अर्चना कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2024 में फिर प्रधानमंत्री बनने के लिए प्रार्थना की।

प्रेम और करुणा के बिना मानवता जीवित नहीं रह सकती : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा आयोजित अंतर्धार्मिक बैठक में कहा कि प्रेम और करुणा के बिना मानवता जीवित नहीं रह सकती। राष्ट्रपति ने कहा कि जब विभिन्न धर्मों के लोग एक साथ मिल-जुलकर रहते हैं तो समाज और देश का सामाजिक ताना-बाना मजबूत होता है। यही ताकत देश की एकता को और मजबूत करती है और प्रगति के पथ पर ले जाती है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य 2047 तक भारत को एक विकसित देश के रूप में स्थापित करना है, इस लक्ष्य को हासिल करने में सभी का सहयोग आवश्यक होगा। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि धर्म हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। धार्मिक मान्यताएं और प्रथाएं हमें



विपरीत परिस्थितियों में राहत, आशा और शक्ति प्रदान करती हैं। प्रार्थना, ध्यान और अनुग्रह मनुष्य को आंतरिक शांति और भावनात्मक स्थिरता का अनुभव करने में मदद करते हैं लेकिन शांति, प्रेम, पवित्रता और सच्चाई जैसे मौलिक आध्यात्मिक मूल्य ही हमारे जीवन को सार्थक बनाते हैं। इन मूल्यों से रहित धार्मिक प्रथाएं हमारा कल्याण नहीं कर सकती हैं। समाज में शांति और सद्भाव को

अभिनेता राजकुमार राव बनेंगे चुनाव आयोग के 'राष्ट्रीय आइकन'



नई दिल्ली, (हि.स.)। चुनाव आयोग ने फिल्म अभिनेता राजकुमार राव को राष्ट्रीय आइकन बनाया है। गुरुवार को आकाशवाणी के रंग भवन में इस संबंध में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आयोग लगातार युवाओं में चुनावों के प्रति उदासीनता दूर करने के प्रयास में लगा हुआ है। इसी क्रम में पहले सचिन तेंदुलकर और अब राजकुमार राव को राष्ट्रीय आइकन बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि दो महीने पहले क्रिकेट लेजेन्ड और भारत रत्न सचिन तेंदुलकर को चुनाव आयोग ने मतदाता जागरूकता और शिक्षा के लिए 'राष्ट्रीय आइकन' बनाया था। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अनुप चंद्र पाण्डेय तथा अरुण गोयल की उपस्थिति में आकाशवाणी रंग

भवन, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में अभिनेता के साथ इस संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जायेंगे। भारत निर्वाचन आयोग विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध भारतीयों के साथ स्वयं को जोड़ता आया है और लोकतंत्र के पर्व में भागीदारी के लिए मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए उन्हें भारत

उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस से मिलने के बाद नीलेश राणे की नाराजगी दूर करने का दावा

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री रवींद्र चव्हाण ने पूर्व सांसद और केन्द्रीय मंत्री नारायण राणे के बेटे नीलेश राणे की नाराजगी दूर होने का दावा किया है। हालांकि, विजयादशमी के दिन सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा करने वाले नीलेश राणे ने फिर से राजनीति में सक्रिय के बारे में कोई बयान नहीं दिया है। नीलेश राणे ने मंगलवार को विजयादशमी के दिन सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि उनकी इच्छा चुनाव लड़ने की नहीं है, इसलिए वे अब राजनीति में सक्रिय नहीं रहना चाहते। इसके बाद मंत्री रवींद्र चव्हाण आज सुबह नीलेश राणे को साथ लेकर उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र



फडणवीस के आवास पर गए। इन तीनों नेताओं के बीच तकरबीन डेढ़ घंटे तक चर्चा हुई। इसके बाद मंत्री रवींद्र चव्हाण और नीलेश राणे संयुक्त रूप से पत्रकारों को संबोधित किया। रवींद्र चव्हाण ने बताया कि नीलेश राणे के कार्यक्रमों के साथ अन्याय हो रहा था। इसी वजह से नीलेश राणे ने

दिल्ली मेट्रो लगा रही एक्स्ट्रा 40 फेरे भीड़ से मिलेगी निजात

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में बिगड़ती वायु गुणवत्ता के मद्देनजर और ग्रेडेड रिसॉन्स एक्शन प्लान का स्ट्रेज 2 लागू होने के कारण दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने घोषणा की है कि वह बुधवार (25 अक्टूबर) से अपने नेटवर्क पर सप्ताह के दिनों (सोमवार से शुक्रवार) में 40 अतिरिक्त ट्रेन ट्राय चलाएगी। डीएमआरसी के प्रवक्ता ने कहा कि ग्रैप-2 चरण के तहत प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार की ओर से अपनाए जा रहे अलग-अलग उपायों के तहत, बुधवार से डीएमआरसी अपने नेटवर्क पर कार्यदिवसों पर 40 अतिरिक्त ट्रेन ट्राय चलाएगी दिल्ली-एनसीआर में यात्रियों के बीच सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को तेज करने के लिए इस-

की योजना बनाई गई है। आमतौर पर, दिल्ली मेट्रो ट्रेनों की ओर से हर दिन 4,300 से अधिक यात्राएं की जाती हैं। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएयूएएम) ने कहा कि प्रतिकूल मौसम और जलवायु परिस्थितियों के कारण वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में आने के कारण दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्रों में ग्रेडेड रिसॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) चरण-2 लागू किया गया है। इसमें औद्योगिक, वाणिज्यिक, आवासीय और कार्यालयों आदि सहित एनसीआर के सभी क्षेत्रों में डीजी सेट के विनियमित संचालन के लिए कार्यक्रम को सख्ती से लागू करने के लिए कहा गया है। इसमें अतिरिक्त बेड़ा शामिल करके और सेवा की

तेलंगाना विस चुनाव में खड़े ने किया कांग्रेस की जीत का दावा

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कहा कि तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत पक्की है। बुधवार को तेलंगाना विधानसभा के लिए हुई केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद खड़गे ने एक्स पर लिखा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता लगातार कांग्रेस पार्टी पर हमला करके अपनी घोर निराशा दिखा रहे हैं। खड़गे ने आरोप लगाया कि बीआरएस, भाजपा, एएमआईएम के नेता भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए हैं। इन नेताओं के पास तेलंगाना के लोगों को झूठ, लूट और कमीशन के अलावा दिखाने के लिए कुछ नहीं है। तेलंगाना में लोग कांग्रेस के प्रति भरोसा दिखा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत



पक्की है। उल्लेखनीय है कि आज कांग्रेस मुख्यालय में तेलंगाना विधानसभा चुनाव को लेकर एक बैठक हुई। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल

चुनावी घोषणा पत्र के 1 भी वादे को कांग्रेस ने नहीं किया पूरा : भाजपा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर चुनावी घोषणा पत्र में किए गए एक भी वादे को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने श-क्रवार को कहा कि कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक की जनता से किए गए वादों को पूरा नहीं किया। कांग्रेस ने दोनों राज्यों में अपने घोषणा पत्र में किए गए वादे कई कैबिनेट की बैठक के बाद भी पूरा नहीं किया। संबित पात्रा ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने घोषणा पत्र में पांच लाख युवाओं को नौकरी देने का वादा किया था। इसके साथ ही 600 करोड़ रुपये से स्टार्टअप शुरू करने की बात भी की थी और कहा था कि कैबिनेट की पहली बैठक में इसे लागू करेंगे। आज 11 महीने

बीतने पर भी कुछ नहीं किया। इसी तरह कर्नाटक में भी महिलाओं को पेंशन देने की घोषणा की थी, लेकिन अभी तक इसे लागू नहीं किया। भाजपा प्रवक्ता पात्रा ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर खालिस्तान के पक्ष में बयान देने का आरोप लगाते हुए राहुल और प्रियंका गांधी से सस पर जवाब देने की मांग की है। पात्रा ने कहा कि जिस खालिस्तान के कारण इंदिरा गांधी की हत्या हुई, उसी खालिस्तान के पक्ष में अशोक गहलोत ने बयान दिया है। क्या राहुल और प्रियंका गांधी भी वही सोचते हैं? इसका भी जवाब उन्हें देना चाहिए। अगर कांग्रेस ने हिमाचल और कर्नाटक में अपने घोषणा पत्र में किए वादों को पूरा किया होता तो आज अशोक गहलोत को खालिस्तान और राहुल को हमस का समर्थन नहीं करना पड़ता। भाजपा

प्रवक्ता पात्रा ने कहा कि राजस्थान के भरतपुर के बयाना से एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें निरपत नाम के शख्स पर ट्रैक्टर चढ़ाकर उसकी हत्या कर दी गई। पात्रा ने कहा कि ये सिर्फ एक शख्स की हत्या का मामला नहीं है। यह प्रदेश के किसी क्षेत्र विशेष की नहीं बल्कि पूरे राजस्थान की बात हो रही है, कांग्रेस शासित सभी राज्यों की बात हो रही है। पात्रा ने कहा कि प्रियंका गांधी आज राजस्थान दौरे पर हैं। मैं उनसे मांग करता हूँ कि वह रैली को संबोधित करने से पहले उस गांव का दौरा करें और वहां पुलिस अधिकारियों, डीएम, एसपी को निलंबित करके दिखाएं कि उनमें स्टैंड लेने का साहस है या नहीं। पात्रा ने प्रियंका को चुनौती देते हुए कहा कि सिर्फ भाषण और नारेबाजी से नहीं, यह दिखाना होगा कि उनमें हिम्मत है।

पंजाब के मुद्दे पर खुली बहस में शामिल होगी भाजपा, सरकार से मांगेंगे जवाब : जाखड़

राज्यपाल से मिलकर सहायक प्रोफेसर आत्महत्या केस में मंत्री के खिलाफ एफआईआर की मांग चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने ऐलान किया है कि वह एक नवंबर को लुधियाना में होने वाली मुख्यमंत्री भगवंत मान की खुली बहस में भाग लेकर पंजाब के मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेंगे। उन्होंने राज्यपाल से मिलकर सहायक प्रोफेसर आत्महत्या केस में मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने की मांग की। सुनील जाखड़ रोपड़ में आत्महत्या करने वाली असिस्टेंट प्रोफेसर बलवंदर कौर के भाई बलदेव के साथ बुधवार को चंडीगढ़ में पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से मुलाकात करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि 1158 असिस्टेंट प्रोफेसर संघर्ष मोर्चा की जगह अब इन्हें 1157 असिस्टेंट प्रोफेसर संघर्ष मोर्चा लिखना पड़ रहा है। इसके लिए जिम्मेदारी तय करवाने के लिए



उन्होंने गवरनर से मुलाकात की है। जाखड़ ने कहा कि वह सरकार से सिर्फ एसवाइल पर ही नहीं, बल्कि पंजाब में नियुक्ति पत्रों का इंतजार कर रहे कर्मचारियों के मुद्दों पर भी जवाब लेंगे। जाखड़ ने कहा कि हम जवाब देने नहीं, बल्कि सरकार से जवाब लेने जाएंगे। जाखड़ ने कहा कि पंजाब की सरकार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल चला रहे हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत

मान एक अपॉइंटेड मुख्यमंत्री हैं। जाखड़ ने कहा कि असिस्टेंट प्रोफेसर बलवंदर कौर को शिक्षा मंत्री ने आत्महत्या के लिए मजबूर किया था। यह उनके सुसाइड नोट से भी साबित हो रहा है। उन्होंने इन प्रोफेसर को धरना देने के लिए चैलेंज किया था। मजबूर इनको मंत्री के गांव गंधीपुर में धरना देना पड़ा। इसलिए मंत्री के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

सत्येंद्र जैन के खिलाफ आरोप तय करने पर कोर्ट ने आंशिक दलीलें सुनीं, 10 नवंबर को अगली सुनवाई

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने आज दिल्ली आबकारी घोटाला मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपित और दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ आरोप तय करने पर आंशिक दलीलें सुनीं। स्पेशल जज विकास दल ने 10 नवंबर को अगली सुनवाई करने का आदेश दिया। आज ईडी ने कहा कि चार्जशीट से जुड़े दस्तावेज की लिस्ट सत्येंद्र जैन के वकील को दे दी गई है। ईडी ने अपनी दलील में कोर्ट को बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच में आय से अधिक संपत्ति का पता चला है। इस स्ट्रेज पर उनका खुलासा नहीं किया जा सकता। ईडी ने कोर्ट को बताया कि छापेमारी के समय पहुंचने और निकलने के

दौरान क्या-क्या चीजें जन्म की गईं, वह सब रिकॉर्ड पर हैं। सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन के वकील ने कहा कि कोर्ट में दी गई ईडी की लिस्ट पूरी नहीं है। जुलाई, 2022 के बाद मरी और इस मामले के सह-आरोपियों के बयान दर्ज किए गए थे, जिसकी जानकारी अभी तक एजेंसी ने सत्येंद्र जैन को नहीं दी है। उन्होंने जुलाई, 2022 के बाद अगर कोई बयान दर्ज नहीं कराया है, तो इसकी भी जानकारी कोर्ट को देनी होगी, क्योंकि ईडी के मुताबिक मामले की जांच अभी जारी है। जैन की ओर से कहा गया कि गवाहों की लिस्ट में योगेश मलिक का नाम है, लेकिन दी गई लिस्ट में योगेश मलिक का नाम नहीं है। आखिरकार



ईडी कोर्ट से यह खेल क्यों खेल रही है। जैन की ओर से कहा गया कि एजेंसी ने अगर छापेमारी के दौरान कोई चीज जन्म नहीं की है, तो उस-को भी बताना होगा, क्योंकि सत्येंद्र जैन के पुराने आवास से कुछ चीजें गायब हैं। सत्येंद्र जैन ने कोर्ट को

बताया कि 2016 में जांच शुरू हुई। पांच साल बाद मरी खिलाफ केस दर्ज किए गए। आठ बार बयान लिया जा चुका है। 105 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन की ओर से मामले से जुड़े कुछ दस्तावेज और जब्त इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को देने की मांग की थी। ईडी ने सत्येंद्र जैन की इस मांग का विरोध किया था। इसके पहले 20 सितंबर को राऊज एवेन्यू कोर्ट के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन जज ने सत्येंद्र जैन की ईडी और सीबीआई से जुड़े मामलों को दूसरी कोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग खारिज कर दी थी। प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन जज अंजु बजाज चांदना ने कहा था कि इस याचिका में कोई मेरिट नहीं है। जैन पर आरोप है कि उन्होंने 2009-10 और 2010-11 में फर्जी कंपनियां बनाईं। इन कंपनियों में अकिंचन डवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड, इंडो मेटल इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रयास इंडो सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, मंगलायतन प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

आईआईटी कानपुर ने डिजिटल युग में व्यावसायिक नेतृत्व में दक्षता के लिए ई-मास्टर डिग्री की घोषणा की

कानपुर, (हि.स.)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर ने डिजिटल युग में व्यवसायों को मजबूती प्रदान करने में सहायता करने और पेशेवरों को विशिष्ट नेतृत्व कौशल से लैस करने के लिए डिजिटल युग में बिजनेस लीडरशिप में एक अनूठी ई मास्टर्स डिग्री लॉन्च की है। इसमें आवेदन के लिए फ्लैगशिप स्कोर की आवश्यकता नहीं होती है। यह जानकारी बुधवार को आईआईटी कानपुर के कार्यक्रम का उद्देश्य महत्वाकांक्षी पेशेवरों को आधुनिक व्यवसाय गतिशीलता की व्यापक समझ के साथ सशक्त बनाना है, जो व्यक्तियों को कॉर्पोरेट परिवर्तन की जटिलताओं से निपटने के लिए आवश्यक कौशल और अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। यह आर्थिक विज्ञान विभाग, आई आई टी कानपुर द्वारा डिजाइन किया गया एक कार्यकारी-अनुकूल कार्यक्रम है। यह आधुनिक व्यवसाय गतिशीलता की व्यापक समझ प्रदान करता है। इसमें आवेदन के लिए फ्लैगशिप स्कोर की आवश्यकता नहीं होती है। प्रो. एस. गणेश ने बताया कि इस कार्यक्रम को आईआईटी संकाय ने शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ उद्योग विशेषज्ञता का संयोजन करके पढ़ाया जाता है। केवल सप्ताहांत में लाइव इंटरैक्टिव कक्षाओं और सेल्फ-लर्निंग से सीखने के साथ, 1-3 वर्षों में



कार्यक्रम को पूरा करने की लचीली समय सीमा प्रदान करता है। पाठ्यक्रम में 60-क्रेडिट संरचना शामिल है जिसमें 03 कोर्स मांड्यूल, 10 प्रौद्योगिकी-उन्मुख मांड्यूल और एक क्रेडिट प्रोजेक्ट शामिल है। प्रतिभागियों को आईआईटी कानपुर के प्लेसमेंट सेल, इन्व्यूेशन सेल और एव चयन नेटवर्क तक पहुंच प्राप्त होती है। इससे करियर की संभावनाएं और नेटवर्किंग के अवसर बढ़ते हैं। यह कार्यक्रम आज के व्यावसायिक परिवर्तन में आए नए आयामों को संघोधित करता है। डिजिटल युग में प्रभावी व्यावसायिक नेतृत्व के विकास को सक्षम बनाता है। यह आधुनिक लीडर्स को डिजिटल रणनीतियों, डेटा-संचालित अंतर्दृष्टि और त्वरित निर्णय लेने की समझ प्रदान करके तेजी से तकनीकी प्रगति, उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव और उद्योगों के डिजिटल परिवर्तन को नेविगेट करने में सक्षम बनाता है। यह डिजिटल युग में व्यापारिक लीडर्स को प्रतिस्पर्धी लाभ, नवाचार, अनुकूलनशीलता और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए तैयार करता है। अध्ययनों से

पता चला है कि 52 प्रतिशत कंपनियों ने श्रमिक उत्पादकता में वृद्धि दर्ज की है, और 49 प्रतिशत ने अपने व्यवसायों में डिजिटल परिवर्तन करने के बाद बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया है। यह पाया गया है कि जो लीडर डिजिटल रूप से बाधित और खलातर विकसित हो रहे वैश्विक व्यापार परिवर्तन में प्रौद्योगिकी का उपयोग कर सकते हैं, वही इस बदलते व्यापार परिस्थितिको तंत्र में पनपेंगे। यह कार्यक्रम एक गतिशील डिजिटल परिवर्तन की आवश्यकताओं को शामिल करने के लिए एक गहन शिक्षण प्रारूप को अपनाया है, जिसमें आईआईटी कानपुर परिसर का दौरा, प्रतिष्ठित संकाय और अनुभवी पेशेवरों के साथ संबंधों को बढ़ावा देना शामिल है। डिजिटल युग में बिजनेस लीडरशिप में ई-मास्टर्स पेशेवरों को रणनीतिक सोच और परिवर्तनकारी नेतृत्व को अपनाने के माध्यम से अपने करियर को ऊपर उठाने में मदद करता है। विशेष रूप से, 600 से अधिक पेशेवर पहले ही आईआईटी कानपुर से ई मास्टर्स डिग्री कार्यक्रम में शामिल हो चुके हैं। अरुणा क्षेत्रों में अपने करियर को आगे बढ़ा रहे हैं। कार्यक्रम के लिए आवेदन अब खुले हैं। प्रतिभागी नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से अधिक जान सकते हैं और आवेदन कर सकते हैं: <https://emasters.iitk.ac.in/course/masters-in-business-leadership>

संस्कारयुक्त शिक्षा से ही सशक्त व समर्थ होगा राष्ट्र : मुख्यमंत्री

गोरखपुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी राष्ट्र को सशक्त बनाना है तो उसे समर्थ बनाना पड़ेगा। समर्थ बनने के लिए वहां की शिक्षा को संस्कारयुक्त होना पड़ेगा। शिक्षा ही हर व्यक्ति के भीतर आत्म अनुशासन की भावना पैदा करने, राष्ट्र के मुद्दों से जुड़ाव व समर्पण का भाव पैदा करने का सशक्त माध्यम है। मुख्यमंत्री योगी बुधवार को गोरखपुर मंडल (देवरिया, गोरखपुर, कुशीनगर व महाराजगंज जगपद) के 1086 परिषदीय विद्यालयों के स्मार्ट क्लास एवं 64 ब्लॉक संसाधन केंद्रों में आईसीटी (इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन) लैब्स के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह में प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों के 14 हजार 360 शिक्षकों को टैबलेट, 03 हजार 780 को-लोकेटेड आंगनवाड़ी केंद्रों वंडर बॉक्स तथा 01 हजार 207 दिव्यांग बच्चों के 01 हजार 980 सहायक उपकरणों के वितरण की भी शुरुआत हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि शिक्षा के अनुरूप ही व्यक्ति, समाज व राष्ट्र का चरित्र होगा। सशक्त राष्ट्र के निर्माण की बुनियाद शिक्षकों के परिश्रम व पुरुषार्थ पर टिकी है। शिक्षक ही तेजी से देश को नई बुलंदियों तक पहुंचा सकते हैं। गुरु वशिष्ठ, विश्वामित्र, सदीपनी, चाणक्य जैसे आदर्श गुरुओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीराम, श्रीकृष्ण और चंद्रपूत को बनाने में इनका मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। शिक्षकों को इन आदर्श गुरुओं से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक की सबसे बड़ी उपलब्धि तब होती है जब वह अपने बच्चों को समर्थवान और योग्य बनाकर उनका राष्ट्र के प्रति



समर्पण का भाव पैदा करता है। इसके लिए सबको स्वयं मूल्यांकन भी करना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति अपने कार्यों का मूल्यांकन नहीं करता है तो इसका मतलब वह अपने साथ समाज व राष्ट्र के साथ भी धोखा कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने विगत छह वर्षों में बेसिक शिक्षा विभाग में हुए आमूलचूल परिवर्तन का उल्लेख करते हुए कहा कि यह विभाग नित नए अलंकरण जोड़ रहा है। कायाकल्प, स्मार्ट क्लास जैसे कार्यक्रमों के बीच हर शिक्षक को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से आगे बढ़ने की जरूरत है। शिक्षक, विभाग से जुड़े सभी कार्यक्रमों के साथ समय के अनुरूप अपने को जोड़कर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ा पाएंगे तो इसके बेहतर परिणाम हम सबके सामने आएंगे। योगी ने शिक्षकों से अपने कार्यों का दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक, छमाही व वार्षिक मूल्यांकन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा

कि ज्यादातर बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालय ऑपरेशन कायाकल्प से आच्छादित हो चुके हैं। जो इक्के टुकके रह गए हैं, वहां शिक्षक जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों या पुराने छात्रों से सहाय्य ले सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षकों को बदलते परिवेश में तकनीकी दृष्टि से भी आगे बढ़ते रहना होगा। इसमें दिया जा रहा टैबलेट काफी सहायक हो सकता है। आने वाली पीढ़ी को नया मार्ग दिखाने के लिए भी तकनीकी रूप से सक्षम होना आवश्यक है। स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब का स्थापना और टैबलेट वितरण कर सरकार इसमें अपनी भूमिका का निर्वहन कर रही है। उन्होंने कहा कि आगे रहने के लिए हमेशा दो कदम आगे बढ़कर सोचना और उसके अनुरूप कार्य करना होगा। मुख्यमंत्री ने इंसेफेलाइटिस और उसके निवृत्तण का उल्लेख करने के साथ स्वच्छता को लेकर बच्चों और उनके

अभिभावकों को जागरूक करने की भी अपील की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अच्छी शिक्षा व्यवस्था वही है जिसमें निरंतर शोध हो। इसी को ध्यान में रखकर प्री प्राइमरी के रूप में आंगनवाड़ी केंद्रों को भी जोड़ा जा रहा है। जब तीसरे साल से ही बच्चा इन केंद्रों पर आएगा तो पांचवें साल स्कूल जाने पर उसे दिक्कत नहीं होगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि शिक्षक केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न प्रकार की योजनाओं को बेसिक शिक्षा परिषद के बच्चों के साथ जोड़ सकते हैं। खासकर छात्रवृत्ति व कन्या सुमंगला योजना को। उन्होंने बताया कि बेटी के जन्म से लेकर पढ़ाई के अलग-अलग चरणों में कुल 15 हजार रुपये के पैकेज वाली कन्या सुमंगला योजना की धनराशि नए सत्र में बढ़ाकर 25 हजार रुपये कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टाइम पास तो सबका हो जाता है। एक शिक्षक को ऐसा कार्य करना चाहिए जो हमेशा के लिए प्रशंसनीय बन जाए। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र की सामाजिक, भौगोलिक व आर्थिक स्थिति का अध्ययन करें। गांव या क्षेत्र की विशेषता, वहां के शिल्प, विरासत आदि की जानकारी करें। डाटा संग्रहित कर निष्कर्ष निकालें। इससे गांव में निहित संभावनाओं का भी पता लगेगा। इस संबंध में उन्होंने गोरखपुर के टैराकोटा गांव औरंगाबाद का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षकों से कहा कि आपका कार्यकाल जितना यादगार होगा, लोग आपको स्मरण करेंगे। नौकरी का मजा तभी है जब हमारे कार्यकाल को लोग जानें, उसकी अच्छे ढंग से सराहना करें और जाने के बाद भी याद रखें।

पावर कारपोरेशन ने दिया प्रस्ताव, बिजली बिल में आएगी कमी

लखनऊ, (हि.स.)। उप्र में बिजली के बिल में कमी की जाएगी। इसके लिए बिजली कंपनियों की तरफ से पावर कारपोरेशन ने वर्ष 2023-24 के बजट-2024 ईंधन अधिभार में कमी के लिए नियामक आयोग में प्रस्ताव दाखिल कर दिया है। इस प्रस्ताव पर राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने खुशी जाहिर की है। उपभोक्ता परिषद इसके लिए बहुत दिनों से लड़ाई लड़ रहा था। पावर कारपोरेशन के इस निर्णय से 18 पैसे प्रति यूनिट से लेकर 69 पैसे प्रति यूनिट तक बिजली बिल में कमी

आएगी। पावर कारपोरेशन द्वारा दाखिल प्रस्ताव के अनुसार घरेलू बीपीएल के इंधन अधिभार में 18 पैसे प्रति यूनिट, घरेलू सामान्य में 26 से 34 पैसे प्रति यूनिट, कामशियल में 34 से 48 पैसे प्रति यूनिट, किसान के लिए 13 से 30 पैसे प्रति यूनिट, नान इंडस्ट्रियल बल्कलोड पर 46 से 69 पैसे प्रति यूनिट, भारी उद्योग में 33 से 38 पैसे प्रति यूनिट की कमी की जाएगी। वहीं ग्रामीण घरेलू आमनेटर्ड जिनसे अभी रुपया 500 प्रति किलो वाट प्रति माह लिया जाता है। उनकी

बिजली दरों में प्रति माह 50 रुपया 90 पैसे प्रति किलो वाट प्रति माह का फायदा होगा वहीं किसानों को 48 रुपया 43पैसे प्रति हांस पावर का फायदा होगा। उपभोक्ता परिषद ने अपनी लामबंदी की तेज विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार व सदस्य संजय कुमार सिंह से मुलाकात कर कार्यवाही को आगे बढ़ाने की मांग उठाई। परिषद ने कहा कि नियामक आयोग कानून की परिधि में फैसला ले, जिससे प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को इसका अगले 3 महीने तक फायदा मिलेगा।



वाराणसी, (हि.स.)। कैंट रेलवे स्टेशन के अप यार्ड में बुधवार को डीडीयू नगर (मुगलसराय) की तरफ से आ रही लोहा लदी मालगाड़ी के तीन वैगन अचानक पटरी से उतर गए। सूचना पाते ही रेलवे के अफसरों में हड़काम्य मच गया। आनन-फानन में मौके पर रेलवे के आला अफसर पहुंच गए। हादसे में रेलवे ट्रेक क्षतिग्रस्त होने से लखनऊ-कोलकाता रूट भी बाधित हो गया। रूट को खाली करने का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। अपराह्न में मुगलसराय से एक मालगाड़ी वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन होते हुए कानपुर जा रही थी। अंधारापुल के पास कैंट स्टेशन के अप यार्ड में सिग्नल पर मालगाड़ी के लोको पायलट ने अचानक ब्रेक लगाया तो तीन बोगी तेज आवाज

साथ अचानक पटरी से उतर गए। इससे रेलवे ट्रेक भी क्षतिग्रस्त हो गया। लोको पायलट ने तत्काल कैंट स्टेशन के कंट्रोल रूम को मालगाड़ी के डिरेल होने की सूचना दी। जानकारी पाते ही रेलवे की टीम मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में जुट गई। रेलवे के अफसरों के अनुसार अप लाइन यानी मुगलसराय रूट को बंद कर दिया गया। उत्तर रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और दानापुर मंडल को सतर्क किया गया है। इस लाइन पर आ रही ट्रेनों का पीछे ही रोक दिया गया है या धीमी गति से चलाया जा रहा है। शीघ्र ही यातायात बहाल हो जायेगा। उत्तर रेलवे के एडीआरएम लालजी चौधरी इंजीनियरों के साथ मालगाड़ी के बोगियों को पटरी पर चढ़ाने में जुटे हुए हैं।

हजारीबाग में अधिवक्ताओं के बीच जमकर मारपीट, कई घायल

हजारीबाग, (हि.स.)। जिला बार एसोसिएशन के चुनाव के बाद वकीलों में जमकर मारपीट हुई है। जिले में काउंसिल के निर्देश के बाद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष समेत अन्य पदों के लिए वकीलों ने मतदान किया। मतदान के बाद वोटों की गिनती के दौरान जैसे ही बार काउंसिल के सदस्य और अध्यक्ष पद के उम्मीदवार अधिवक्ता राजकुमार उर्फ राजू को 12 मतों से विजयी घोषित किया गया, वैसे ही कई अधिवक्ता उत्तेजित हो गये और आपस में मारपीट शुरू कर दी। इस घटना में कई वकीलों को चोट भी लगी है। 12 वोटों से मामूली अंतर से जीत दर्ज करने वाले अधिवक्ता राजकुमार उर्फ राजू के निकटतम प्रतिद्वंदी जगहदास प्रसाद थे। मारपीट की घटना के बाद दोनों पक्षों की ओर से प्राथमिकी दर्ज करवाई गयी है। इस बीच झारखंड स्टेट बार काउंसिल के सदस्य मनोज कुमार ने काउंसिल को पत्र लिखा है। मनोज कुमार ने स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष से इस



मामले में संज्ञान लेकर पूरी घटना की जांच करने और मारपीट में शामिल वकीलों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने पत्र में कहा है कि चुनाव के दौरान जिला बार एसोसिएशन के वकीलों का आचरण बिगड़ना जा रहा है। इससे वकालत के पेशे को नुकसान हो रहा है। झारखंड स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष राजेंद्र कृष्णा ने बताया कि हजारीबाग डिविजन कोर्ट परिसर में मतगणना के दौरान वकीलों के बीच मारपीट की घटना की जानकारी उन्हें मिली है, जिसके बाद उन्होंने इलेक्शन ऑब्जर्वर से पूरी घटना की विस्तृत रिपोर्ट और सीसीटीवी फुटेज के वीडियो मांगे हैं। कृष्णा ने मारपीट की घटना में शामिल वकीलों के नाम भी मांगे हैं।

शिक्षक अभ्यर्थियों के विरोध के बाद सरकार जारी करेगी कट ऑफ

पटना, (हि.स.)। बिहार में शिक्षकों की भर्ती के लिए हुई परीक्षा के रिजल्ट में गड़बड़ी के आरोप पर बिहार सरकार बैकटुपर पर आती दिख रही है। शिक्षक अभ्यर्थियों के भारी विरोध के बाद बीपीएससी के चेयरमैन अतुल प्रसाद ने बुधवार को कहा कि जल्द ही सभी विषयों का कट ऑफ जारी किया जाएगा। दर-अदरल, शिक्षक भर्ती परीक्षा का रिजल्ट जारी होने के बाद से ही अभ्यर्थी इसमें गड़बड़ी का आरोप लगा रहे थे। रिजल्ट में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए सैकड़ों अभ्यर्थियों ने बीते मंगलवार को पटना में बीपीएससी कार्यालय को घेर लिया और शिक्षकों की बहाली में हुए

फजीवाड़े की जांच की मांग करने लगे। अभ्यर्थियों के भारी विरोध के बाद सरकार ने शिक्षक भर्ती परीक्षा का कट ऑफ जारी करने का फैसला लिया है। अतुल प्रसाद ने आज बताया जारी कर कहा कि जब हम टीआईसी बड़ी संख्याओं से निपट रहे हैं, तो अयोग्य लोगों को हटाने के लिए मल्टी लेयर फिल्टरिंग की आवश्यकता होती है। यही हो रहा है और इसलिए सभी परिणाम सशर्त हैं। इस फिल्टरिंग से उत्पन्न होने वाली कोई भी रिक्ति एक या अधिक पद पर परिणामों से भरी जाएगी। बहुत जल्द हम सभी टीआईसी पेशे में कट ऑफ अंक घोषित करेंगे।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा शनिवार को रांची में संकल्प यात्रा समापन कार्यक्रम में होंगे शामिल

रांची, (हि.स.)। झारखंड भाजपा की संकल्प यात्रा के समापन कार्यक्रम में 28 अक्टूबर (शनिवार) को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल होंगे। कार्यक्रम यहां के हरमू मैदान में होगा है। माना जा रहा है कि इसके साथ ही मिशन 2024 के लिए नड्डा पार्टी को झारखंड में कमर कस कर तैयार होने का संदेश देंगे। प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की राज्यव्यापी संकल्प यात्रा का समापन कार्यक्रम 28 अक्टूबर को रांची के हरमू मैदान में पूर्वाह्न 11 बजे से आयोजित होगा। यात्रा के संयोजक एवं प्रदेश महामंत्री सह मुख्यालय प्रभारी डॉ प्रदीप वर्मा ने बताया कि समापन कार्यक्रम की तैयारी जोरशोर से चल रही है। राज्य सरकार की नाकामियों, विफलताओं, राज्य में व्याप्त सत्ता संपोषित प्रथाकार, ध्वस्त विधि व्यवस्था, बेरोजगारी, खनिजों की लूट, तुष्टीकरण के खिलाफ 17 आसत से प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में संकल्प यात्रा प्रारंभ हुई। प्रदेश अध्यक्ष ने राज्य के सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों में जाकर जनता



से सीधा संवाद स्थापित करते हुए राज्य की स्थिति को बताने का संकल्प लिया था, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष की यह संकल्प यात्रा जनता के अपार समर्थन से जन संकल्प यात्रा में बदल गई। अब तक 71 विधानसभा क्षेत्र में यह यात्रा आठ चरणों में संपन्न हो चुकी है। अब 28 अक्टूबर को हरमू मैदान में यात्रा का समापन होगा। समापन कार्यक्रम में छह विधानसभा क्षेत्रों- रांची, हटिया, कांके, मांडर, खिरी और तमाड़ क्षेत्र की संयुक्त सभा होगी। इसमें हजारों कार्यकर्ता

एवं जनता जुटेगी। संकल्प यात्रा के साथ ही पूरे प्रदेश में पार्टी कार्यकर्ताओं के द्वारा मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम भी चलाया जा रहा था, जिसमें अमृत वाटिका के निर्माण के लिए गांव-गांव से, शहीद स्थूल, शहीदों के गांव, ऐतिहासिक स्थलों से कलश में भरकर 263 प्रखंड एवं 49 नगर निकाय क्षेत्र को मिलाकर 312 कलश 28 अक्टूबर को सम्मानपूर्वक हरमू मैदान लाया जाएगा जिन्हें उई दिल्ली के लिए रवाना किया जाना है।

दशहरा के बाद प्रदेश की हवा हुई खराब, पटना में एक्यूआई पहुंचा 200

पटना, (हि.स.)। राज्य में धीरे-धीरे मौसम अपना मिजाज बदल रहा है। दशहरे के बाद बुधवार को प्रदेश की हवा खराब स्तर पर पहुंच गई है। पटना सहित उत्तर बिहार के अधिकतर शहर में वायु गुणवत्ता सूचकांक खराब स्तर पर पहुंच गई है। पटना के समनपुर में बुधवार को एक्यूआई 200 करीब दर्ज किया गया। इसके अलावा पूर्णिया में भी एक्यूआई 200 के ऊपर दर्ज किया गया। उत्तर बिहार के बेदूसराय, दरभंगा, मुजफ्फरपुर और भागलपुर शहर की भी वायु गुणवत्ता सूचकांक 100 से 200 के बीच दर्ज किया गया।



आज बिहार के विभिन्न शहरों में एक्यूआई स्तर
पटना- 195
पूर्णिया-170
मुजफ्फरपुर-145
बेगूसराय-140
आरा-138
भागलपुर-126
गया-113
वायु गुणवत्ता का सूचकांक

कितना खतरनाक
एक्यूआई-0-50 हवा अच्छी।
एक्यूआई-50-100 हवा ठीक लेकिन संवेदनशील।
एक्यूआई-100-200 हवा अच्छी नहीं, फेफड़े और दिल के मरीज को सांस लेने में समस्या।
एक्यूआई-200-300 हवा खराब, किसी को भी सांस लेने में समस्या।
एक्यूआई-300-400 हवा बहुत खराब, सांस की बीमारी हो सकती।
एक्यूआई-400-500 हवा खतरनाक, स्वास्थ्य व्यक्ति भी बीमारी हो सकता।
मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे के दौरान पटना में आसमान साफ रहेगा।न्यूनतम तापमान 20 और अधिकतम 31 डिग्री सेल्सियस के

नगर परिषद, जिला निबंधन कार्यालय एवं जिला शिक्षा कार्यालय का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

किशनगंज, (हि.स.)। जिलाधिकारी तुषार सिंगला ने बुधवार को जिला निबंधन, जिला शिक्षा और नगर परिषद, किशनगंज कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। डीएम ने निरीक्षण में मुख्य रूप से कार्यालय कर्मियों को उपस्थित, साफ सफाई, कार्य संस्कृति और आम नागरिकों की व्यवस्था को देखा। नगर परिषद किशनगंज कार्यालय में डीएम तुषार सिंगला पूर्वाह्न में पहुंचे। तत्समय उपस्थित कर्मियों की संख्या मात्र 5 पाई गई। कई कर्मों अकारण ही अनुपस्थित पाए गए। आरटीपीएस काउंटर पर कर्मों के उपलब्ध नहीं होने के कारण बंद की स्थिति में पाया गया। डीएम ने नाराजगी प्रकट करते हुए कार्यालयक पदाधिकारी से सभी कर्मियों के ड्यूटी के संबंध में जानकारी मांगी। अनुपस्थित कर्मियों

की परेशानियों को बुलाने की धौंस देने लगा।
केंद्रीय दुर्गा समिति के अध्यक्ष अमित सेठ भोल् ने बताया कि मजिस्ट्रेट की गाड़ी के टक्कर से एक दुर्गा समिति के दो कार्यकर्ता डीजे से गिरकर घायल हो गए और डीजे को भारी नुकसान हुआ है। इतना ही नहीं शराब के नशे में गाड़ी बैक करके ड्राइवर ने

का वेंतन काटने का आदेश दिया। लगभग 63 कर्मियों के प्रतिनियोजन/पदस्थान की सूचना प्राप्त हुई है, परंतु उपस्थित नगण्य हैं। जिला निबंधन कार्यालय के औचक निरीक्षण में कर्मियों की अनुपस्थित और निबंधन कार्यालय में लापरवाही पूर्ण कार्यशैली पर डीएम ने खेद प्रकट करते हुए ऐसी अनियमितता पर अनुपस्थिति के विरुद्ध वेंतन काटने का निर्देश दिया। जिला अवर निबंधक भी औचक निरीक्षण के समय अनुपस्थित थे, परंतु सूचना पर भागते हुए कार्यालय पहुंचे।



एक पक्की दीवार को भी टोकर मारी, जिससे दीवार पूरी तरह डैमेज हो गई। मजिस्ट्रेट लिखी टाटा सुनो गाड़ी का ड्राइवर न सिर्फ शराब के नशे में था बल्कि अंडरवियर पहने हुए लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। दुर्घटना में डीजे को करीब दो लाख का नुकसान हुआ है। इतना ही नहीं शराब के नशे में गाड़ी बैक करके ड्राइवर ने

हेमंत सरकार में खेल को मिल रही ताकत और गति

रांची, 25 अक्टूबर (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के प्रयास से खेल और खिलाड़ियों का इस्तेकबाल उनका सुनहरा वर्तमान कर रहा है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में खेल और खिलाड़ियों के विकास के लिए कई प्रयास विगत साढ़े तीन वर्ष में हुए हैं, जिसका प्रतिफल है कि आज खेल के क्षेत्र से जुड़ा झारखंड का हर वर्ग अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए एशिया महाद्वीप में पहली बार महिला एशियन हॉकी चैंपियन टूर्नामि की मेजबानी झारखंड में हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में हो रहा है। इस चैंपियंस टूर्नामि के लिए लगभग सभी टीम रांची पहुंच चुकी हैं। राज्य में आयोजित हो रहे महिला हॉकी एशियन चैंपियंस टूर्नामि में एशिया की छह प्रमुख टीमों भाग ले रही हैं, जिसका आयोजन 27 अक्टूबर से पांच नवंबर तक रांची में होगा। इससे पूर्व सिमडेगा में नेशनल जूनियर हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जहां पूरे भारत से आये खिलाड़ियों ने भाग लिया था। राज्य के हुनरमंद स्कुली बच्चों की प्रतिभा को तराशने के लिए



स्कूल स्तर पर खेलों झारखंड का आयोजन किया गया। जमीनी स्तर पर खेल को बढ़ावा देने के लिए सरकार इसकी शुरुआत की, जिसके तहत राज्य के सभी स्कूलों के बच्चों ने भाग लेकर अपने हुनर को दिखाने का काम किया। दूसरी ओर सहाय स्कनी की शुरुआत की है, जिसका मकसद खेल के माध्यम से नक्सल क्षेत्र में रह रहे युवाओं के बीच सकारात्मकता को प्रस्तुत कर उन्हें मुख्य धारा से जोड़े रखना का प्रयास किया गया। इस पहल के जरिए पहले वर्ष में कुल 75,000 खिलाड़ियों ने भाग लेकर सरकार के प्रयास को सार्थक किया। राज्य के खिलाड़ियों की शारीरिक दक्षता को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने

के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर उनको दी जाने वाली भोजन की राशि में दोगुना से अधिक वृद्धि की गई। पूर्व में प्रति खिलाड़ी 175 रुपए भोजन की राशि के तौर पर दी जाती थी, जिसे बढ़ाकर 350 रुपए तक कर दिया गया। साथ ही खिलाड़ियों के बेहतर आवास हेतु खेल केंद्रों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है, ताकि खिलाड़ियों को रहने में किसी तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े। खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन में किसी तरह की बाधा न उत्पन्न हो। इसलिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धा में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को उच्च कोटि के खेल फिट थी स-रकार उपलब्ध करा रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर ही राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय एवं ओलम्पिक खेलों में राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले एवं प्रतियोगिता में स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्राप्त करनेवाले खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को दी जाने वाली सम्मान राशि में वृद्धि की गई। राज्य के होनहार खिलाड़ियों के लिए एक्वेटिक नेकद पुरस्कार नियमावली में संशोधन किया है।

संपादकीय

अब राम या गांधी नहीं हैं

चारों ओर मार-काट मची है। बम, मिसाइलों और बारूद की अन्य क्रिस्मों से विध्वंस किए जा रहे हैं। हररओर, हर पल अनेक नरसंहार भी किए जा रहे हैं। दुनिया का एक हिस्सा खंडहर और मलबा हो चुका है। ये किसी बुराई के खिलाफ अच्छाई अथवा असत्य पर सत्य की जीत के युद्ध नहीं हैं। साबित किया जा रहा है कि मानव विभिन्न हथियारों के सामने कितना बौना, असहाय और असमर्थ है! मानवता और इनसानियत के मूल्य गायब हैं। लगता है, इन देशों में कोई राम या गांधी नहीं हुए! कोई तो आराध्य होगा? किसी धर्म, मजहब और उनके मूल्यों को तो ये देश मानते होंगे! दशहरा और दीपावली सरीखे मानवीय सरोकार और सौहार्द के पर्व ऐसे जंगी देश कहाँ मनाते होंगे! वे बुनियादी तौर पर आतंकवादी हैं, अमानवीय हैं, जैसे किसी युग में दैत्य होते थे। उन्हें सिर्फ मारना या प्रतिशोध लेना आता है। ये तो ‘रावण’ भी नहीं हैं, क्योंकि उस महाज्ञानी, महाशक्तिशाली राजा के प्रतिशोध का भी मकसद था। इजरायल और हमास युद्ध के संदर्भ में देखें, तो लगभग पूरी दुनिया ‘कुरुक्षेत्र’ में मौजूद लगती है। अथवा औसत देश एक पक्ष जरूर है। हमास के आतंिकियों ने

6 इजरायल पर अचानक हमला किया और कुल 1400 से अधिक मासूमों की हत्या कर दी और 200 बेकसूर लोगों को बंधक बना लिया। यकीनन यह आक्रमण नरसंहार की परिधि में आता है। इजरायल पलटवार क्यों न करता ? नैतिकता, धर्म, मूल्य उस क्या सिखाते हैं? प्रभु राम ने भी रावण पर हिंसक पलटवार किया था। मासूम और बेगुनाह उस युद्ध में भी हताहत हुए थे। यह तो किसी भी युद्ध की निर्यति है। लेकिन राम का आखिरी मकसद युद्ध नहीं था। वह युद्ध के पक्षधर नहीं थे। उन्होंने अपने दूत भेजकर रावण को समझाने और माता सीता को लौटाने के अनुरोध किए थे। अहंकार ने इसे कायरता समझा, लिहाजा राम पक्ष को युद्ध के लिए बाध्य किया गया था। प्रभु राम के राजधर में युद्ध नहीं होते थे, लिहाजा उनकी जन्मस्थली को ‘अयोध्या’ नाम दिया गया। बहरहाल इन रूपकों का अब कोई मतलब नहीं है। हमास ने 7500 से ज्यादा ‘हत्यारं’ रॉकेट और मिसाइल दागे हैं, तो इजरायल ने भी गाजा पट्टी, लेबनान, सीरिया में 11,000 से अधिक बम बरसाए हैं। विध्वंस अभी जारी है। दुनिया के प्रमुख देश विभाजित हो चुके हैं। एक तरफ अमरीका, ब्रिटेन, यूरोपीय देश आदि अत्यधिक के समर्थक हैं। दूसरी तरफ ईरान, लेबनान, चीन, रूस आदि फिलिस्तीन समर्थक हैं, लिहाजा परे्षक रूप से हमास के हिमायती हैं। इनमें से कोई भी देश हमास को ‘आतंकी’ करार देने को तैयार नहीं है, अलबता इजरायल को ‘आतंकवादी’ और ‘हत्यारं’ करार देने में ये देश बिल्कुल तैयार हैं।

बहरहाल अभी तक दोनों पक्षों के 5100 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इनमें बीते 24 घंटे में मौत के घाट उतार दिए गए 436 ऐसे लोग भी हैं, जिनमें 182 बच्चे भी शामिल थे। ये प्राणी की दया नहीं पालते, तो अहिंसक कैसे बनेंगे? मूल्यों को क्यों मानेंगे? घायलों की संख्या भी 15,000 से अधिक बताई जा रही है। ये ये आंकड़े हैं, जो सार्वजनिक किए जा चुके हैं। हकीकत तो दुनिया को पता ही नहीं है। चीन ने मध्य-पूर्व में अपने 6 युद्धपोत तैनात कर दिए हैं। रूस का युद्धपोत ‘काला सागर’ में तैनात है। इन युद्धपोतों पर ‘हत्यारं हथियार’ भी लगे हैं। अमरीकी ने इजरायल का सुरक्षा-कवच तान लिया है। यमन के हूती आतंिकियों ने हवाई हमले किए थे, तो अमरीका ने उन्हें निरस्त कर दिया था। ब्रिटेन और कनाडा के लड़ाकू विमानों को चीन ने इंटरसेप्ट किया था। हालांकि सकुदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, बहरीन, मोरक्को और मिस्र सरीखे अरब और इस्लामी देश युद्ध के किसी भी पाले में नहीं हैं, लिहाजा ‘संप्रदायिक’ आधार पर लाभंदी बहुत मुश्किल लगती है। मुसलमान देश दूसरे मुस्लिम देश के खिलाफ ‘वचस्व की लड़ाई’ में भी उलझा है, लेकिन ईरान जैसा ताकतवर देश अमरीका और इजरायल को लगातार धमकियां भी दे रहा है। वह जिस पल युद्ध में उतरा, तो तय है कि यह ‘महायुद्ध’ में तबदील हो जाएगा। सवाल है कि यदि आज के दौर में राम या गांधी होते, तो क्या युद्धों को शांत कर सकते थे? क्या मानवता आपस में भाईचारे के साथ जिंदा रह सकती थी।

कुछ अलग

यह सिर्फ मैच नहीं

6
क्योंकि यह हिमाचल के धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में हुआ, इसलिए प्रकृति के विहंगम दृश्यों का समावेश वल्ड मैचों की शृंखला का शृंगार बढ़ा गया। खास तौर पर जब बादलों की एक टोली स्टेडियम में आई और मैच की निगाहों में वो फलसफा बन गए जो जाते नहीं थे कि यहां तो कुत्रिम प्रकाश में भी खेलत पड़ जाएगा। एक अच्छी क्रिकेट रविवार की दोपहर में उगी और शाम से रात आते-आते पर्यटन की नगरों में सजावट है। बेशक अच्छी क्रिकेट ने मन, भारतीय टीम ने दिल जीता, लेकिन दर्शक दीर्घा का वीआईपी अंदाज सियासी चीरता के नगमों में तल्लीन रहा। कितना सौहार्द है इस पैमाने में, न होंते ते बुझे, न मेरे जले। उस हंसी की बिसात का कोई टिकट नहीं और न ही कहीं से पकड़े जाने का गिला। पकड़े तो स्टेडियम से बाहर दर्शक गए, क्योंकि नकली टिकट बिक रहे थे। ब्लैकमेल भी इसी स्टेडियम के इसी मैच की निशानी दे गया। सब कुछ घर जैसा था, सिर्फ प्रदेश में कुछ अलग था क्योंकि वहां स्टेडियम के बादलों से भिन्न जिन बादलों ने घर उजाड़े हैं, उसकी शिकन कहां क्रिकेट के मनोरंजन में खेलत डाल सकती होगी। यहां तो ताली भी वीआईपी अंदाज में बजनी थी, तो खूब बजी। एक हाथ भाजपा तो दूसरा कांग्रेस का बजा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर वहां क्रिकेट के मसीहा थे, वैसे वह आजकल हमीरपुर से कांगड़ा तक की सड़कों पर छाए हैं और क्रिकेट के प्रशंसकों का स्वगतन करते नहीं थक रहे, लेकिन स्टेडियम में जो आए, उन्हीं के बुलावे पर आए, वरना इस शहर को तो बस मिला यातायात प्लान, मीलों के घुमाव और जाम में डहराव। बेशक कुछ होटल पर गए, लेकिन स्टेडियम में वही खुशनिशीच थे जिन्हें पास के साथ मुफ्त भोजन का इनाम मिला, वरना स्टैंड में बिकते पानी की बिकत सुपकर तो पर्सानी दर्शकों को भी खूब आया होगा। वहां कितने क्रिकेट प्रेमी और कितने सियासी सैलानी रहे होंगे, यह तुलनात्मक अध्ययन की बिसात तय करीगे। यह दीगर है कि यहां कैमरो की निगरानी में खुशामदीद कहा जा रहा था, वही खेलों का हिमाचली नायक नदारद था। बेहतर होता उस हुजूम में एक अदभूतनिम्नगण एशियन गेम्स से लौटे हिमाचली खिलाडियों का चेहरा भी दिखा देता। वाकई कबड्डी के अंतरराष्ट्रीय मैदानों से उस दिन बहुत बड़ा था क्रिकेट का स्टेडियम। कितने छोटे हैं बिलासपुर की स्नेहलता के प्रयास, जिसने अपने खेलों में प्रशिक्षण देते हुए हैडबाल की ऐसी नर्सरी उगा दी जो देश के लिए अंतरराष्ट्रीय तमगो ले आती है। धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम की रौनक के ठीक नीचे भारतीय खेल प्राधिकरण का स्टेडियम और समीपवर्ती कालेज की घास भी रही होगी।

संपादकीय

आजादी के बाद लेह-लद्दाख की सरजमीं पर तिरंगा फहराने का श्रेय लाहौल के ठाकुरों को जाता है

लाहौल के रणबांकुरों का गौरवपूर्ण इतिहास

भारतीय

प्रताप सिंह पटियाल

6
अफसरों के लिए छह अगस्त 1947 को नई दिल्ली में एक विदाई पार्टी का आयोजन किया गया था। एडमिरल मार्कंडेयन, फ़ील्ड मार्शल औचिनलेक व ले. जे. करियप्पा जैसे गणमान्य व्यक्ति उस विदाई भोज में शामिल थे। विदाई पार्टी में ले. जे. करियप्पा ने कहा कि ‘हमने इतने वर्ष इक’ सेना में कार्य किया व विश्व युद्ध लड़े। उम्मीद है कि अलग होने के बाद भी ये भावनाएं बनी रहेंगी।’ पाक सेना की तरफ से ब्रिगेडियर ए. एम. रज़ा ने कहा कि हम भारतीय सेना की परंपराओं को बनाए रखेंगे। मैं भारतीयों को विश्वास दिलाता हूँ कि जब भी जरूरत होगी, हम सदैव आपके साथ रहेंगे। लेकिन वक्ता ने करवट ली और पाकिस्तान ने अपना असल चेहरा दिखा दिया। पाक हुकमरानों ने विभाजन के तुरंत बाद जम्मू-कश्मीर रियासत पर हमले की रणनीति के लिए

पाकिस्तान के गुजरान में ‘आजाद कश्मीर’ नाम से एक सैन्य मुख्यालय स्थापित कर दिया। विभाजन से पूर्व ‘आजाद हिंद फौज’ के सैनिक रहे मे. ज. ’मो. जमान कियानी’ उसके कमांडर तथा ब्रिगेडियर ‘राजा हबीबु रहमान’ उपकमांडर थे। हबीबु रहमान नेता जी सुभाष चंद्र बोस के सबसे खास सहयोगी थे तथा नेता जी के जीवन के अंतिम क्षणों में ‘ताइप’ तक भी साथ थे। जम्मू के ‘चिब’ राजपूत खानदान से ताल्लुक रखने वाले हबीबु रहमान ने कश्मीर के पाकिस्तान में विलय के लिए महाराजा हरि सिंह से भी भेंट की थी तथा कश्मीर पर हमले का एक बड़ा मंसूबा तैयार करके ‘भिम्बर’ को फतह करने में एक बड़ा किरदार अदा किया था। आखिर पाक सेना ने हजारों परतून लड़ाकों के साथ मिलकर 22 अक्टूबर 1947 के दिन कश्मीर पर हमला कर दिया था। जम्मू-कश्मीर रियासत की सेना पाक हमले से निपटने में असमर्थ थी। कश्मीर के भारत में विलय के लिए महाराजा हरि सिंह द्वारा ‘इस्ट्रमेंट ऑफ एक्शेसन’ पर दस्तख़्त होने के बाद 27 अक्टूबर 1947 को भारतीय सेनाएं कश्मीर में पहुंचने लगी थीं। कश्मीर में कश्मीरियों को शांमित करने के लिए पाक सेना ने टाइगर फ़ोर्स, आईबेक्स फ़ोर्स व एस्क़िमो फ़ोर्स जैसे सैन्य दस्ते तैयार करके उनमें कबायली लड़ाकों के अलावा ज्यादातर उर सैनिकों व अफ़सरों को शामिल किया था जो जम्मू-कश्मीर रियासत की फौज से गढ़ारी करके पाक सेना में जा मिले थे।

कालेज-विवि पाठ्यक्रम को सहज बनाएं

हाल

छपी एक रिसर्च में दावा किया गया है कि उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे युवाओं को मानसिक अवसाद, उदासी और चिंता जैसी समस्याओं से अधिक जूझना पड़ रहा है। 'द लैसेट' में प्रकाशित इस रिसर्च में अपने साथियों की तुलना में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों में अवसाद और चिंता के उच्च स्तर का प्रमाण मिलने का यह प्रथम विश्लेषण है। भारत में भी अनेक कॉलेजों में पढ़ रहे हमारे युवा इस तरह की समस्याओं से ग्रस्त हैं। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को इसको हल्के से नहीं लेना चाहिए। आइए, इस समस्या की गहनता में जाएं। एक छात्र के जीवन के प्रारंभिक और शैक्षिक वर्षों का उसके बाद के वर्षों पर अत्यधिक प्रभाव पड़ता है। कॉलेज के छात्र वयस्कता तक पहुंचने के दौरान नई चीजों का अनुभव करने के कारगर पर हैं। उन्हें एक ऐसी दुनिया से अवगत कराया जाता है जो आनंददायक है और हाई स्कूल में प्रतिबंधित दुनिया से अलग है। उन्हें आजादी भी मिलती है, जो वांछनीय होने के साथ-साथ काफी डरावनी भी होती है। ये सभी कारक दवाब में योगदान करते हैं, जो बदले में कॉलेज के छात्रों के मनोविज्ञान को प्रभावित करता है। अपने युवा नवोदित वर्षों में, छात्रों का युवा वयस्को से उचित वयस्को में संक्रमण होता है, उनके पास जिम्मेदारी और स्वतंत्रता दोनों हैं। उन्हें समाज द्वारा लक्षित किया जाता है और उन पर अपेक्षाओं का बोझ डाला जाता है जो उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, जिससे वे विभिन्न दुर्भाग्यपूर्ण मुद्दों से ग्रस्त हो जाते हैं। हाल के मनोविज्ञान के अध्ययनों के अनुसार, पांच में से एक कॉलेज छात्र आत्म-घृणा और अत्यधिक उदासी से भावनाओं से पीड़ित है। यह तनाव और चिंता का परिणाम हो सकता है। यह छात्रों की तरफ से समूहों में फिट न हो पाने और दोस्त न बनाने का परिणाम भी हो सकता है। साथ ही, इंस्ट्रामाग द्वारा की गई तुलनाओं की श्रृंखला ने इसे और भी बदतर बना दिया है। कॉलेज के छात्र न केवल अपनी शक्त और शारीरिक बनावट के आधार पर दूसरों से अपनी तुलना करते हैं, बल्कि वे सामाजिक स्थिति और भौतिकवादी संपत्ति की भी तुलना करते हैं। इन सबका छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है। यदि नियंत्रण में न रखा जाए, तो अवसाद की भावनाएं अधिक तीव्र हो सकती हैं और आत्मघाती विचारों को जन्म दे सकती हैं। कॉलेज छात्रों को सलाह है कि वे ऐसे लोगों से बात करें जो उनके शुभचिंतक हैं और उनके साथ अपनी शिक्षाओं से साझा करें। बातचीत करना और साझा करना न केवल आपके दिमाग को तनावमुक्त करने के तरीके हैं, बल्कि ये स्व-चिकित्सा का एक रूप भी हैं। कठोर कॉलेज पाठ्यक्रम अपने साथ भारी मात्रा में तनाव लेकर आता है। विश्वविद्यालय इन पाठ्यक्रम को सहज बनाए, इसके अलावा छात्रों के ऊपर करियर विकल्पों को लेकर लगातार चिंता और उसमें फिट होने का संघर्ष हावी हो सकता है। बहुत से लोग उन कॉलेजों से भी नाखुश और असंतुष्ट होते हैं जिनमें वे जाते हैं। इससे सबसे प्रतिभाशाली छात्र सुस्त, कम प्रदर्शन करने वाले छात्रों में बदल सकते हैं। यह उन्हें शारीरिक रूप से भी प्रभावित करता

टूटिकोण

लेट्स सेलिब्रेट...

अपने
तमाम आमों और खासों को सार्वजनिक करते हुए अपार प्रसन्नता हो रही है कल मैंने अपनी अक्ल दाढ़ भी निकलवा ली है। असल में ये मेरी अक्ल दाढ़ मुझे लंबे समय से बीबी से भी अधिक परेशान किए थीं। सच कहूँ तो बेरोजगारी के दिनों में बेरोजगारी से मैं उतना परेशान नहीं हुआ जितना इस अक्ल दाढ़ की परेशानी की वजह से हुआ। सच कहूँ तो महंगाई से भी मैं उतना परेशान नहीं हुआ जितना इस अक्ल दाढ़ की वजह से हुआ। अक्ल का फकीर होने के बाद जब ये बीच बीच में मुझे परेशान करती तो लगता ज्यों मेरी सब परेशानियों की वजह जो कोई है तो बस, यह अक्ल

अक्ल तो तब सोचता, कफ़ा ! मेरे केवल दाढ़ ही होती। अक्ल दाढ़ न होती। फिर ! सोचता, उनकी तरह इस दाढ़ का नाम ही बदल लूं। पर नाम बदलने से परेशानियाँ कहां कम हुईं है जनाब ! मन बहल जाता है बस ! लंबे

अरसे से इस बदतमीज अक्ल दाढ़ की परेशानी की वजह से मेरा बाहर का खाना पीना सब सं स हो गया था। इसके वजह से अपने दोस्तों तक के बीच मेरा उठना बैठना लगभग बंद सा हो गया था। उन्हें लगता था कि मेरे पास अक्ल न होने के बाद भी मैं अक्ल दाढ़ से जुड़ा हुआ हूं। अक्ल न होने के बाद भी अक्ल दाढ़ के भार को गंभीरी तरह ढो रहा हूं। वैसे मित्रो ! जिनके पास अक्ल भी है, वे कौनसा अपने दड़बे से बाहर निकल पाए हैं ? उसका सट्पयोग कर पाए हैं ? जब केवल और केवल अपने बारे में तो विन अक्ल के भी बड़े मजे से सोचा जा सकता है तो फिर बेकार मैं अक्ल का बेकार का भार सिर पर ढोने से क्या फायदा ! पहले ही जीवन में और भार क्या कम है, जो अब एक अक्ल के भार को भी गंभा बन ढोया जाए ? है अक्ल वालो ! स्मरण रहे, समाज अक्ल के सेंटों को भर मूढ़ उनकी पीठ के पीछे ही नहीं, अब तो उनके मुंह पर भी छाती ठोक ठोक कर गालियां देने लगा है। मैं तो



पाक सिपहसालारों ने लेह-लद्दाख पर कब्जा करने का जिम्मा ‘एस्क़िमो फ़ोर्स’ को देकर उसकी कमान कै. हसन खान व शाह खान को सौंपी थी। सन-1948 के शुरू में हजारों की तादाद में पाक सैन्य दस्ता स्कूर्ड से कारगिल के रास्ते लेह की तरफ पेशकदमी कर रहा था, लेकिन उससे पूर्व भारतीय सेना की ‘द्वितीय डोगरा रेजिमेंट’ के हिमाचली शूरवीर लाहौल निवासी मेजर ‘ठाकुर पृथ्वी चंद’ व मे. खुशाल ठाकुर तथा सुबेदार भीम सिंह ने अपने कुछ सैनिकों के साथ 25 फरवरी 1948 को जोजिला दरें को पार करके आठ मार्च 1948 को लद्दाख में तिरंगा फहरा दिया था। बेहद कठिन भौगोलिक परिस्थितियां, सीमित संसाधन तथा पाक लश्कर के मुकाबले डोगरा सैनिकों की संख्या बहुत कम थी। लेह-लद्दाख पर पाक हमले को गुराड्स का उस्ताह इस कर व बढ़ा कि लद्दाख का सत्रह वर्षीय बालक ‘चेवांग रिंगिन’ भी नुब्रा गाड्स में भर्ती हो गया। युवा जोश से लबरजे नुब्रा गाड्स ने लद्दाख में हजारों फीट की बुलंदी पर मौजूद ‘लामा’ चौकी पर मोर्चा संभाल चुके पाक लश्कर पर जोरदार हमला करके पाक फौज के मंसूबे काम में मिला दिए

तथा लद्दाख के वियांगडामों पर हमला करके कबायली लश्कर को खदेड़ कर शत्रु के हथियार भी छीन लिए थे। उन हमलों में अहम किरदार निभाने वाले ‘चेवांग रिंगिन’ को सेना ने ‘महावीर चक्र’ से अलंकृत किया था। नुब्रा गाड्स की मदद से मे. खुशाल ठाकुर ने ‘खाट्सो पुल’ पर कई दिनों तक मोर्चा संभाल कर कबायली हमलों को नाकाम किया था। 1947-48 के पाक हमले से लेह-लद्दाख को बचाने में सफल नेतृत्व व शूरवीरता का परिचय देने वाले मे. पृथ्वी चंद व मे. कुशाल ठाकुर दोनों भाईयों को भारत सरकार ने ‘महावीर चक्र’ अदान किए थे तथा उनके चाचा सुबेदार भीम सिंह ठाकुर को ‘वीर चक्र’ से दो बार नवाजा था। उसी युद्ध में बहादुरी का मुजाहिरा करने वाले लाहौल के नायक ‘तोबगो’ को भी ‘वीर चक्र’ से सरफारकिया गया था। उसी नुब्रा गाड्स ने 1962 की जंग में ‘जम्मू-कश्मीर मिलिशिया’ के रूप में चीन को मुंहतोड़ जवाब दिया था। 27 अक्टूबर 1962 को लद्दाख के महाज पर कई चीनी सैनिकों को हलाक करके बलिदान हुए कुल्लू के हवलदार ‘स्टेजिन फुचोक’ ‘महावीर चक्र’ उसी मिलिशिया फौज का हिस्सा थे। 1962 की जंग में चेवांग रिंगिन को भी ‘सेना मेडल’ से नवाजा गया था। 1971 की जंग में कारगिल के तुर्तुक में पाक सेना पर हमला करके वहां चौकी पर कब्जा करने में अहम रोल निभाने के लिए सेना ने ‘चेवांग रिंगिन’ को दोबारा ‘महावीर चक्र’ से सम्मानित किया था। ठाकुर पृथ्वी चंद की दूरदर्शी सोच वही नुब्रा गाड्स वर्तमान में भारतीय सेना में ‘लद्दाख स्काउट्स’ बन चुका है। चेवांग रिंगिन सन-1984 में इसी ‘लद्दाख स्काउट्स’ से कर्नल रैंक में सेवानिवृत्त हुए थे। स्मरण रहे पृथ्वी चंद के पिता ‘ठाकुर अमर चंद’ ने प्रथम विश्व युद्ध में अपनी रियासत के दो सौ ठाकुर सैनिकों का नेतृत्व करके मेसोपोटमिया के मोर्चे पर तुर्क सेना से जंग लड़ी थी। बर्तानिया बादशाहों ने नैजाम बहादुरों के लिए ठाकुर अमर चंद को ‘राय बहादुर’ की उपाधि दी थी। बहरहाल आजादी के बाद लेह-लद्दाख की सरजमीं पर तिरंगा फहराने का श्रेय लाहौल के ठाकुरों को जाता है। अतः देश की सबसे बड़ी पंचायत में बैठकर एक युग्म के जरिए ठाकुरों पर तनकीद करने वाले सियासतदातों को ठाकुरों के शौर्य से मुखाबित होना होगा। यदि भारत के मानचित्र पर लेह-लद्दाख सुशांभित है तो इसके पीछे लाहौल के ठाकुरों की शूरवीरता व सैन्य निष्ठा का गौरवपूर्ण इतिहास है।

देश दुनीया से

युद्ध, अर्थव्यवस्था और मानवता की चुनौतियों के बीच हैरान करती है सैन्य खर्च में बढ़ोतरी

पवित्र
ग्रंथ बाइबिल कहती है कि अगर कोई तुम्हारे दाएं गाल पर तमाचा चारे, तो बायां गाल भी उसकी ओर कर दो।’ ये शब्द कितने ही बुद्धिमानी से भरे हों, लेकिन ये मनुष्यों और राजाओं को अपनी सीमाओं के विस्तार के लिए हथियार उड़ाने से कभी रोक नहीं पाए। युद्धों में पैसा ही नहीं, लोगों की जिंदगियां भी खर्च हो जाती हैं। आधुनिक युद्धों की शब्दावली फिन लड़ाकू विमानों और मिसाइलों से भरी है, जरा उनके संचालन की लागत पर गौर करें। बहुचर्चित एफ-35 की बात करें, तो अमेरिकी सरकार 2,500 विमानों पर 17 खरब डॉलर खर्च करने की योजना बना रही है यानी कि प्रति विमान पर साढ़े सात करोड़ डॉलर का खर्च आएगा। जब यह उड़ रहा होगा, तब हर घंटे करीब 42 हजार डॉलर घुआं हो रहे होंगे। ज्यादा कुशल माने जाने वाले एफ-15 विमान की हर उड़ान में प्रति घंटे करीब 29 हजार डॉलर का खर्च आता है। आपरन डोम इसाइल की सुरूसा प्रणाली में कवच की तरह है। ऐसा अनुमान है कि पूरे इसाइल में करीब दस आपरन डोम बैटरी हैं। हर बैटरी में 60 से 80 मिसाइलें हैं और हर मिसाइल

6
की कीमत तकरीबन 40 हजार डॉलर है। बीते रविवार को अमेरिकी सरकार ने अरबों डॉलर की अत्याधुनिक थाइ प्रणाली भेजने की घोषणा की। बोईंग ने इसाइल को 1800 जीपीएस आधारित बम किटों की शीप डि्लिवरी की घोषणा की, जिनमें से प्रत्येक किट की कीमत करीब 24 हजार डॉलर है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति जी बाइडन ने पूर्वी भूमध्य सागर में 13 अरब डॉलर के विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड फोर्ड कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की तैनाती की घोषणा की। यह ग्रुप 75 लड़ाकू युद्धी और 15 अरब डॉलर के विमानवाहक पोत यूएसएस मिसाइल की कीमत 15 लाख डॉलर और एक पैडियर मिसाइल की कीमत 15 लाख डॉलर है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति जी बाइडन ने पूर्वी भूमध्य सागर में 13 अरब डॉलर के विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड फोर्ड कैरियर स्ट्राइक ग्रुप की तैनाती की घोषणा की। बोईंग ने इसाइल को 1800 जीपीएस आधारित बम किटों की शीप डि्लिवरी की घोषणा की, जिनमें से प्रत्येक किट की कीमत करीब 24 हजार डॉलर है।

6
अमेरिकी सरकार 2,500 विमानों पर 17 खरब डॉलर खर्च करती योजना बना रही है यानी कि प्रति विमान पर साढ़े सात करोड़ डॉलर का खर्च आएगा। जब यह उड़ रहा होगा, तब हर घंटे करीब 42 हजार डॉलर घुआं हो रहे होंगे। ज्यादा कुशल माने जाने वाले एफ-15 विमान की हर उड़ान में प्रति घंटे करीब 29 हजार डॉलर का खर्च आता है। आयरन डोम इसाइल की सुरक्षा प्रणाली में कवच की तरह है। ऐसा अनुमान है कि पूरे इसाइल में करीब दस आयरन डोम बैटरी हैं। हर बैटरी में 60 से 80 मिसाइलें हैं और हर मिसाइल की कीमत तकरीबन 40 हजार डॉलर है। बीते रविवार को अमेरिकी सरकार ने अरबों डॉलर की अत्याधुनिक थाइ प्रणाली भेजने की घोषणा की। बोईंग ने इसाइल को 1800 जीपीएस आधारित बम किटों की शीप डि्लिवरी की घोषणा की, जिनमें से प्रत्येक किट की कीमत करीब 24 हजार डॉलर है। अमेरिकी सरकार 2,500 विमानों पर 17 खरब डॉलर खर्च करती योजना बना रही है यानी कि प्रति विमान पर साढ़े सात करोड़ डॉलर का खर्च आएगा। जब यह उड़ रहा होगा, तब हर घंटे करीब 42 हजार डॉलर घुआं हो रहे होंगे। ज्यादा कुशल माने जाने वाले एफ-15 विमान की हर उड़ान में प्रति घंटे करीब 29 हजार डॉलर का खर्च आता है। आयरन डोम इसाइल की सुरक्षा प्रणाली में कवच की तरह है। ऐसा अनुमान है कि पूरे इसाइल में करीब दस आयरन डोम बैटरी हैं। हर बैटरी में 60 से 80 मिसाइलें हैं और हर मिसाइल की कीमत तकरीबन 40 हजार डॉलर है। बीते रविवार को अमेरिकी सरकार ने अरबों डॉलर की अत्याधुनिक थाइ प्रणाली भेजने की घोषणा की। बोईंग ने इसाइल को 1800 जीपीएस आधारित बम किटों की शीप डि्लिवरी की घोषणा की, जिनमें से प्रत्येक किट की कीमत करीब 24 हजार डॉलर है।

अब यूक्रेन के युद्ध को ही ले। 24 फरवरी, 2022 से अमेरिकी सरकार ने 40.4 अरब डॉलर से ज्यादा की सुरक्षा सहायता की प्रतिबद्धता जताई है, जो माल्टा और यमन जैसे देशों की संयुक्त जीडीपी के लगभग बराबर है। इस हप्ते भी व्हाइट हाउस ने इसाइल और यूक्रेन का समर्थन करने के लिए कांग्रेस से अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराने का आह्वान किया है। पर सवाल उठता है कि आतंकवादी समूहों को धन कैसे मिल पाता है? अमेरिका और उसके सहयोगियों का मानना है कि ईरान हमास, हिजबुल्ला और हाैथियस जैसे आतंकी गुटों को धन व तकनीकी पहुँचा करता है। लेकिन सवाल फिर भी बना हुआ है कि इतने प्रतिबंधों के बावजूद धन इन गुटों के पास पहुंचता कैसे है? अमेरिकी सांसद एलिजाबे वॉर्न और सी से ज्येदा दूसरे सांसदों ने अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवान को एक पत्र लिखकर इस नई उपरती व्यवस्था की झलक दी। उनका दावा है कि अगस्त, 2021 से जून, 2023 के बीच हमास और फलस्तीनी इस्ताफिक जिहाद (पीआईजे) ने क्रिप्टो में 13 करोड़ डॉलर से ज्यादा राशी जुटाये में कामयाबी हासिल की और पीआईजे ने 1.2 लाख डॉलर क्रिप्टो में हिजबुल्ला को दिए। घटनाएं बढीं, तो पैसों का यह आवंटन भी बढ़ा।



इजराइल-हमास संघर्ष पर चर्चा के बीच पाक ने किया कश्मीर का जिक्र, भारत ने कहा- प्रतिक्रिया के लायक नहीं

न्यूयॉर्क।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चर्चा के बीच पाकिस्तान की तरफ से बार-बार कश्मीर मुद्दे का जिक्र किया जाना जारी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा समेत अधिकतर मंचों पर उसे भारत की तरफ से हर बार जवाब मिलता है। हालांकि इस बार सुरक्षा परिषद में एक बैठक के दौरान पाकिस्तान की तरफ से फिर कश्मीर मुद्दा उठाने के बाद भारत ने उसे जवाब न देने का निर्णय लिया। भारत ने साफ किया कि पाकिस्तान की तरफ से इस मुद्दे पर सवाल न तो प्रतिक्रिया के लायक हैं, और न ही भारत इस मुद्दे पर जवाब देकर मामले को तूल देना चाहता

है। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ही इजराइल-हमास संघर्ष और इसके चलते पश्चिमी एशिया में उपजी स्थिति को लेकर चर्चा चल रही थी। इसी दौरान पाकिस्तान के प्रतिनिधि मुनीर अकरम ने कश्मीर के मुद्दे को भी उठाया। हालांकि, भारत की ओर से उप-स्थायी प्रतिनिधि आर रवींद्र ने कहा कि एक डेलिगेशन (पाकिस्तानी डेलिगेशन) की तरफ से भारत के केंद्र शासित प्रदेश को लेकर टिप्पणी की गई, जो कि भारत का अखंड और अविभाज्य अंग है। रवींद्र ने कहा, मैं इन टिप्पणियों को उसी तरह नजरअंदाज करूंगा, जिसकी ये लायक है और समय की नजाकत

को समझते हुए इन पर प्रतिक्रिया देकर इसे तूल नहीं देना चाहता।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने मुंबई 26/11 हमले का किया जिक्र - इससे पहले, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटीनी ब्लिंकन ने सुरक्षा परिषद की बैठक में कहा कि सभी तरह के आतंकवादी कृत्य गैर-कानूनी और अनुचित हैं, चाहे उन्हें लश्कर-ए-तय्यबा ने मुंबई में लोगों को निशाना बनाकर अंजाम दिया हो या हमास ने किबुल बेरी में लोगों को निशाना बनाया हो। गौरतलब है कि मुंबई पर 2008 में हुए 26/11 हमलों में लश्कर-ए-तय्यबा आतंकी

संगठन का हाथ था। इसे लेकर भारत ने पाकिस्तान को कई सबूत भी सौंपे। ब्लिंकन ने आगे कहा, 'हमें अपनी रक्षा करने और ऐसी भयावहता को फिर होने से रोकने के किसी भी राष्ट्र के अधिकार की सुरक्षा करने चाहिए। इस परिषद का कोई भी सदस्य, इस संपूर्ण निकाय का कोई भी राष्ट्र अपने लोगों की हत्या बर्दाश्त नहीं कर सकता और न ही करेगा। उन्होंने कहा, 'जैसा कि इस परिषद और संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बार-बार कहा है कि आतंकवाद के सभी कृत्य गैरकानूनी और अनुचित हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

मैने दस यहूदियों को मारा, इजराइली रक्षा बल ने जारी की हमास के आतंकी की फोन रिकॉर्डिंग



यरूशलम। इजराइल रक्षा बल ने एक फोन रिकॉर्डिंग जारी की है, जिसमें हमास के एक आतंकी को अपने घरवालों से बात करते हुए सुना गया। इस फोन कॉल में आतंकी अपने घरवालों से 10 यहूदियों को मारने का दावा करता है और उन्हें कुछ तस्वीरें भी भेजा है। हालांकि, आतंकी की पहचान गोपनीय रखा गया है। गाजा सीमा के पास किबुटज में यहूदी महिला की हत्या करने के बाद आतंकी ने उसके फोन से अपने घरवालों से बात की। अपने घरवालों को वह खातखत में भेजे गए तस्वीरों को देखने के लिए कहता है। आतंकी ने कॉल पर कहा, देखो, कितनों को मैंने अपने हाथों से मार डाला। आपकें बेटे ने यहूदियों को मारा। उसने अपने पिता से कहा, मैंने 10 लोगों को मार डाला। यह सुनकर उसके घरवाले उत्साहित हो गए। बेटे के इस काम पर उसे मनाया जाता है, या तो मौत होती है या फिर जीत मिलती है। उसने अपने घरवालों से तस्वीरें देखने को कहा, जिसे उसने भेजा था। आईडीएफ के प्रवक्ता डैनियल हगरी ने बताया कि इस रिकॉर्डिंग को यूएन सुरक्षा परिषद के सामने पेश किया गया है। वहीं दूसरी तरफ इजराइली अधिकारी ने यूएन महासभा पेट्रोनियो गुतारस के उस बयान की आलोचना की, जिसमें उन्होंने सात अक्टूबर को हुए हमले का जिम्मेदार फलस्तीनी क्षेत्रों पर लगातार इजराइल का कब्जा जारी रखना को बताया था। गुतारस के इस बयान के बाद यूएन में इजराइली राजदूत ने उनके इस्तीफे की मांग की है। सात अक्टूबर को हमास के आतंकीयों द्वारा हमले के बाद इजराइल ने भी इसका जवाबी कार्रवाई करते हुए गाजा पट्टी पर कई हमले किए। इस दौरान जहां 1400 के करीब इजराइली नागरिकों की तो वहीं लगभग 5800 गाजा पट्टी में लोगों की मौत हो चुकी है।

आयरलैंड के डिट्टी पीएम ने की हमास की निंदा, कहा- युद्ध में आम लोगों की जान जाना सही नहीं

डबलिन। डबलिन में एंजेल आयरलैंड शिखर सम्मेलन के मोके पर आयरलैंड के उप प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन ने



मीडिया से इजराइल-हमास के बीच जारी युद्ध पर बातचीत की। उन्होंने बताया कि हमास की निंदा करने में पूरा यूरोप एक साथ है, लेकिन इजराइल द्वारा उठाया गया कोई भी कदम मानवीय कानून के मादकों के भीतर होनी चाहिए माइकल मार्टिन आयरलैंड के डिट्टी पीएम होने के साथ-साथ विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री भी हैं। उन्होंने कहा, मैं इजराइल पर हमास के हमले की निंदा करता हूँ। अपने लोगों की रक्षा करने का इजराइल को पूरा अधिकार है। उन्होंने आगे कहा, युद्ध में आम लोगों की जान जाना सही नहीं है। मुझ यह है कि अब गाजा के लोगों की मौत के साथ जितनी क्षति हो चुकी है उससे ज्यादा क्षति अब न हो इसके लिए किस प्रणाली को अपनाया जाए। उन्होंने कहा कि हमास नागरिकों को मानव ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहा है। क्षेत्र में उनके कुछ समर्थक हैं, जो स्थिति को और समस्यात्मक बना रहे हैं। विदेश मामलों के मंत्री के रूप में अपनी भूमिका में माइकल मार्टिन ने शिखर सम्मेलन में एशिया प्रशांत क्षेत्र के लिए देश की प्रतिबद्धता को नवीनीकृत किया है। भारत नवीनीकृत एशिया प्रशांत रणनीति का एक प्रमुख पहलू है। मुंबई में एक नए महावाणिज्य दूतावास का निर्माण किया जा रहा है।

कनाडाई नेता प्रतिपक्ष बोले- भारत के साथ रिश्ते जरूरी हैं, पीएम बना तो संबंध बेहतर करूंगा

ओटावा। कनाडा और भारत के बीच विवाद जारी है। इस बीच कनाडा की कंजर्वेटिव पार्टी के प्रमुख का



कहना है कि आठ साल से सत्ता में होने के बाद भी जस्टिन ट्रुडो भारत के साथ रिश्ते नहीं बना पाए। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंध हैं। अगर वे कनाडा के राष्ट्रपति बनेंगे तो भारत और कनाडा के बीच अच्छे रिश्ते बहाल करेंगे। कंजर्वेटिव पार्टी अध्यक्ष और कनाडाई संसद के नेता प्रतिपक्ष पियरे पोलिबेर एक रेंडिओ शो में शामिल हुए। यहां उन्होंने कहा कि हमें भारत के साथ औपचारिक रिश्तों की आवश्यकता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। एक-दूसरे के साथ हम असहमतिता जता सकते हैं लेकिन एक औपचारिक रिश्ता आवश्यक है। 41 कनाडाई राजनयिकों को कनाडा वापस भेजने वाले मामले का दोष उन्होंने ट्रुडो पर मढ़ दिया। उन्होंने कहा कि वह अक्षम और गैर-पेशेवर थे।

संघर्ष पर सरकार के रुख की वजह से खतरे में बाइडन की राष्ट्रपति पद के लिए दावेदारी

वॉशिंगटन।

इजराइल और हमास के बीच संघर्ष को लेकर अमेरिका ने अपना रुख शुरूआत से ही साफ रखा है। राष्ट्रपति जो बाइडन से लेकर उनके विदेश और रक्षा मंत्री ने भी समय-समय पर इजराइल के समर्थन में हमास से लेकर ईरान समर्थित संगठन हिज्बुल्ला को भी चेतानी जारी की है। हालांकि, इसका असर अब अमेरिका की आंतरिक राजनीति में दिखने लगा है। दरअसल, यहां बड़ी संख्या में रहने वाले अरब मूल के अमेरिकियों ने इजराइल-हमास संघर्ष को लेकर बाइडन के रुख की आलोचना की है। इनमें बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है, जो कि बाइडन की डेमोक्रेट पार्टी के समर्थक हैं। ऐसे में आगामी राष्ट्रपति चुनाव में यह वर्ग बाइडन की राष्ट्रपति पद के लिए दोबारा दावेदारी पेश करने की राह में अड़चन साबित हो सकता है।

बाइडन प्रशासन के कुछ अधिकारियों, अकादमिकों, कार्यकर्ताओं और समुदाय के प्रतिनिधियों के मुताबिक, इजराइल-हमास संघर्ष को लेकर जिस तरह का बाइडन प्रशासन का रुख रहा है, उसे लेकर अरब अमेरिकी समुदाय नाराज है। इस समुदाय के लोगों का कहना है कि बाइडन ने जिस तरह अब तक गाजा में रहे हमलों की निंदा नहीं की और हजारों फलस्तीनियों के मारे जाने के बाद भी इजराइल पर सीजफायर लागू करने का दबाव नहीं बनाया, उससे अरब-अमेरिकियों में नाराजगी है।

माना जा रहा है कि सरकार के इस रुख के चलते डेमोक्रेट पार्टी के खास समर्थक माने जाने वाले अरब-अमेरिकी समुदाय बाइडन की राष्ट्रपति पद के लिए दोबारा पेश की जाने वाली दावेदारी को समर्थन देने से इनकार कर सकता है।

वया कहते हैं आंकड़े

अरब-अमेरिकन इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष जिम जोगवी के मुताबिक, रिपब्लिकन और डेमोक्रेट पार्टी के बीच टकराव वाले मिशिंगन राज्य, जहां अरब आबादी के मतदाताओं का आंकड़ा करीब 5 फीसदी है। इसके अलावा पेंसिल्वेनिया और ओहायो जैसे राज्यों में अरब मूल के अमेरिकी वोटर्स की संख्या 1.7 से 2 प्रतिशत के बीच है। बता दें कि 2020 में हुए चुनाव में बाइडन को मिशिंगन में 50.6 फीसदी वोट मिले थे, जबकि ट्रंप यहां 47.8 फीसदी वोट जुटाने में सफल रहे थे। वहीं



पेंसिल्वेनिया में बाइडन 50.01 प्रतिशत और ट्रंप 48.84 प्रतिशत वोट पाने में सफल हुए थे। बाइडन यहां ट्रंप से महज 81,000 वोटों से जीते थे।

ट्रंप को भी अरब-अमेरिकियों का समर्थन मिलना मुश्किल

अरब-अमेरिकियों की तरफ से रिपब्लिकन पार्टी के सबसे मजबूत दावेदार माने जा रहे डोनाल्ड ट्रंप को भी समर्थन दिए जाने की उम्मीद काफी कम है। कई कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे ट्रंप का समर्थन नहीं करेंगे। हालांकि, अरब अमेरिकियों ने मौजूदा बाइडन प्रशासन से ही इजराइल-फलस्तीन को लेकर अपनी नीति में बदलाव करने को कहा है। मिशिंगन के डियरबॉर्न में पहले अरब-अमेरिकी मेयर अब्दुल्ला हम्मूद ने इजराइल की तरफ से गाजा में बिजली, पानी के सप्लाई पर लगाए गए प्रतिबंधों की आलोचना करते हुए बाइडन सरकार को घेरा। गौरतलब है कि मिशिंगन इस वक्त अमेरिका के सभी राज्यों के मुकाबले सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी के औसत वाला राज्य है। अरब अमेरिकी एसोसिएशन ऑफ न्यूयॉर्क की पूर्व कार्यकारी निदेशक लिंडा सेसूर ने हाल ही में अमेरिकी-इस्लामिक रिलेशन को एक बैठक में सैकड़ों लोगों के

सामने कहा था कि उन्हें चुनाव से पहले दान तभी देना चाहिए, जब वे इजराइल के प्रति नीतियों में बदलाव की अपनी मांग को मनवा सकें। अमेरिका के सबसे बड़े मुस्लिम अधिकार संगठन सीएआईआर ने कहा था कि इजराइल की तरफ से गाजा में बमबारी नरसंहार की तरह है, जिसमें पूरी फलस्तीनी आबादी को निशाना बनाया जा रहा है और अमेरिकी सरकार अगर इन हमलों को रोकने के लिए कदम नहीं उठाती तो वह भी इसके जिम्मेदार है।

बराक ओबामा ने भी दी है सलाह

इतना ही नहीं, बाइडन सरकार की तरफ से हमास के खिलाफ इजराइल की मदद के लिए संसद से मांगे गए 14 अरब डॉलर को लेकर भी अमेरिका में विवाद खड़ा हो गया है। पेंसिल्वेनिया के स्वार्थमोर कॉलेज की फलस्तीन मूल की अमेरिकी सपट अल्लान ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि जहां बाइडन सरकार इजराइल की सेना को मजबूत करने के लिए अरबों डॉलर खर्च कर रही है, जबकि फलस्तीनियों की मदद के लिए सिर्फ कुछ करोड़ डॉलर दिए जा रहे हैं। यहां तक कि बाइडन के समर्थक और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा भी अपनी सलाह में कह चुके हैं कि अमेरिकी को मदद पहुंचाने में नेतृत्वकर्ता की भूमिका में दिखना चाहिए।

सीरिया में चार वर्षों में युद्ध की सबसे खराब स्थिति, सिर्फ चार दिनों में संघर्ष में 200 की मौत

बेरूत।

सीरिया पर संयुक्त राष्ट्र जांच आयोग के प्रमुख ने कहा कि देश में युद्ध की स्थिति सबसे खराब हो गई है, जिससे नागरिकों पर विनाशकारी परिणाम देखने को मिल रहे हैं।

पाउलो पिनेहेरो ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को बताया, कि हम सीरिया में चार वर्षों में शत्रुता में सबसे बड़ी वृद्धि देख रहे हैं, फिर भी ऐसा प्रतीत होता है कि अक्सर जैसे को तैसा प्रतियोगिता में नागरिकों के जीवन की पूरी तरह से उपेक्षा की जाती है।

इस महीने की शुरुआत में होम्स मिलिट्री अकादमी पर एक ड्रोन हमले में 31 महिलाओं और पांच बच्चों सहित 89 लोगों की मौत हो गई और 277 से अधिक लोग घायल हो गए।

किसी समूह ने नही ली हमले की जिम्मेदारी

किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली, लेकिन सीरियाई सेना ने ज्ञात अंतरराष्ट्रीय तारकों द्वारा समर्थित विद्रोहियों पर हमला करने का आरोप लगाया। इसे अंजाम दिया और जवाबी कार्रवाई में उत्तर पश्चिमी सीरिया के विपक्ष के कब्जे वाले इलाकों पर हवाई हमलों का क्रम अधिमान चलाया।

पिनहेरो ने कहा कि सिर्फ चार दिनों की



जमीनी गोलाबारी में लगभग 200 नागरिक मारे गए और कई घायल हुए और चिकित्सा सुविधाएं, स्कूल और बाजार एक बार फिर प्रभावित हुए। हजारों लोग फिर से विस्थापित हो गए हैं और भाग रहे हैं।

इस बीच, अंकारा में एक हमले के प्रतिशोध में, तुर्की सुरक्षा बलों के दो सदस्य घायल हो गए। तुर्कियों ने पूर्वोत्तर सीरिया में कुर्द-निर्वाचित क्षेत्रों पर हमला किया, जिसके बारे में कहा गया कि इसका इस्तेमाल कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी या पीकेके के द्वारा किया जाता था। यह एक कुर्द अलगाववादी समूह है, जिसने तुर्कियों के साथ-साथ सीरिया में पीपुल्स डिफेंस यूनिट्स या वार्डपीजी में अपने सहयोगियों के साथ दशकों से विद्रोह छेड़ रखा है। पिनहेरो ने आगे कहा कि तुर्कों की बमबारी के परिणामस्वरूप बिजली और जल स्टेशन नष्ट और क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे सैकड़ों हजारों नागरिक प्रभावित हुए।

डब्ल्यूएओ ने कहा- गाजा में पर्याप्त मदद नहीं, 23 लाख लोगों के सामने भोजन और इलाज का गंभीर संकट

यरुशलम।

मिस्र सीमा पर राफा के रास्ते कई ट्रक राहत सामग्री गाजा पहुंच रही है, लेकिन दुनिया के सबसे सघन आबादी वाले इस क्षेत्र में भारी जरूरतों के आगे यह बहुत छोटी सी मदद मात्र है। संयुक्त राष्ट्र फलस्तीनी शरणार्थी एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएओ) ने भी कहा है कि 23 लाख लोगों के सामने भोजन, पानी, ईंधन व दवा समेत इलाज का भीषण संकट है।

दोनों निकायों ने गाजा में सहायता के निर्बाध प्रवाह का आह्वान किया है। प्रवक्ता तमारा अलिफाई ने कहा, अब तक जो ट्रक यहां पहुंचे हैं, वे ऊंट के मुंह में जौरे के समान ही हैं। क्षेत्र में ईंधन की सबसे ज्यादा जरूरत है, ताकि अस्पतालों के जनरेटर, बेकरीयां शुरू हों। अस्पतालों में दवाओं-उपकरणों की आपूर्ति फलस्तीनी के उत्तर में नहीं पहुंच सकी है। डब्ल्यूएओ ने कहा, गाजा पट्टी में एक-तिहाई अस्पताल बहुरे बोझ के बीच काम नहीं कर रहे हैं। यहां दो-तिहाई क्लीनिक बंद हैं। डब्ल्यूएओ ने कहा, क्षेत्र में बड़ी तादाद में मानवीय मदद बेहद जरूरी है।

हमले के यह तीन कारण

हमास ने कहा कि ये यरूशलम में अल-अक्सा मस्जिद को इजराइल की तरफ से अपवित्र करने का बदला है। हमास ने कहा कि इजराइली पुलिस ने अप्रैल 2023 में अल-अक्सा मस्जिद में ग्रेनेड फेंक इसे अपवित्र किया था।



इजराइली सेना लगातार हमास के ठिकानों पर हमले कर रही है और अतिक्रमण कर रही है। इजराइली सेना हमारी महिलाओं पर हमले कर रही है। हमास के प्रवक्ता गाजी हमदाद ने अरब देशों से अपील है कि इजराइल के साथ अपने देशी रिश्तों को तोड़ दें। हमदाद ने कहा कि इजराइल एक अच्छा पड़ोसी और शांत देश कभी नहीं हो सकता है।

सात अक्टूबर को हमास ने किया था हमला

बता दें, इजराइल और हमास के बीच युद्ध लगातार जारी है। हर तरफ चीख-पुकार मची हुई है। सात अक्टूबर से लेकर अब तक साढ़े छह हजार से अधिक लोगों की इस संघर्ष में मौत हो चुकी है। वहीं, हमास के बाद इजराइली सेना भी कार्रवाई करते हुए बिना रुके हमले कर रही है। अभी तक गाजा पट्टी में करीब 5100 और इजराइल में 1400 लोगों की जान जा चुकी है।

इजराइल ने गाजा में 400 जगहों पर की बमबारी

704 फलस्तीनियों की मौत, हमास के तीन डिप्टी कमांडर ढेर

यरूशलम

इजराइली सेना ने गाजा में हमास के ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। बीते 24 घंटों में इजराइल सेना ने 400 से अधिक ठिकानों पर बमबारी की। इसमें हमास के तीन डिप्टी कमांडरों समेत सैकड़ों फलस्तीनी नागरिक और आतंकी मारे गए हैं। गाजा में 24 घंटे में 704 लोगों की मौत हुई है। इजराइल ने मस्जिदों में निर्मित हमास के कई कमांड सेंटर ध्वस्त कर दिए। एक सुरंग भी नष्ट कर दी, जिसके जरिये आतंकी समुद्र के रास्ते इजराइल में घुसपैठ करते थे।

गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजराइल के हवाई हमले में अब तक 5,791 फलस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। इनमें 704 की मौत पिछले 24 घंटे के दौरान हुए हमलों में हुई है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि मृतकों में 2,360 बच्चे और 1,100 से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं।

बमबारी में 15 घर जलींदोज

वहीं, अधिकारियों ने बताया कि एक दिन के भीतर बमबारी में 15 घर जलींदोज हो गए हैं। खान यूनिज में एक पेट्रोल स्टेशन पर बमबारी में एक ही परिवार के कुछ सदस्यों समेत कई लोग मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं। ये सभी पूर्वी गाजा से भागकर पेट्रोल स्टेशन में शरण लिए हुए थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, मंगलवार को गाजा पट्टी पर इजराइल के हवाई हमलों ने कई रिहायशी इमारतें तबाह हो गईं और मलबे के नीचे कई परिवार दफन हो गए।

खान यूनिज में अस्पताल 7 के पास बमबारी

गाजा के खान यूनिज में रेड क्रिसेंट एजेंसी



के मुख्यालय और एक अस्पताल के पास इजराइली सेना ने बमबारी की है। रेड क्रिसेंट ने कहा कि खान यूनिज में इजराइल के हवाई हमले में कई लोगों को चोटें आईं और बड़े पैमाने पर क्षति हुई। बयान में कहा गया है कि अस्पताल में 4,000 से अधिक विस्थापित फलस्तीनी शरण लिए हुए हैं।

हमास को पूरी तरह खत्म करने के बाद ही बंद होगा अतिर्राज

इजराइली प्रधानमंत्री बेणामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को फिर दोहराया कि हमास को पूरी तरह खत्म करने के बाद ही अतिर्राज बंद होगा। इजराइली चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल हजी हलेवी ने साफ कहा कि हम गाजा में जमीनी हमले के लिए तैयार हैं। वहीं, इजराइली सेना के प्रवक्ता डैनियल हगरी ने कहा, सेना को

अगले चरण की कार्रवाई के लिए सरकार से निर्देशों का इंतजार है। उन्होंने कहा, लड़ाई लंबी चलने का अंदेश है। बंधकों की रिहाई के लिए बातचीत में मिश्र और कतर अहम भूमिका निभा रहे हैं।

इजराइल ने गाजा में संघर्ष विराम के

आह्वान को किया खारिज

इजराइल ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र को उच्च स्तरीय बैठक में यूएन प्रमुख, फलस्तीनियों और कई देशों के गाजा में संघर्ष विराम के आह्वान को खारिज कर दिया और फिर से हमास को पूरी तरह खत्म करने की मांग रखी। इजराइल ने कहा कि गाजा में संघर्ष पूरी आजाद दुनिया का युद्ध है। इजराइली विदेश मंत्री एली कोहेन ने सात अक्टूबर के हमास के हमलों के जवाब में गाजा पर कार्रवाई को रोकने की मांग को खारिज कर दिया। उन्होंने सवाल किया कि शिशुओं की हत्या, महिलाओं के साथ दुष्कर्म, उन्हें जलाने और एक बच्चे का फिर काटने के लिए क्या जवाबी कार्रवाई हो सकती है। कोहेन ने कहा कि किसी ऐसे व्यक्ति के साथ युद्धविराम के लिए कैसे सहमत हो सकते हैं, जिसने आपके अस्तित्व को खत्म करने की कसम खाई है।

महिला अत्याचार पर एक शब्द नहीं बोली प्रियंका गांधी वाड़ा : अल्का गुर्जर

जयपुर (हिंस)। भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर ने कांग्रेस नेता प्रियंका वाड़ा के झुंझुनू में आयोजित सभा के दौरान राज्य की महिलाओं को 10 हजार रुपए प्रतिवर्ष दिए जाने की गारंटी पर कहा है कि इससे पहले पिछले चुनाव में उनके भाई राहुल गांधी राज्य के किसानों को 10 दिनों में कर्ज माफ किए जाने का वादा कर गए थे जो अब तक अधूरा है और कर्जमाफी के इंतजार में 19 हजार से ज्यादा किसानों की जमीन नीलाम हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अपने पूरे भाषण में प्रियंका वाड़ा ने राजस्थान में महिला अत्याचार पर एक बार भी बात नहीं की जबकि उन्हें सबसे पहले यहां पर महिलाओं को सुरक्षा की गारंटी देनी चाहिए थी। यहां एक 14 वर्षीय बालिका को गैंगरेप के बाद जिंदा ही भट्टी में जला



दिया जाता है उस समय प्रियंका गांधी को यहां आकर देखना चाहिए था लेकिन वे नदारद रही। राष्ट्रीय मंत्री अल्का गुर्जर ने कहा कि राजस्थान में महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार और महिला अत्याचार ने राजस्थान को देश में नंबर वन पर लाकर खड़ा कर दिया है। इसमें भी दलित महिलाओं पर अत्याचार की

घटनाएं बढ़ रही हैं। यदि प्रियंका वाड़ा राजस्थान आकर अपने मुख्यमंत्री से महिला अत्याचार पर सवाल करती तो ज्यादा अच्छा होता। प्रियंका वाड़ा यदि कोई गारंटी ही देना चाहती है तो राज्य की महिलाओं को इस बात की गारंटी दे कि कांग्रेस के गिनती के बचे हुए शासन काल में महिलाओं पर अत्याचार नहीं होंगे। यहां महिलाएं सुरक्षित रहेंगी। महिलाओं को यहां तेजाब या केमिकल से नहीं जलाया जाएगा, किसी युवती को गोली मारकर कुएं में नहीं फेंका जाएगा। राजस्थान में महिलाओं को गारंटी देने आई प्रियंका वाड़ा को एक बार अपने मंत्री शांति धारीवाल से भी बात करनी चाहिए थी जो बलात्कार मामले बढ़ने पर कहते हैं कि राजस्थान मर्दों का प्रदेश है। उन्हें पहले अपनी ही विधायक दिव्या मदेरणा

को सुरक्षा की गारंटी देनी चाहिए थी। उन्हें कांग्रेस पार्टी की सरकार के पूर्व मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा के सवाल का जवाब देना था कि प्रदेश में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। इन सबके बाद वे यहां आकर महिलाओं को गारंटी की बात करती तो बेहतर होता। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी ने 500 रुपए में गैस सिलेंडर योजना का दायार बढ़ाने की भी बात कही है लेकिन उन्हें पता होना चाहिए कि उज्ज्वला योजना के तहत राज्य सरकार जो 500 रुपए में गैस सिलेंडर दे रही है उसमें केंद्र सरकार की सब्सिडी 400 रुपए हैं और राज्य सरकार की सब्सिडी मात्र 100 रुपए ही है। महिला आरक्षण की बात करने वाली प्रियंका वाड़ा को बताना चाहिए था कि अब तक उनके शासन में यह कानून लागू क्यों नहीं किया गया।

मूलभूत सुविधाओं पर जनता का हक ना हो लापरवाही: सुधीर सिंगला

सोहना में अग्रवाल सभा की ओर से जनसमस्या निवारण कार्यक्रम में पहुंचे

गुरुग्राम (हिंस)। गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने सोहना में अग्रवाल सभा की ओर से आयोजित जनसमस्या निवारण कार्यक्रम में शिरकत की। वार्ड-1 से लेकर 5 तक के लोगों के लिए आयोजित किए गए। इस बैठक में लोगों ने अपनी समस्याओं को लिखित रूप में विधायक को सौंपा। विधायक ने काफी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया। उन्होंने इस बाबत अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मूलभूत सुविधाओं पर सबका हक है। इसमें कोई लापरवाही ना हो। इस अवसर पर विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि जनता को बिजली, पानी, सीवेज, सड़कों जैसी मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के तौर पर दिया जा रहा है। हर व्यक्ति से जुड़ी ये सुविधाएं हैं। इन पर अधिक फोकस है। इन विषयों पर प्रदेश सरकार ने प्रमुखता से काम किया है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम जिला में विकास बड़े पैमाने पर हुआ है। जिस मेवात क्षेत्र को पिछड़ा समझा जाता रहा है, अब वहां पर भी रेल की सीटी बजने वाली है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे भी गुरुग्राम, सोहना से होकर गुजर गया मेवात भी बनाया गया है। केंद्र और राज्य सरकार के अलावा विभिन्न अधिकारी व अन्य लोग मौजूद रहे।

सरकारों ने मेवात को हमेशा राजनीति का केंद्र माना, लेकिन यहां के विकास पर कुछ नहीं किया। भारतीय जनता पार्टी की सरकार में मेवात विकासशील क्षेत्रों की सूची में आ गया है। जो विकास यहां हुआ है और हो रहा है, इससे यहां रोजगार के साधन भी सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि सोहना, नूंह में भाईचारा खराब करने वाले, हिंसा फैलाने वाले बेनकाब हो चुके हैं। उन्हें यहां के विकास की बजाय भाईचारा खराब करके माहौल बिगाड़ना आता है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने को समस्याएं सुनकर सुधीर सिंगला ने अधिकारियों को मौके पर ही निराकरण करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में विधायक सुधीर सिंगला के साथ किशन मुखी, प्रभारी हवाई आधाना, नगर परिषद के चेरमन लेखार, मंडल अध्यक्ष गौरव चुध, रामकिशन राघव, अग्रवाल सभा के प्रधान सुरेश गर्ग, मुकेश, योगेश, राधे श्याम सक्सेना के अलावा विभिन्न अधिकारी व अन्य लोग मौजूद रहे।

मैंने जीजी को सम्मान दिया, भाजपा नेता पूर्वाग्रह नहीं पालें : सीएम गहलोत

जोधपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सूरसागर विधायक सूर्यकांता व्यास से मुलाकात के बाद बुधवार सुबह एक बार फिर नया बयान जारी कर सियासी चर्चाओं को हवा दे दी है। उन्होंने कहा कि मेरे कामों की तारीफ के कारण सूर्यकांता व्यास को टिकट नहीं मिला। रात को भी उन्होंने मुझे कहा कि मैंने आपके काम की तारीफ की थी। आज भी कर रही हूं। काम की तारीफ करना बुरी बात नहीं है। इसको लेकर पूर्वाग्रह नहीं होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यह बात आज जोधपुर से खाना होने से पहले मीडिया से बात करते हुए कही। जब उनसे पूछा गया कि क्या सूर्यकांता व्यास नई इनिंग्स खेलने के लिए तैयार हैं तो वे मुस्कुराते हुए नमस्कार कर खाना हो गए। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी तीन दिवसीय जोधपुर यात्रा पूरी कर आज सुबह वापस जयपुर लौट आए। जयपुर जाने से पहले एयरपोर्ट पर उन्होंने बड़ी संख्या में लोगों से मुलाकात की। वहां पर मीडिया से अनौपचारिक वार्ता में उन्होंने कहा कि दोपहर तक आम सभी इंतजार कीजिए महिलाओं को लेकर प्रियंका गांधी की सभा में बड़ी घोषणा होगी। उन्होंने कल रात को सूरसागर विधायक सूर्यकांता व्यास के साथ हुई मुलाकात के बारे में भी बताया लेकिन जब उनसे पूछा गया कि क्या जीजी अब कोई नई इनिंग खेलने

के लिए तैयार है तो नमस्कार कह कर चले गए। उनसे पूछा गया कि रात को अपने विधायक सूर्यकांता व्यास से मुलाकात की थी, इससे भाजपा में सियासी चर्चा बढ़ा हुआ है, तो उन्होंने कहा कि उनको सम्मान देना बहुत जरूरी है। उन्होंने बहुत लंबी राजनीतिक पारी खेली है। उनसे मिलना वाजिब था। वो विरिष्ठ नेता है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मंगलवार को आधी रात में सूरसागर विधायक सूर्यकांता व्यास से उनके घर मिलने पहुंचे थे। इस मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चा शुरू हो गई है। यहां तक कि जीजी के कांग्रेस का दामन थामने की भी चर्चा जोर पकड़ने लगी। हालांकि इससे पहले रावण का चबूतरा मैदान पर दसहरा महोत्सव के समय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सूरसागर विधायक सूर्यकांता व्यास के बीच गर्मजोशी से मुलाकात हुई थी। उसके करीब 7 घंटे बाद गहलोत आधी रात को उनके घर पहुंचे तो जोधपुर का सियासी पारा चढ़ गया। करीब 15 मिनट तक गहलोत सूर्यकांता के घर रहे। इस दौरान जीजी ने शांल ओढ़ाकर उनका अभिनंदन भी किया। मुलाकात के दौरान 85 साल की जीजी का चेहरा दमक रहा था। इससे कयास लगाए जाने लगे कि वह कहीं कांग्रेस का दामन तो नहीं थामेंगे?

प्रदेश में पैतीस हजार से ज्यादा दुष्कर्म की घटनाएं हुई प्रियंका करती रही गिद्ध राजनीति : राज्यवर्धन सिंह राठौड़

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड़ा पर महिला उत्पीड़न के मामलों में गिद्ध राजनीति करने का आरोप लगाते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने प्रेसवार्ता के दौरान प्रदेश की जनता की ओर से 12 ज्वलंत सवाल दागे हैं। जिसमें मुख्य रूप से दुष्कर्म, महिला उत्पीड़न, किसान आत्महत्या, दलित उत्पीड़न, किसानों की जमीन नीलामी, पेपर लीक, भ्रष्टाचार, बेराजगारी और प्रदेश में व्याप्त कांग्रेस की लूट को लेकर प्रियंका-राहुल पर सवालों के जरिए बड़ा हमला बोला है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस का संचालन करने वाले मुख्य परिवार की हस्ती प्रियंका वाड़ा आज राजनीतिक पर्यटन पर राजस्थान के झुंझुनू आई हैं। महिला सुरक्षा के अंदर ये लोग गिद्ध राजनीति करते हैं, राजस्थान के बाहर जब कोई महिला अपराध होता है तब ये लोग जमकर मीडिया में बयान बाजी करते हैं, लेकिन जैसे ही राजस्थान का बॉर्डर आता है इनकी जबान पर ताला लग जाता है। प्रदेश में 35 हजार से ज्यादा दुष्कर्म



की घटनाएं हुईं, लेकिन राहुल गांधी और प्रियंका वाड़ा ने यहां की महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बयान तक दिया क्या? क्या राजस्थान की महिलाएं प्रियंका वाड़ा और कांग्रेस के लिए सम्मान की पात्र नहीं हैं? इन लोगों की कथनी और करनी में मोटा फर्क सामने आता है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां महिला सुरक्षा संरक्षण और उथान को दिशा में काम कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रियंका वाड़ा का लड़की हूँ लड़ सकती हूँ का नारा राजस्थान में आकर सिमट कर रह जाता है। प्रदेश में करीब दो लाख महिला उत्पीड़न की

रजिस्टर्ड घटनाएं दर्ज होने के बावजूद प्रियंका वाड़ा राजस्थान क्यों नहीं आई? प्रदेश में 7,700 निर्दोष नागरिकों की हत्या होती है, लेकिन कांग्रेस की तरफ से किसी नेता ने संवेदना तक प्रकट क्यों नहीं की? प्रियंका वाड़ा के भाई राहुल गांधी पिछले चुनावों में दस दिन में कर्जमाफी का वादा करके गायब हो गए और अब 1700 दिन बीत जाने पर प्रदेश की जनता उनसे सवाल पूछती है कि कर्जमाफी क्यों नहीं हुई? कर्ज से देश में काम कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रियंका वाड़ा का लड़की हूँ लड़ सकती हूँ का नारा राजस्थान में आकर सिमट कर रह जाता है। प्रदेश में करीब दो लाख महिला उत्पीड़न की

किसान नहीं है जबतक उसके नाम से जमीन नहीं है। मेरा सवाल सरकार से यह है कि क्या मजदूर के प्रति आपके संवेदनाएं नहीं हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में जेहादी मानसिकता के लोगों द्वारा कन्हैयालाल तेवी, हरीश जाटव, आदर्श तापडिया, योगेन्द्र मेघवाल, रतनलाल सोनी, कृष्णा वाल्मिकी और चिरंजीवाल सेनी सहित अनेक निर्दोश नागरिकों की हत्या की अनेक घटनाएं सामने आती हैं, लेकिन कांग्रेस की तरफ से इन लोगों के प्रति कोई संवेदना और पीड़ा प्रकट क्यों नहीं की गई? कर्जमाफी से जुड़ा रहे प्रदेश के 19,422 किसानों की जमीन नीलाम हो जाती है, लेकिन प्रियंका वाड़ा की नजर इस तरह की खबरों पर क्यों नहीं जाती? यदि कांग्रेस के नेताओं में जरा भी शर्म बची है तो उन्हें किसानों और महिलाओं से माफी मांगनी चाहिए। प्रदेश के उन 70 लाख युवाओं का क्या दोष था जिनका कैरियर पेपर लीक की भेंट चढ़ गया। हम मान भी लें कि पैसा तो लौटाया जा सकता है, लेकिन जो कीमती समय इन युवाओं का चला गया उसे कांग्रेस सरकार कैसे लौटाएगी?

पंजाब के मुद्दे पर खुली बहस में शामिल होगी भाजपा, सरकार से मांगेंगे जवाब : सुनील जाखड़

राज्यपाल से मिलकर सहायक प्रोफेसर आत्महत्या केस में मंत्री के खिलाफ एफआईआर की मांग

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने ऐलान किया है कि वह एक नवंबर को लुधियाना में होने वाली मुख्यमंत्री भगवंत मान की खुली बहस में भाग लेकर पंजाब के मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेंगे। उन्होंने राज्यपाल से मिलकर सहायक प्रोफेसर आत्महत्या केस में मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने की मांग की। सुनील जाखड़ रोपड़ में आत्महत्या करने वाली असिस्टेंट प्रोफेसर बलविंदर कौर के भाई बलदेव के साथ बुधवार को चंडीगढ़ में पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से मुलाकात करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि 1158



असिस्टेंट प्रोफेसर संघर्ष मोर्चा की जगह अब इन्हें 1157 असिस्टेंट प्रोफेसर संघर्ष मोर्चा लिखना पड़ रहा

है। इसके लिए जिम्मेदारी तय करवाने के लिए उन्होंने गवर्नर से मुलाकात की है। जाखड़ ने कहा कि वह सरकार

से सिर्फ एफआईआर पर ही नहीं, बल्कि पंजाब में नियुक्ति पत्रों का इंतजार कर रहे कर्मचारियों के मुद्दों पर भी जवाब लेंगे। जाखड़ ने कहा कि हम जवाब देने नहीं, बल्कि सरकार से जवाब लेने जाएंगे। जाखड़ ने कहा कि पंजाब की सरकार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल चला रहे हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान एक आईएडटेड मुख्यमंत्री हैं। जाखड़ ने कहा कि असिस्टेंट प्रोफेसर बलविंदर कौर की शिक्षा मंत्री ने आत्महत्या के लिए मजबूर किया था। यह उनके सुसाइड नोट से भी साबित हो रहा है। उन्होंने इन प्रोफेसर को धरना देने के लिए चैलेंज किया था।

रिश्वत लेते पंजाब पुलिस का एएसआई गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध चल रही मिहिण्ड के तहत पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने बुधवार को डीएसपी अजनाला के रीडर के तौर पर तैनात सहायक सब इंस्पेक्टर (एएसआई) राज कुमार को 17 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह जानकारी देते हुये राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि अमृतसर जिले के अजनाला कस्बे के निवासी मोहन सिंह की शिकायत पर डीएसपी अजनाला के रीडर एएसआई राज कुमार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि एएसआई राज कुमार ने उसे अपने दफ्तर में बुलाकर चोरी की सोने की कानों की वाली खरीदने की शिकायत मिलने की बात बताई और पुलिस मुकदमे से बचने के लिए 50 हजार रुपए रिश्वत के तौर पर मांगे।

सरकार की शिक्षा व औद्योगिक नीति पूरी तरह फेल : अभय चौटाला

सिरसा (हिंस)। एलनाबाद से इनलो विधायक अभय सिंह चौटाला ने बुधवार को रनियां विधानसभा क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक गांवों किंगडकोट, बूढाभाणा, नेजाडिला, मल्लेवाला, बुजिभंगू, बनसुधार, चामल, ढाणी 400 का दौरा किया और ग्रामीणों को आगामी चार नवंबर को तेजाखेड़ा फार्म हाउस पर अपने पौत्र के कुआं पूजन कार्यक्रम के अवसर पर भोज का निमंत्रण दिया। चौटाला ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि गुलाबी सूंड़ी के कारण किसानों की फसल पूरी तरह से चौरदा हो गई है। किसानों को राहत दिलाने के लिए वे स्पेशल गिरदावरी करवाकर मुआवजा दिलवाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि मौजूदा गठबंधन सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। प्रदेश में बेरोजगारी की फेहरिस्त लगातार लंबी होती जा रही है। चौटाला ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व औद्योगिक नीति भी फेल हो चुकी है। स्कूलों में भवन जर्जर हो चुके हैं, अध्यापकों की भारी कमी है। सरकार की औद्योगिक नीति पर सवाल उठते हुए चौटाला ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण ही प्रदेश के उद्योग आज पलायन करने को मजबूर हैं। उद्योगों के पलायन के



कारण हरियाणा को करोड़ों रुपए के राजस्व का चूना लग रहा है, लेकिन सरकार को इसकी जरा भी चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि 2024 में प्रदेश की जनता इनेलो के सिर पर अपना वोट रूथी आशीर्वाद देकर सत्ता में आएगी। इनेलो के सत्ता में आने पर जिले व प्रदेश का चहुंमुखी विकास होगा। इस मौके पर उनके साथ कश्मीर सिंह जिलाध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष धर्मवीर नेन, सुभाष नेन, रामकुमार नेन, प्रदीप बैनीवाल, विनोद खिचड़, जगमेल किंगडकोट, रमन मेहता सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खालिस्तानी आतंकी अमृतपाल के पिता को अमृतसर हवाई अड्डे पर रोककर वापस घर भेजा

चंडीगढ़ (हिंस)। खालिस्तानी आतंकी अमृतपाल के पिता को आज उस समय हवाई अड्डे पर रोक लिया गया, जब वह कतर जाने की तैयारी में थे। हवाई अड्डे अधिकारियों तथा पुलिस ने बुधवार को करीब एक घंटा पूछताछ के बाद उन्हें वापस घर भेज दिया। असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद अमृतपाल के पिता तरसेम सिंह बुधवार को सुबह अमृतसर हवाई अड्डे पर पहुंचे। वह किसी काम से कतर जाना चाहते थे, लेकिन उन्हें कतर जाने की अनुमति नहीं मिली। इससे पहले अमृतपाल सिंह की पत्नी किरणदीप को भी अमृतसर एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने रोका था। यहां पूछताछ के बाद किरणदीप को घर भेज दिया था। अमृतपाल ने 23 फरवरी को अपने एक सपरथक की रिहाई के लिए पंजाब के अमृतसर जिले में अजनाला पुलिस थाने पर हमला किया था। उसके बाद से वह पुलिस के रडार पर आ गया था। 18 मार्च को पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए घेराबंदी की, लेकिन वह फरार हो गया था। इसके बाद 23 अप्रैल को उसे गिरफ्तार किया गया था।

चुनावी सभा में प्रियंका गांधी का आरोप- मोदी सरकार की सभी बातें खोखली गहलोत का वादा : कांग्रेस सत्ता में आई तो महिलाओं को हर साल मिलेंगे 10 हजार रुपए

झुंझुनू (हिंस)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि इस सरकार के पास कोई प्रियंका नहीं है। केंद्र सरकार ने सब कुछ अपने उद्योगपति मित्रों को दे दिया। केंद्र सरकार किसानों के लिए काला कानून लाई और उसे वापस लिया। किसान सर्दी में धरने पर बैठे रहे, लेकिन उनसे बात नहीं की। उन्होंने कहा कि धर्म की राजनीति करने वाले समझ गए हैं कि काम करने की जरूरत नहीं है। धर्म-जाति का नाम लो और वोट बटोरें लो। इस सिलसिले को हटाना होगा। प्रियंका गांधी राजस्थान के झुंझुनू जिले के अरड़ावता गांव में पूर्व केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम

के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित कर रही थी। देवनारायण मंदिर का जिक्र करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मंदिर में 21 रुपए का लिफाफा डाला। ऐसी ही इनकी योजनाएं हैं। मैं तो समझ गई हूँ कि मोदी का लिफाफा खाली है। इनके वादे-घोषणाएं भी लिफाफे की तरह खोखले हैं। प्रियंका ने महिला आरक्षण, इंद्रिया रसोई, गैस सिलेंडर योजना, ओपीएस, प्री बिजली, पेंशन का जिक्र किया। साथ ही केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री के चूमने के लिए 16 हजार करोड़ के दो प्लेन खरीदे। 20 हजार करोड़ रुपए की संसद की नई इमारत बनाई, लेकिन किसान के लिए पैसा नहीं है। सरकारी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना लागू करने के लिए पैसा नहीं है। प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार नए रोजगार पैदा नहीं कर रही है। फ्लिक सेक्टर कंपनी से रोजगार बनते थे, लेकिन उन्हें इस सरकार ने अपने बड़े उद्योगपति दोस्तों को

मोनू मानेसर को एक बार फिर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

गुरुग्राम (हिंस)। नूंह दंगों में भड़काऊ पोस्ट वायरल करने के आरोपी मोनू मानेसर की बुधवार को पटोदी कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी हुई। अदालत ने सुनवाई के बाद मोनू मानेसर की न्यायिक हिरासत 14 दिन और बढ़ा दी। मोनू मानेसर अभी 14 दिन तक भोंडसी जेल में ही रहेगा। अगली पेशी 8 नवंबर को होगी। मोनू मानेसर को गुरुग्राम पुलिस राजस्थान से प्रोडक्शन वॉरंट पर लेकर आई थी। अदालत में पेशी के दौरान उसे 4 दिन के रिमांड पर पटोदी पुलिस को सौंपा गया। 11 अक्टूबर को फिर से पेशी हुई और उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भोंडसी जेल भेज दिया गया। अब बुधवार को फिर से उसकी पेशी हुई। इस बार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी हुई। सुरक्षा कारणों से चल्ते ऐसा किया गया। पेशी के समय मोनू मानेसर के वकील कोर्ट में मौजूद रहे। अदालत ने सुनवाई पूरी होने के बाद मोनू मानेसर को फिर से 14 दिन की न्यायिक हिरासत के आदेश दिए। 14 दिन की न्यायिक हिरासत में मोनू मानेसर को भोंडसी जेल में ही रहना होगा। उसकी अगली पेशी 8 नवंबर को होगी।

पुलिसकर्मी पूरी मेहनत व लगन के साथ करें अपने कर्तव्यों का निर्वाहन: राकेश कुमार आर्य

फरीदाबाद (हिंस)। पुलिस आयुक्त राकेश कुमार आर्य ने ड्यूटी के दौरान श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मीयों की हौसला अफजाई करने के लिए हौरों ऑफ द वीक अभियान के तहत पुलिस कर्मिणर ने बुधवार को 8 सर्वश्रेष्ठ पुलिसकर्मीयों को प्रथम श्रेणी प्रशंसा पत्र व इनाम देकर उन्हें सम्मानित किया। पुलिसकर्मीयों द्वारा किए गए कार्यों की चाय पर चर्चा की गई। पुलिस आयुक्त ने श्रेष्ठ कार्य करने वाले पुलिसकर्मीयों को सम्मानित करने के लिए पुलिस आयुक्त कार्यालय में बुलाया जहां पर पुलिसकर्मीयों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें प्रशंसा पत्र व नकद इनाम देकर सम्मानित किया। पुलिस आयुक्त ने इन पुलिसकर्मीयों के साथ बैठक चाय पी तथा पुलिसकर्मीयों के फील्ड के अनुभव के बारे में फीडबैक लिया तथा अपने कार्यों को

ओर बेहतर बनाने के लिए उन्हें अहम दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी इसी प्रकार ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्य का निर्वाहन करते रहें, अपराधियों पर शिकंजा कसे और पीड़ित को न्याय दिलाने का काम करें। सम्मानित किए गए पुलिसकर्मीयों में हौरों ऑफ द वीक के तहत सहायकी कार्य करने वाले पुलिसकर्मीयों में क्राइम ब्रांच सेक्टर 17 में तैनात पीएसआई जितेंद्र, क्राइम ब्रांच बद्रपुर बॉर्डर में तैनात सिपाही सचिन, क्राइम ब्रांच बद्रपुर बॉर्डर में तैनात सिपाही शिव कुमार, अपराध शाखा सेक्टर 85 में तैनात मुख्य सिपाही मनोज कुमार, साइबर थाना बल्लभगढ़ में तैनात सिपाही आनंद, पुलिस चौकी नंबर 2 प्रभारी पीएसआई चेतन, यातायात पुलिस में तैनात ईएससी मंगल 12112/एफबीडी तथा होमगार्ड भुवना सिंह 237/एफबीडी शामिल हैं।

अग्रसेन कल्याण बोर्ड का गठन करे सरकार : बजरंग गर्ग

फतेहाबाद (हिंस)। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष व व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने फतेहाबाद में समाज के प्रतिनिधियों की मीटिंग ली। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार ने राज्य अग्रसेन कल्याण बोर्ड का गठन किया है, उसी प्रकार हरियाणा सरकार को भी राज्य अग्रसेन कल्याण बोर्ड का गठन करना चाहिए। बजरंग गर्ग ने कहा कि समाज द्वारा मुख्यमंत्री मनोहर लाल से बातचीत करके अग्रोहा में लिटिल में 120 करोड़ रुपए की लागत से केंसर हॉस्पिटल बनाया जा रहा था,

जिसकी आधारशिला भी रख दी गई थी, मगर बड़े अफसोस से कहना पड़ता है कि हरियाणा सरकार को मिलना था। सरकार को अग्रोहा में 40वां विशाल वार्षिक मेला महाकुंभ लगेगा, जिसमें देशभर से लाखों लोग भाग लेंगे। बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार को अग्रोहा में इंडस्ट्रियल जोन व टैक्सटाइल हब बनाना चाहिए और अग्रोहा को विकसित करने के लिए विशेष पैकेज देना चाहिए। अगर सरकार अग्रोहा को विकसित करने के लिए सुविधा देगी तो अग्रोहा में करोड़ों-अरबों रुपए के पूंजी निवेश करवाने का काम हमारी टीम द्वारा करवाया जाएगा। अग्रोहा में उद्योग लागने से लाखों बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। बजरंग गर्ग ने कहा कि अग्रोहा धाम में 29 अक्टूबर को 40वां विशाल वार्षिक मेला महाकुंभ लगेगा, जिसमें देशभर से लाखों लोग भाग लेंगे।

बड़ी भारी नाराजगी है जबकि केंसर हॉस्पिटल का लाभ हरियाणा, पंजाब, राजस्थान आदि राज्यों के मरीजों को मिलना था। सरकार को अग्रोहा में 40वां विशाल वार्षिक मेला महाकुंभ लगेगा, जिसमें देशभर से लाखों लोग भाग लेंगे। बड़ी भारी नाराजगी है जबकि केंसर हॉस्पिटल का लाभ हरियाणा, पंजाब, राजस्थान आदि राज्यों के मरीजों को मिलना था। सरकार को अग्रोहा में 40वां विशाल वार्षिक मेला महाकुंभ लगेगा, जिसमें देशभर से लाखों लोग भाग लेंगे।



क्रिप्टो लेंडिंग प्लेटफॉर्म ब्लॉकफाई से राहत भरी खबर ग्राहकों को मिलेगी वॉलेट से निकासी की सुविधा

नई दिल्ली। क्रिप्टो लेंडिंग प्लेटफॉर्म ब्लॉकफाई ने दिवालियापन से उभरने के बाद कहा है कि यह अपना परिचालन बंद कर देगा और एफटीएक्स के पतन के बाद क्रिप्टोकॉर्सेस उद्योग में आए उथल-पुथल के 11 महीने बाद ग्राहकों को क्रिप्टो संपत्ति वापस करना शुरू कर देगा। जर्सी सिटी, न्यू जर्सी स्थित ब्लॉकफाई पिछले महीने अदालत में अनुमोदित दिवालियापन योजना के तहत एफटीएक्स और श्री एरो कैपिटल सहित अन्य क्रिप्टो कंपनियों

के दिवालियापन के माध्यम से अतिरिक्त भुगतान करना जारी रखेगा। ब्लॉकफाई ने कहा कि उस मुकदमेबाजी में सफलता से ग्राहक वसूली बढ़ सकते हैं। ब्लॉकफाई ने कोर्ट फाइलिंग में बताया है कि जिन ग्राहकों के पास ब्याज वाले अर्न खाते थे, उन्हें अपने खातों में मूल्य का 39.4 प्रतिशत से 100 प्रतिशत के बीच प्राप्त होगा। ब्लॉकफाई ने नवंबर 2022 में अपनी दिवालिया याचिका में एफटीएक्स की सहायक कंपनी अलामेडा को दिए गए कर्ज को उसके पतन का एक कारण बताया था। इसके

अलावा, एफटीएक्स के संस्थापक सैम बैंकमैन-फ्राइड वर्तमान में मैनहट्टन में धोखाधड़ी के लिए मुकदमे का सामना कर रहे हैं। ब्लॉकफाई ने कहा कि निकासी वर्तमान में उसके लगभग सभी वॉलेट ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। ब्लॉकफाई ने कहा कि ब्लॉकफाई ब्याज खातों और खुदरा ऋण वाले लोगों को आने वाले महीनों में चुकाया जाएगा, लेकिन उन्हें मिलने वाली राशि एफटीएक्स दिवालियापन के परिणाम के आधार पर अलग-अलग हो सकती है। पोस्ट में कहा गया

है कि निकासी वर्तमान में लगभग सभी वॉलेट ग्राहकों के लिए उपलब्ध है, इसमें ब्लॉकफाई ब्याज खाता (बीआईए) और ऋण ग्राहक 2024 की शुरुआत में कुछ संपत्तियों को वापस लेने में सक्षम होंगे। पोस्ट के अनुसार, ब्लॉकफाई के दिवालियापन से उभरने का मतलब है कि यह अब अन्य फर्मों से संपत्ति वसूली का प्रयास कर सकता है। इसमें दिवालिया क्रिप्टो प्लेटफॉर्म जैसे श्री एरो कैपिटल (जिसे एएसबी भी कहा जाता है) और एफटीएक्स शामिल हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

दुनियाभर में 2030 में चरम पर होगी तेल, गैस और कोयले की मांग, इस अवधि के बाद घटेगी खपत



नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने जारी वार्षिक वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक में कहा कि 2030 में जीवाश्म ईंधन यानी तेल, गैस व कोयले की मांग चरम पर होगी। इसके बाद मांग घटने लगेगी। ऊर्जा एजेंसी ने मांग घटने के पीछे तर्क दिया कि तब तक बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक कारें सड़कों पर आ चुकी होंगी। चीनी अर्थव्यवस्था और ज्यादा धीमी गति से बढ़ रही होगी एवं दुनियाभर में स्वच्छ ऊर्जा को अपनाया जाना बढ़ेगा। औद्योगिक देशों को परामर्श देने वाली अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की यह रिपोर्ट तेल उत्पादक देशों के समूह ओपेक के इस नजरिये के उलट है कि तेल क्षेत्र में खरबों डॉलर का नया निवेश किया जाना चाहिए। ओपेक ने इसी माह अपनी रिपोर्ट में 2030 से आगे जाकर मांग में और ज्यादा वृद्धि का अनुमान लगाया था। साथ ही कहा था कि तेल क्षेत्र की परियोजनाओं में नए निवेश रोकने का आह्वान गुमराह करने वाला है। इससे ऊर्जा अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। आईईए की राय है कि तमाम देशों की मौजूदा सरकारी नीतियों को देखते हुए इस दशक में जीवाश्म ईंधन की खपत चरम पर पहुंचने के आसार दिख रहे हैं। आईईए के कार्यकारी निदेशक फ्रांसिस बिरोल ने कहा, दुनियाभर में स्वच्छ ऊर्जा को अपनाया जा रहा है। अब यह सवाल ही नहीं रहा कि ऐसा होगा या नहीं, बल्कि बात सिर्फ इतनी है कि यह कितनी जल्दी होगा। भारत में एसी के लिए बिजली की मांग अफ्रीका की कुल खपत से होगी अधिक आईईए ने बताया कि एसी के इस्तेमाल से 2050 तक भारत में बिजली की मांग 9 गुना बढ़ जाएगी। यह अफ्रीका की मौजूदा कुल खपत से कई गुना बढ़ेगी। आईईए के मुताबिक, भारत में अगले तीन दशक में दुनिया के किसी भी देश या क्षेत्र की तुलना में ऊर्जा मांग में वृद्धि सबसे अधिक होगी। मौजूदा नीतियां परिदृश्यों को आधार मानने तो भारत की ऊर्जा आपूर्ति 2022 में 42 एक्सजूल (ईजे) से बढ़कर 2030 में 53.7 ईजे और 2050 में 73 ईजे हो जाने का अनुमान है। इसी तरह, तेल की मांग 2022 में 52 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) से बढ़कर 2030 में 68 लाख बीपीडी और 2050 में 78 लाख बीपीडी होने का अनुमान है। भारत में बिजली की मांग इसलिए बढ़ रही है क्योंकि कई बार तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के भी पार चला जाता है। आज लगभग 10 प्रतिशत बिजली की मांग स्पेस कुलिंग जरूरतों की वजह से आती है।

स्टैंडर्ड चार्टर्ड ने जुजर टिनवाला को सीटीओओ बनाया, सरबजीत आनंद की लगे जगह

नई दिल्ली। स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने 25 अक्टूबर को जुजर टिनवाला को भारत और दक्षिण एशिया के लिए अपने मुख्य प्रौद्योगिकी और संवाहन अधिकारी (सीटीओओ) के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की। वह सरबजीत आनंद की जगह लेंगे, जिन्होंने बैंक के बाहर अपने अवसरों को तलाशने का फैसला किया है। बैंक ने एच.एस. विजयिनी को, टिनवाला पहले बैंक के मुख्य परिचालन अधिकारी थे और 26 वर्षों से बैंक के साथ हैं, संवाहन और प्रौद्योगिकी में विभिन्न टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं। टिनवाला टीटीओ एशिया मैनेजमेंट टीम (एमटी) के सदस्य हैं और इंडिया कर्पोरेट एमटी का हिस्सा बने रहेंगे। बैंक ने कहा जहां आवश्यक हो नियुक्ति नियामकीय मंजूरी या फाइलिंग के अधीन होगी। इससे पहले सितंबर में, बैंक ने वेगलुच, नई दिल्ली, कोलकाता और मुंबई के बाद पांचवें केंद्र के रूप में चेन्नई में अपना निजी बैंकिंग केंद्र शुरू किया था।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में नहीं हुआ अधिक बदलाव

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (वरुड) की कीमतों में आधी गिरावट के बाद भी देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई खास बदलाव नहीं आया है। चारों महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें पहले की ही तरह हैं। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर में बिक रहा है जबकि एक लीटर डीजल की कीमत 89.62 रुपये रुपये प्रति लीटर है। नई दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये लीटर जबकि मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये लीटर वहीं कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.74 रुपये लीटर, चेन्नई-पेट्रोल 102.66 रुपये, डीजल 94.26 रुपये लीटर पर है।

इस साल पहली तिमाही में 6.4 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया राजकोषीय घाटा, केंद्र सरकार पर बढ़ रहा कर्ज

नई दिल्ली। पिछले साल केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 20 प्रतिशत बढ़ा था तो इस वर्ष की पहली तिमाही में यह घाटी 6.4 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने बुधवार को जारी अपने वक्तव्य में यह बात कही है। रमेश के मुताबिक, आरबीआई बुलेटिन, बेहद चिंताजनक आर्थिक ट्रेंड को दिखाता है। मोदी सरकार ने लगातार कुप्रबंधन किया है, वो इस बुलेटिन में स्पष्ट रूप से दिख रहा है। याद कीजिए, सितंबर 2023 के बुलेटिन में कई नकारात्मक इंडीकेटर्स सामने आए थे। उनमें घरेलू बचत का 47 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंचना, निजी क्षेत्र के लिए घरेलू ऋण में स्थिरता और श्रम-बल भागीदारी का एक ही तरह से बने रहना आदि शामिल थे। अब भी वे ट्रेड्स या तो वैसे ही बने हुए हैं या और भी अधिक बिगड़ गए हैं।

जयराम रमेश ने कहा कि शुद्ध घरेलू बचत में कमी आने का एक प्रमुख कारण यह है कि घरेलू देनदारियों (लायबिलिटीज) में भारी बढ़ोतरी हुई है। वित्त मंत्रालय ने गुमराह करने के लिए दावा किया था कि यह बढ़ोतरी गृह और वाहन ऋण के कारण है। दूसरी तरफ आरबीआई के सितंबर माह के बुलेटिन ने स्पष्ट रूप से दिखाया था कि गोल्ड लोन में 23 प्रतिशत और पर्सनल लोन में 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। आरबीआई का अक्टूबर का बुलेटिन इसकी पुष्टि करता है। अगस्त 2023 में बैंक से लिए गए कुल लोन में सबसे ज्यादा पर्सनल लोन लिए गए हैं। इसमें 23 फीसदी की भारी वृद्धि हुई है। गोल्ड



लोन में 22 प्रतिशत की दर से बढ़ोतरी हुई है। वास्तव में, पिछले 15 महीने से गैर-आवासीय पर्सनल लोन, 20 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ रहे हैं। यह कुछ ऐसा है जो कम से कम 15 वर्षों में कभी नहीं हुआ।

औद्योगिक क्षेत्र की ऋण वृद्धि धीमी

औद्योगिक क्षेत्र की ऋण वृद्धि, जो निवेश और आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है, धीमी हो रही है। अगस्त 2023 में यह केवल 6.1 प्रतिशत थी। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग आधी और 2013 की सिर्फ एक-तिहाई है। इस बीच, उद्योग के लिए बैंक ऋण का हिस्सा मोदी सरकार द्वारा आधा कर दिया गया है। कांग्रेस पार्टी के महासचिव ने कहा, 2013 में गैर-खाद्य ऋण 46 प्रतिशत था, जो 2023 में केवल 24 प्रतिशत रह गया। महंगाई दर 6.8 प्रतिशत के साथ नियंत्रण से बाहर है। यह आरबीआई के 4 प्रतिशत के लक्ष्य से काफी ऊपर है। आरबीआई ने अनाज, दालों और मसालों में निरंतर महंगाई के दबाव का मुद्दा उठाया। अधिकांश भारतीयों को अपनी आमदनी पर महंगाई के दबाव का सामना करना पड़ रहा है। इस वजह से भोजन, शिक्षा और अन्य बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करना मुश्किल हो रहा है।

अविद्य में भारत पर बोझ पड़ेगा

बतौर जयराम रमेश, मोदी सरकार पर कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। इससे भविष्य में भारत पर बोझ पड़ेगा। घाटा कम दिखाने के लिए मोदी सरकार राज्यों को कम कर ट्रांसफर करके संघवाद के सभी सिद्धांतों का उल्लंघन कर रही है। मेक इन इंडिया का बुरी तरह से विफल होना और पीएलआई योजनाओं का प्रभावी न होना, इसका मतलब साफ है कि इस तिमाही में 4 प्रतिशत से भी कम निर्यात वृद्धि थी। निर्यात में मंदी से सबसे ज्यादा प्रभावित एमएसएमई हैं। वजह, क्योंकि उन्हें मुनाफा कम हो रहा है, लेकिन लागत ज्यादा लाग रही है। यह कोई नया ट्रेंड नहीं है। साल 2004-2014 तक निर्यात प्रति वर्ष औसतन 14 प्रतिशत की दर से बढ़ा, लेकिन मोदी सरकार में निर्यात वृद्धि आधे से भी कम होकर सिर्फ 6 प्रतिशत रह गई है। हर महीने जारी होने वाले आरबीआई बुलेटिन को मोदी सरकार के लिए एक रिमाइंडर के रूप में काम करना चाहिए। जयराम का आरोप है कि सरकार चाहे जितना डेटा को छिपाए और जनता को गुमराह करने की कोशिश करे, मगर बेसिक तथ्य झुठ नहीं बोलते हैं। अर्थव्यवस्था पूरी तरह से बहलाल है और अधिकांश भारतीय पीड़ित हैं।

सोने-चांदी की कीमतों में नरमी नई दिल्ली।

अगर आप त्योहारों पर सोना-चांदी खरीदना चाहते हैं तो अच्छा अवसर है। इनकी कीमतों में कमी आ रही है। आज दोनों की कीमती धातुओं के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव नीचे आकर 72 हजार रुपये से कम पर पहुंच गये। वहीं सोने के वायदा भाव 60,500 रुपये के करीब बने हुए हैं। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी की वायदा कीमतों में कमजोरी आई है।

सोने के वायदा भाव में आज कमी देखी गयी। मल्टी कमांडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का दिवंबर अनुबंध 59 रुपये नीचे आकर 60,537 रुपये के स्तर पर खुला। यह अनुबंध 83 रुपये की गिरावट के साथ 60,454



रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 60,483 रुपये के उच्च स्तर और 60,436 रुपये के नीचे स्तर पर पहुंचा था। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया था। वहीं एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 157 रुपये की गिरावट के साथ ही 71,629 रुपये के भाव पर खुला। ये 71,688 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 71,588 रुपये प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर पर पहुंचा।

वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी आज सोने-चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखने को मिली। कामेक्स पर सोना 1982.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इस पिछला बंद भाग 1986.10 डॉलर था।

पायलट ने उड़ान के दौरान विमान का इंजन बंद करने की कोशिश की, 83 लोगों की जान जोखिम में डालने का आरोप

नई दिल्ली।

44 साल के पायलट जोसेफ डेविड एमर्सन सिटल से सैन फ्रांसिस्को जा रहे थे। इस बीच उन्होंने विमान के इंजन की फ्यूल सप्लाई को बंद करने की कोशिश की। इसके बाद विमान को अफरातफरी के बाद पोर्टलैंड की ओर डायवर्ट किया गया और आरोपित पायलट को गिरफ्तार किया गया। उससे पृथक्ता की जा रही है। एयरलाइन के एक बयान के अनुसार, संधिध अलास्का एयरलाइंस की एक उड़ान के कॉकपिट में कैप्टन और फर्स्ट ऑफिसर के पीछे बैठा था। 80 यात्रियों के साथ यह विमान वाशिंगटन के एवरेट से कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को जा रहा था। अलास्का एयरलाइंस ने एक बयान में कहा कि ऑफ-ड्यूटी पायलट फ्लाइट के डेक जंप सीट पर यात्रा कर रहा था, उसी दौरान उसने इंजन के संचालन को बाधित करने की असफल कोशिश की।



अलास्का एयरलाइंस फ्लाइट 2059 के चालक दल के सदस्यों ने हवाई यातायात नियंत्रण को घटना की सूचना दी।

एयर ट्रेफिक कंट्रोल कान्युनिकेशन की रिकॉर्डिंग में, पायलटों में से एक को यह कहते हुए सुना गया: हमें वह आदमी मिला है जिसने कॉकपिट से इंजन को बंद करने की कोशिश की थी, और उसे ऐसा नहीं लगता कि वह अभी पीछे कोई समस्या पैदा कर

रहा है। पायलट ने कहा, मुझे लगता है कि वह शांत है। उन्होंने अनुरोध किया कि जैसे ही हम जमीन पर उतरें और पार्क करें। उन्होंने पुलिस की मौजूदगी का भी अनुरोध किया। होराइजन एयर द्वारा संचालित इस विमान को स्थानीय समयानुसार शाम पांच बजकर 25 मिनट पर उड़ान भरनी थी और सात बजकर 30 मिनट पर सैन फ्रांसिस्को पहुंचना था। हालांकि, उड़ान को पोर्टलैंड की ओर मोड़ दिया गया और अंततः सात बजकर 18 मिनट पर विमान ने अपने इच्छित गंतव्य के लिए उड़ान भरी।

2030 में पेट्रोल-डीजल की 56 लाख गाड़ियां बिकेंगी

फ्लैक्स फ्यूल इंडिया में रिवाॅल्यूशन ला सकता है

नई दिल्ली। आने वाले 5-6 साल में देश किस तरह जाएगा इलेक्ट्रिक व्हीकल, फ्लैक्स फ्यूल या हाइड्रोजन व्हीकल पर टोयोटा क्लिंस्कर मोटर के कट्टी हेड विक्रम टोयोटा का कहना है कि भारत अभी इलेक्ट्रिक व्हीकल पर पूरा फोकस कर रहा है, इसके बावजूद साल 2030 तक पेट्रोल-डीजल व्हीकल की बिक्री अभी के 40 लाख से बढ़कर 56 लाख हो जाएगी। उन्होंने कहा कि फ्लैक्स फ्यूल को लेकर अगर सरकार कोई पॉलिसी लाती है तो इससे कार्बन एमिशन के मामले में इंडिया में टूर रिवाॅल्यूशन आ सकता है। वहीं उन्होंने टोयोटा के प्योर इलेक्ट्रिक व्हीकल और हाइड्रोजन व्हीकल को बाजार में कब तक उतारा जाएगा इसे लेकर भी बात की।

टोयोटा की पहली हाइड्रोजन कार इंडियन कस्टमर्स को कब तक मिल सकती है - टोयोटा ने 1996 में सबसे पहली इलेक्ट्रिक कार इंट्रोड्यूस की थी। वो अभी तक दुनियाभर में 2.2 करोड़ इंडी वेंच चुकी है। इनमें से ज्यादातर ईवी हाइब्रिड है। साल 2014 में हमने अपनी पहली हाइड्रोजन कार मिराई को कॉर्पोरेट इंट्रोड्यूस किया था। सेकेंड

जनरेशन मिराई आज के समय में कैलिफोर्निया, चाइना, मिडिल ईस्ट सहित अन्य मार्केट में यूज हो रही है। इंडिया में भी हमने इसे पायलट प्रोजेक्ट के तहत इंट्रोड्यूस किया है। इंडिया में इसे लाने का लक्ष्य यह था कि भारत में भी हाइड्रोजन का प्रीमिसिंग सिनारियो है। हाइड्रोजन रिन्यूएबल एनर्जी के साथ जनरेट किया जा सकता है। हम चाहते हैं कि इसका डेटा जनरेट करके देखा जाए कि इंडियन कंडीशन के लिए हाइड्रोजन कार में क्या बदलाव लाने होंगे। टोयोटा ने दुनिया का पहला बीएस6 कंप्लायिंग इलेक्ट्रिकफाइंड फ्लैक्स फ्यूल व्हीकल भी अनवील किया है। ये प्रोटेटाइप है और अंडरडेवलपमेंट फेज में है। इसकी यूनीक बात यह है कि व्हीकल हाइब्रिड की तरह इलेक्ट्रिकफाइंड है, लेकिन 100 प्रतिशत तक फ्लैक्स फ्यूल से चल सकता है। दुनिया के मार्केट की लोकल कंडीशन अलग-अलग होती है। वहां का एनर्जी मिक्स, कस्टमर चॉइस, कस्टमर वैल्यू प्रोपोजिशन, इंफ्रास्ट्रक्चर रेंडिशन अलग है। टोयोटा अलग-अलग टेकनोलॉजी को मार्केट में उस हिसाब से लाता है कि शॉर्ट टाइम में मैक्सिमम इंपैक्ट हो। हम अलग-अलग टेकनोलॉजी को



एक्सप्लोर कर रहे हैं। आगे भी ऐसा करना जारी रखेंगे। कस्टमर और सोसाइटी की नीड के हिसाब से उचित टाइम पर इंडिया में भी इसे इंट्रोड्यूस करेंगे।

हाइड्रोजन के मुकाबले ईवी को लेकर दुनिया में ज्यादा बात हो रही है, ऐसा क्यों - दोनों ही टेकनोलॉजी एन्वॉयर्नमेंट के लिए अच्छी हैं। ये यूटिलाइजेशन के हिसाब से कस्टमर को अट्रैक्ट कर सकती हैं। जैसे ईवी शॉर्ट डिस्टेंस के लिए अच्छी है। इंट्रोड्यूसी टेक्नी ऑपरेशन के लिए यह बेहतर है। रिटर्न ऑफ इन्वेस्टमेंट भी जल्दी आ जाता है। वहीं ट्रक जैसे बड़े व्हीकल जो इंटरस्टेट

चलते हैं उनमें चार्जिंग की दिक्कत आएगी। बार-बार व्हीकल चार्ज करना आसान नहीं होगा। बहुत बड़ी बैटरी भी व्हीकल में नहीं लाई जा सकती। इसलिए रेंज ज्यादा नहीं होगी। ऐसे में लंबी दूरी के लिए हाइड्रोजन टेकनोलॉजी ज्यादा बेहतर है। दुनिया में दोनों टेकनोलॉजी पर काम चल रहा है। ये जरूर है कि इवी की चर्चा हाइड्रोजन से ज्यादा हो रही है। इलेक्ट्रिक व्हीकल को लोग 30 साल से इंट्रोड्यूस करने की कोशिश कर रहे हैं। कई सारे प्रोडक्ट भी आ गए हैं। ऐसे में लाजमी है कि इसकी लिए हाइड्रोजन टेकनोलॉजी भी विकसित कर रहा है। यूएस, चाइना, यूरोप में... इसमें भी जब ट्रेन, शिप, ट्रैकिंग में ये टेकनोलॉजी आने लगेगी तो और चर्चा होगी। भारत सरकार ने 19,000 करोड़ रुपए का हाइड्रोजन मिशन लॉन्च किया है। नए प्रोडक्ट आएंगे तो... ये भी अट्रैक्ट करेगी।

टोयोटा ईवी में थोड़ा कमजोर लग रहा है। कब तक अपनी प्योर ईवी लाएगी - इलेक्ट्रिकेशन में टोयोटा करीब 30 साल से है। टोयोटा 2025-26 में दुनियाभर में 15 लाख इलेक्ट्रिक गाड़ियां बेचेगी। 2030 में ये संख्या 35

लाख हो जाएगी। यानी दुनियाभर में जो भी गाड़ी बेचेंगे उसमें से 35 प्रतिशत इलेक्ट्रिक होगी। वहीं 2030 में 55 लाख हाइब्रिड होंगी। भारत में ईवी लाने के दो रास्ते हैं। एक रास्ता यह कि बाहर से कंपोनेंट लाए जाएं। एमिजिस्टिंग मॉडल को एक समझा है। दूसरा रास्ता यह है कि कंपनी ग्राउंड अप प्रोडक्ट बनाने की कोशिश करें और इंडीकॉमिस्ट बनाना। इंडीकॉमिस्ट को आगे रखते हुए प्रोडक्ट इंट्रोड्यूस करें। हमारी अप्रोच ऑफिशन टू की तरफ ज्यादा है। जैसा की आप देखेंगे टोयोटा ने हाल ही में 5000 करोड़ रुपए का निवेश किया। इस निवेश का ज्यादा हिस्सा इलेक्ट्रिकेशन के लिए है। टोयोटा क्लिंस्कर ऑटो पार्ट में लाइन भी इनिशिएट की है जो ई-ड्राइव बनाती है। ये इलेक्ट्रिक पावर ट्रेन का बहुत ही महत्वपूर्ण कंपोनेंट है। इसमें मोटर, जनरेटर ट्रांसमिशन के अलावा अन्य चीजें रहती हैं। ई-ड्राइव ऐसे कंपोनेंट हैं जो इलेक्ट्रिसिटी को पावर में कनवर्ट करते हैं।

फिल्म गणपत की ओपनिंग रही निराशाजनक गोविंदा को गुरु मानती थी कोरियोग्राफर फराह खान

-बॉक्स ऑफिस पर नहीं दिखा पाई टाइगर की ये फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में आई अन्य फिल्मों के हिसाब से देखा जाए तो बालीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ की गणपत की ओपनिंग निराशाजनक रही। गणपत का प्रदर्शन बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन कमजोर रहा है। फिल्म पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा पाई। शुरूआती आंकड़ों की मानें तो फिल्म ने पहले दिन सिर्फ 2.50 करोड़ का कारोबार किया है। प्राप्त समाचारों के अनुसार 200 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म की पहले दिन की कमाई को देखकर निमाता निर्देशक हेरान हो रहे हैं। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ के साथ अमिताभ बच्चन भी हैं। विकास बहल का निर्देशन है। इस फिल्म की सबसे बड़ी कमजोरी इसकी कहानी है। 50 के दशक से चली आ रही अमीरी-गरीबी की खाई पर बदले का कथानक दर्शकों को पसंद नहीं आया



है। एक्शन के हिसाब से फिल्म शानदार है। वीएफएक्स कमाल का है, लेकिन दर्शकों को कहानी नहीं मिलती। कृति और टाइगर पूरे 9 साल बाद इस फिल्म के लिए एक साथ आए हैं। इससे पहले दोनों ने फिल्म हीरोपंती के जरिये बालीवुड में डेब्यू किया था। ये एक्शन पैकड मूवी है, जिसमें टाइगर ही नहीं कृति भी एक्शन

मोड में ही नजर आ रही हैं। फिल्म का डायरेक्शन चिल्लर पार्टी, क्वीन, सुपर 30 और गुडबाय समेत कई फिल्मों के डायरेक्टर विकास बहल ने किया है। टाइगर और कृति ने जोर-शोर से अपनी फिल्म का प्रमोशन किया था। फिल्म के टीजर से लेकर ट्रेलर तक बहुत शानदार था। जिसे फैंस ने काफी पसंद किया था।

-इसीलिए उन्हें डांस सिखाने से कर लिया था तौबा!

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड में कई ऐसे एक्टर्स हैं जिन्होंने अलग-अलग वजह से कभी गोविंदा के साथ काम नहीं किया है। आज गोविंदा संग काम न करने वाली एक डायरेक्टर और कोरियोग्राफर का किस्सा बताने जा रहे हैं। गोविंदा को बालीवुड का नेचुरल डांसर कहना भी गलत नहीं होगा। ऑडियंस एक्टर के डांस के साथ ही उनके एक्सप्रेशन की भी दीवानी है। आज गोविंदा के डांस स्टाइल से जुड़ा ही एक किस्सा बताने जा रहे हैं। अगर आप गोविंदा के डांस के दीवाने हैं, तो बता दें कि आप अकेले नहीं हैं। बालीवुड में भी कई दिग्गज ऐसे हैं जो गोविंदा का डांस देखने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। गोविंदा की जिस फैन की यहाँ बात हो रही है वो कोई और नहीं बल्कि कोरियोग्राफर और डायरेक्टर फराह खान हैं। फराह खान ने अपने 30 दशक के लंबे करियर में बालीवुड के कई मशहूर एक्टर्स को डांस सिखाया है, लेकिन उन्होंने आजतक कभी गोविंदा के साथ काम नहीं किया है और इस बात का खुलासा फराह खान ने खुद किया था। फराह खान ने एक कमेडी शो पर शिरकत करने के दौरान हीरो नंबर 1 एक्टर संग काम न करने की बड़ी वजह का खुलासा किया था। उन्होंने कहा था कि वह बचपन से गोविंदा को देखकर ही डांस सीख रही हैं और वह एक्टर को अपना गुरु मानती हैं। मैं हूँ ना डायरेक्टर ने आगे बताया कि वह चाहे कितनी बड़ी कोरियोग्राफर क्यों न बन जाएं, लेकिन वह गो-



विंदा को डांस नहीं सिखा सकती हैं। एक्टर से केवल डांस सिखा जा सकता है और उन्हें सिखाया नहीं जा सकता है। फराह खान ने इस बारे में आगे बात करते हुए कहा था कि फिल्म ओम शांति ओम के गाने दीवानगी दीवानगी के दौरान उन्होंने सभी एक्टर्स को कोरियोग्राफर किया था, लेकिन उस वक्त भी उन्होंने गोविंदा

से अपने स्टेप्स खुद करने के लिए कहा था। यहाँ तक कि शाहरुख खान को भी गोविंदा ने ही डांस सिखाया था। फराह खान के मुताबिक एक्टर ने दीवानगी दीवानगी के आखिर में फिल्म छोटे मियां बड़े मिया के स्टेप्स डाले थे जिसने गाने में एक अलग जान फूंक दी थी और जब उन्होंने गाने का फाइनल एडिट देखा

तो वह देखती ही रह गईं। बता दें कि बालीवुड एक्टर गोविंदा को बालीवुड का हीरो नंबर 1 ऐसे ही नहीं कहा जाता है। ये एक्टर जितने उम्दा अभिनेता है उतने ही शानदार डांसर भी हैं। गोविंदा ने अपने अभिनय के साथ ही अपने डांस से भी दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बनाई है।

एक्ट्रेस किम कार्दशियन की बर्थडे पार्टी में सितारों की धूम

लॉस एंजेलिस (ईएमएस)। एक्ट्रेस किम कार्दशियन ने अपना बर्थडे बेवली हिल्स के एक रेस्तरां में बड़े की धूमधाम से मनाया। इस दौरान उनके परिवार के सदस्यों सहित दोस्तों ने शिरकत की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अवसर पर किम लाल फिटेड ड्रेस में बाहर निकलीं। कार्दशियन ने अपने जन्मदिन के लुक को पूरा करने के लिए ब्लैक शेड्स और अरिज स्टैपी हील्स पहनी थीं। इस दौरान किम की बहन ख्लोए, केडल जेनर और काइली जेनर और मां क्रिस जेनर भी समान रूप से आकर्षक लुक में दिखाई दे रही थी। बर्थडे पार्टी में 39 वर्षीय ख्लोए ने मैचिंग पॉस और एक हैंडबैग के साथ एक सफेद हॉल्टरनेक मिनी ड्रेस पहनी थी, जबकि केडल लंबी आस्तीन वाली फ्लोर-लेंथ लेपर्ड प्रिंट ड्रेस में सबसे अलग नजर आ रही थीं। 27 वर्षीय मॉडल जन्मदिन की पार्टी में एकमात्र जेनर बहन नहीं थी, बल्कि उसकी छोटी बहन काइली 26 को भी जिप डिटेल् वाली स्ट्रेपलेस ब्लैक



लेटर मिनी ड्रेस में कार्यक्रम में आते हुए देखा गया। इस बीच कार्दशियन परिवार की करीबी दोस्त 26 वर्षीय हेलेली बीबर ने पार्टी में गहरे भूरे रंग और बड़े आकार की जैकेट सहित भूरे रंग की ड्रेस में प्रवेश किया। सितारों से सजे जन्मदिन समारोह में आने

वाले अन्य मेहमानों में किमोरा ली सिमंस, लॉरेन संचेज और इवांका ट्रम्प ने जश्न के अवसर के लिए एक चमकदार सफेद पहनावा चुना। उसके क्राउंड व्हाइट टॉप को एक लंबी स्कर्ट के साथ पेयर किया गया था।

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा की तस्वीरें देख फैंस के दिल हुए घायल



भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने हाल ही में लहंगा पहनकर फोटोशूट करवाया है। जिसमें वह येलो और लाइट ग्रीन कलर के लहंगे में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। बता दें कि मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन सोशल मीडिया पर अपने ग्लैमर का जलवा दिखाते रहती हैं। एक बार फिर मोनालिसा ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों से इंटरनेट पर बवाल मचा दिया है। सोशल मीडिया पर उनके फैंस भर-भर के कमेंट्स कर रहे हैं।

इन तस्वीरों में मोनालिसा येलो और लाइट ग्रीन कलर के खूबसूरत लहंगे में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस अपनी इन तस्वीरों में कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देती हुई नजर आ रही हैं। बता दें कि अपने लुक को पूरा करने के लिए एक्ट्रेस ने बालों को खुला छोड़ा है। मोनालिसा लहंगे में बला की खूबसूरत दिख रही हैं। मोनालिसा इन तस्वीरों में इतनी रिवलिंग और ग्लैमरस लग रही हैं कि फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

तेजस के प्रमोशन में जुटी कंगना रनौत

बालीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत की अपकमिंग फिल्म तेजस जल्द ही पर्दे पर रिलीज हो रही है। एक्ट्रेस फिल्म का जमकर प्रमोशन करने में जुटी हुई हैं। यह फिल्म अगले हफ्ते 27 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बीते दिनों कंगना बिग बॉस 17 के सेट पर अपनी फिल्म का प्रमोशन करने पहुंची, जहां से उनकी तस्वीरें इंटरनेट पर काफी वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो बिग बॉस 17 के सेट पर कंगना रनौत ऑफ शोल्डर लेवेंडर कलर की सिल्क ड्रेस में बेहद गॉर्जियस लगीं। इसके साथ एक्ट्रेस तीखी नोक वाली हील पेयर की। कानों में इयररिंग्स और क्लासिक हेयरस्टाइल से उन्होंने अपने लुक को कंप्लेंट किया है और काफी अट्रैक्टिव लग रही हैं। सेट पर अपने लुक का जलवा दिखाते हुए कंगना कैमरे के सामने जबरदस्त पोज दे रही हैं। इस लुक की कुछ तस्वीरों को



कंगना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी शेयर किया है।

बहुप्रतीक्षित सीक्वल झिम्मा 2 की रिलीज डेट की घोषणा



जियो स्टूडियोज और आनंद एल राय ने पराठी फिल्म झिम्मा की सफलता के बाद अपनी बहुप्रतीक्षित सीक्वल झिम्मा 2 की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 24 नवंबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सीक्वल के लिए एक बार फिर से निर्देशक की जिम्मेदारी हेमंत दोमे ने संभाली है और फिल्म में मूल कलाकार निर्मित सावंत, धिति जोग, सुहास जोशी, सुचित्रा बादिकर,

सायली संजीव और सिद्धार्थ चदिकर को फिरसे एकबार एकसाथ देखने को मिलेगा। दिलचस्प बात यह है कि इस कलाकारों की सूची में और दो प्रसिद्ध अभिनेत्रियां भी शामिल हैं, जिसका खुलासा जल्द ही होगा। एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव और सुपरहिट फिल्म और दिग्गज कलाकारों का रियूनियन देखने के लिए तैयार हो जाइए जिसका हम सभी इंतजार कर रहे थे!

कर्मा फिल्म में लिपलॉक सीन पूरे 4 मिनट तक चला

-यह हिन्दी फिल्मों का सबसे पहला लिपलॉक सीन था

मुंबई (ईएमएस)। आपको जानकर हैरानी होगी कि पहली हिंदी फिल्म जिसमें लिपलॉक सीन फिल्माया गया, वह आजादी से पहले शूट हुई थी। उस समय में लिपलॉक तो दूर रोमांटिक सीन का शूट होना भी बहुत बड़ी बात हुआ करती थी। लेकिन उस दौर में पहला लिपलॉक सीन फिल्म कर्मा में फिल्माया गया था। यह फिल्म 1933 में रिलीज हुई थी जिसमें दे-विका रानी और हिमंशु राय ने लीड किरदार अदा किए थे। कर्मा फिल्म में लिपलॉक सीन पूरे 4 मिनट तक चला था। इस सीन में हिमंशु को सांग कांट लेना है और वो बेहोश हो जाते हैं। इस दौरान देविका उन्हें बार-बार चूमती हैं। बता दें कि इस फिल्म से पहले ही देविका रानी और हिमंशु राय ने शादी कर ली थी, यानि कर्मा



में देविका ने किसी और के साथ नहीं बल्कि अपने पति के साथ ही लिपलॉक किया था। बताते चलें, एक्ट्रेस देविका रानी उस दौर की टॉप एक्ट्रेस में से एक थीं, जिन्हें पद्म श्री और दादा साहेब फाल्के अवार्ड से भी नवाजा गया था। बता दें कि

आजकल फिल्मों में लिपलॉक और इटीमेट सीन आम हो गए हैं। क्या पहले की फिल्मों में लिपलॉक क्या नामल प्यार भी दिखाया बेहद मुश्किल काम होता था। प्यार के सीन में ह-रिो- हिरोइन पेड़ों के इर्द-गिर्द घूमते हुए डांस करते दिखा दिया जाता था।

फिल्म लियो बॉक्स ऑफिस पर कर रही कमाल का प्रदर्शन

-दूसरे दिन 100 करोड़ी क्लब में शामिल हुई फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। बीते दिनों रिलीज हुई फिल्म लियो बॉक्स ऑफिस पर कमाल का प्रदर्शन कर रही है। सुपर स्टार थलापति विजय की इस फिल्म ने महज दो दिनों में 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। पहले दिन फिल्म ने 68 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी, वहीं दूसरे दिन लियो ने अपना दबदबा बनाए रखते हुए बॉक्स ऑफिस पर 36 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की है। हालांकि दूसरे दिन के कारोबार में 55 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इसके बावजूद दर्शकों के उत्साह का देखते हुए यह कहा जा सकता है कि वीकेंड के दिनों में इसके कारोबार में जबरदस्त उछाल नजर आएगा। अनुमान लगाया जा रहा है कि शनिवार व रविवार को यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 85 करोड़ का कारोबार करने में कामयाब हो जाएगी। इस हिसाब से रविवार तक लियो का घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल कारोबार 189 करोड़ हो

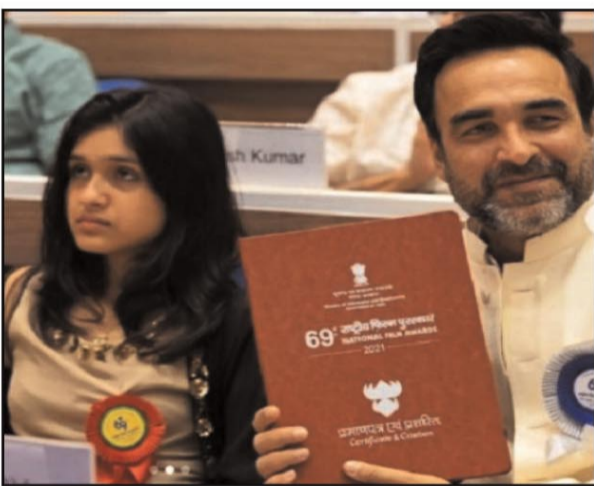


जाएगा। लियो पैनाइडिया 19 अक्टूबर को थिएटर में हिंदी समेत पांच भाषाओं में रिलीज हुई थी। रिलीज के साथ ही फिल्म को दर्शकों का बेहतरीन रिसर्पॉन्स मिल रहा है। सोशल मीडिया पर भी फैंस फिल्म और थलापति विजय की एक्टिंग की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इससे पहले रजनीकांत की फिल्म जेलर ओपनिंग डे पर सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म बन गई थी, लेकिन लियो के रिलीज के बाद जेलर भी पीछे रह गई है। शाहरुख खान की

फिल्म ने पहले दिन वर्ल्डवाइड कुल 129 करोड़ का बिजनेस किया था, जबकि लियो की बात की जाए तो इस फिल्म ने लगभग 145 करोड़ का बिजनेस किया। जो शाहरुख खान की फिल्म से काफी अधिक है। लियो हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज की गई है। सभी भाषाओं में फिल्म को पसंद किया जा रहा है। लियो में थलापति विजय के साथ तुषा कृष्णन नजर आई हैं। यह जोड़ी फिल्मों परदे पर 14 साल बाद दिखाई दी है।

एक्टर पंकज त्रिपाठी की सादगी ने जीता दिल

एक्टर पंकज त्रिपाठी ने अर्वाइंड सेरेमनी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ शेयर की हैं, जिन्हें यूजर्स खूब लाइक कर रहे हैं। एक्टर पंकज त्रिपाठी की सादगी ने सभी का दिल जीत लिया। अपनी अदाकारी का लोहा मनवाने वाले पंकज त्रिपाठी को हाल ही में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला है। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि पंकज त्रिपाठी राष्ट्रीय ट्रिपदी के हाथों राष्ट्रीय पुरस्कार लेते नजर आ रहे हैं। अन्य तस्वीरों में उनकी पत्नी मुद्दुला त्रिपाठी और बेटी आशी त्रिपाठी भी एक्टर के साथ नजर आ रही हैं, जिन्होंने गर्व के साथ उनका अर्वाइंड और प्रमाणपत्र पकड़ रखा है। फैंस इन तस्वीरों को



खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 6864 ********
कठिन

				1	4			
9					5	8		
		7	9					
		2			6	7		
4								3
5	8			9				
	7	6						
	9	3						

सूडोकु नवताल- 6863 का हल

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहलीं का केवल एक ही हल है।

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	8	7	9	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहली - 7926

1			2		3		4	5
			6		7	8		
9	10				11		12	13
				14		15		
						17		
16								
				18	19			
20		21				22		23
		24	25		26			
27				28				29

बाएँ से दाएँ

- आकाश, व्योम-2
- नाजुक, मुलायम-3
- हार, पराजय-2
- संध्या, सांझ, गोधूलि-2
- जोर, बल-2
- सोना, धतूरा-3
- नाप-जोख करना-3
- सिक्कों की आवाज-3
- रहस्यज्ञाता-4
- तालाब, ताल, तलैया-4
- नियंत्रण, घोड़े की रास-3
- गिरवी वस्तु-3
- सैनिक कार्रवाई-3
- चिट्ठी, पत्र-2
- बर्तन-2
- सुर, क्रम-2
- वाचन करने वाला-3
- पितामह-2

ऊपर से नीचे

- लवण-3
- भीगा हुआ-2
- खुमार, नशा-2
- सर्दी में हाथ सेंकना-3
- भाजी, सब्जी, तरकारी-2
- इंकार, मनाही-2
- मस्जिद, नमाज पढ़ने की जगह-5
- आम जनता-2
- लालन-पालन-5
- इमाम दस्ता-3
- वचन, प्रतिज्ञा-3
- रुखसार, कपोल-2
- पासे फेंक कर भविष्य जानना-3
- नाखून-2
- सखा, दोस्त-2

शब्द पहली - 7925 का हल

म	हा	का	ल	च	र	क	
त	र	ह	कि	ला	क		
वा	ह	जा	म	त	सू		
ला	य	क	द	ना	सू	र	
		ला	वा	व	जु		
ना	प	ना	आ	क	या	स	
य		म	हा	न	ता	र	
क	था	जा	र	सी	ता		
	ल	ल	क	म	हा	रा	ज

■ Jagrutidaur.com, Bangalore



भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ भी जीत की प्रबल दावेदार, 29 अक्टूबर को होगा मुकाबला

मुम्बई।

रोहित शर्मा को कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने इस बार शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सभी पांच मैच जीत लिए हैं। इससे भारतीय टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। भारतीय टीम ने अब तक ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड जैसी टीमों को हराया है। अब भारतीय टीम का मुकाबला

29 अक्टूबर को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में इंग्लैंड से होगा। इस मैच में भी भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है क्योंकि अब तक विश्वकप में इंग्लैंड का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है।

उसके केवल एक ही मैच में जीत मिली है। वहीं भारतीय टीम एक सप्ताह के आराम के बाद तरोताजा होकर पूरे उत्साह से उतरेगी। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम को 26 अक्टूबर को श्रीलंका से खेलना है। इंग्लैंड का लक्ष्य इस मुकाबले को जीतकर भारतीय टीम से होने वाले मुकाबले से पहले अपना मनोबल बढ़ाना रहेगा। इंग्लैंड की टीम अंक तालिका में अभी 9वें नंबर पर है। टीम के कप्तान जो बटलर का भी मानना है कि उनकी टीम अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है और उसका सेमीफाइनल में जाना मुश्किल है। जहां भारतीय टीम को सेमीफाइनल लिए सीधे क्वालीफाई करने केवल दो मैच जीतने हैं।

रोज 8 किग्रा मटन खाते हैं, पाक खिलाड़ियों की फिटनेस पर मड़के वसीम अकरम निकाला गुस्सा

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने बाबर आजम के नेतृत्व वाली टीम पर अफगानिस्तान के हाथों शिकस्त झेलने के बाद जमकर भड़सा निकाली। पाकिस्तान को वर्ल्ड कप 2023 के 22वें मैच में अफगानिस्तान के हाथों 6 गेंदें शेष रहते आठ विकेट की पराजय झेलनी पड़ी। वसीम अकरम ने कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर पर काफी काम की जरूरत है। पाकिस्तान को मौजूदा टूर्नामेंट में लगातार तीसरी हार झेलनी पड़ी, जिसके बाद उसकी सेमीफाइनल में पहुंचने की राह बेहद मुश्किल हो गई है। पाकिस्तान की यह वनडे इतिहास में अफगानिस्तान के खिलाफ पहली हार रही।

वहीं इंग्लैंड को अब सभी मुकाबले जीतने होंगे। क्योंकि शानदार फार्म में चल रही भारतीय टीम को इंग्लैंड का सफल इसलिए भी मुश्किल नजर आता है हराना उसके लिए अभी बेहद मुश्किल है।

न्यूज़ ब्रीफ

पीएम मोदी गुरुवार को गोवा में राष्ट्रीय खेलों का करेंगे उद्घाटन

पणजी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 37वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन 26 अक्टूबर को दक्षिण गोवा के फ्लोर्टा में पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में करेंगे। इस कार्यक्रम में पांच हजार छात्रों सहित लगभग बारह हजार लोगों की उपस्थिति होने की उम्मीद है। खेलों की शुरुआत 19 अक्टूबर को गोवा में बैडमिंटन टूर्नामेंट के साथ हुई, हालांकि राष्ट्रीय खेलों का औपचारिक उद्घाटन गुरुवार को होगा। इस अवसर पर गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, युवा मामलों और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर, पर्यटन राज्य मंत्री श्रीधर नाइक और गोवा के खेल मंत्री गोविंद गोडे भी उपस्थित रहेंगे। सावंत ने कहा कि उद्घाटन कार्यक्रम गायकों और अन्य कलाकारों के प्रदर्शन से भरा होगा। साथ ही इस अवसर पर प्रसिद्ध गाथिका हेमा सरदेसाई और सुखविंदर सिंह परफार्मेंस करेंगे। इसके अलावा, लगभग 600 कलाकार स्टेडियम में राष्ट्रीय एका कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। राष्ट्रीय खेलों के दौरान पांच स्वदेशी खेलों - भस्त्रब, कलरीपायट्टु, गतका, लागोरी और योग सहित लगभग 43 खेल विधाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। यह आयोजन पणजी, मापुसा, मडगांव, कोल्वा, वाको और पोंडा में 28 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा और इसमें लगभग 10,80,6 एथलीट भाग लेंगे, जिनमें से 49 प्रतिशत महिलाएं हैं।

नेपोली ने चैंपियंस लीग में यूनिन की हार का सिलसिला जारी रखा

बर्लिन। यूनिन बर्लिन को लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा, क्योंकि जियाको रॉसपडोरी के एकमात्र गोल ने नेपोली को चैंपियंस लीग के ग्रुप चरण के तीसरे दौर में 1-0 की मामूली जीत के साथ सभी तीन अंक हासिल करने में सक्षम बनाया। रिपोर्ट के अनुसार, यूनिन ने शुरुआत से ही रक्षात्मक रूप से मजबूत शुरुआत की। नेपोली को यूनिन की अच्छी तरह से तेज रफ्तार रक्षा को भेदना चुनौतीपूर्ण लगा, जबकि मेजबान टीम ने कई बार मीक बनाया। ईसर्नन ने जवाबी हमले के मौके तलाशना जारी रखा, लेकिन आधे समय के ब्रेक से पहले न तो ब्रेंडन आरोनसन और न ही डेविड डाजो फोफाना नेपोली के गोलकीपर एलक्स मेरेट को पार कर सके। हालांकि, मेहमान टीम ने 65वें मिनट में यूनिन को चौका दिया, जब जियाको रॉसपडोरी ने गोल दागा। बर्लिन ने बराबरी के लिए बेतहाशा दबाव डाला, लेकिन नेपोली की रक्षा कड़ी बनी रही। इस परिणाम के साथ अंतिम स्थान पर मौजूद यूनिन बर्लिन को ग्रुप सी में लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा, जबकि नेपोली अपनी दूसरी जीत हासिल कर दूसरे स्थान पर पहुंच गया।

बॉन्ड अब रॉयल्स के गेंदबाजी कोच के तौर पर नजर आने लगे

जयपुर। आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स ने न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड को अपना सहायक कोच और तेज गेंदबाजी कोच बनाया है। बॉन्ड अब तक मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच रहे थे। विश्व के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में शामिल बॉन्ड ने अपनी टीम के साल 2015 विश्व कप के फाइनल तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाई थी। वह इसके बाद आईपीएल में मुंबई फ्रैंचाइजी से जुड़ गए थे। यह नई सत्र तक मुंबई टीम के कोच रहे, इस दौरान टीम ने चार बार खिताब जीता था। राजस्थान रॉयल्स टीम के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने बॉन्ड के टीम से जुड़ने पर खुशी जताते हुए कहा, 'बॉन्ड बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं। उन्हें लंबे समय से खिलाड़ियों को मार्गदर्शन करने का अनुभव है। उनके पास जरूरी ज्ञान भी है। संगकारा ने कहा, 'उन्होंने आईपीएल और भारत में कई साल तक कोच के तौर पर अपनी सेवाएं दी हैं और फ्रैंचाइजी क्रिकेट को वह अच्छी तरह से जानते हैं। वहीं बॉन्ड ने टीम से जुड़ने पर कहा, 'यह एक बेहतरीन फ्रैंचाइजी है जो अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस टीम की गेंदबाजी समूह में युवा और अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं। ऐसे में उनके साथ काम करना शानदार अनुभव होगा।

हमेशा अपने को बेहतर बनाने का प्रयास करता हूँ: विराट

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के अनुसार उनका लक्ष्य हमेशा बेहतर होना रहा है पर वह इसके पीछे भागते नहीं। कोहली ने अभी तक विश्वकप में भारत की ओर से सबसे अधिक रन बनाये हैं। उन्होंने पांच मैच में 118.00 की औसत से 354 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। कोहली ने कहा, 'मैंने हमेशा प्रयास किया है कि मैं हर दिन, हर अभ्यास सत्र, हर साल और हर सत्र में अपने को कैसे बेहतर बना सकता हूँ। इसी ने मुझे इतने लंबे समय तक खेलने और प्रदर्शन करने में मदद की है।

हमेशा अपने को बेहतर बनाने का प्रयास करता हूँ: विराट

बॉन्ड अब रॉयल्स के गेंदबाजी कोच के तौर पर नजर आने लगे

जयपुर। आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स ने न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड को अपना सहायक कोच और तेज गेंदबाजी कोच बनाया है। बॉन्ड अब तक मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच रहे थे। विश्व के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में शामिल बॉन्ड ने अपनी टीम के साल 2015 विश्व कप के फाइनल तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाई थी। वह इसके बाद आईपीएल में मुंबई फ्रैंचाइजी से जुड़ गए थे। यह नई सत्र तक मुंबई टीम के कोच रहे, इस दौरान टीम ने चार बार खिताब जीता था। राजस्थान रॉयल्स टीम के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने बॉन्ड के टीम से जुड़ने पर खुशी जताते हुए कहा, 'बॉन्ड बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं। उन्हें लंबे समय से खिलाड़ियों को मार्गदर्शन करने का अनुभव है। उनके पास जरूरी ज्ञान भी है। संगकारा ने कहा, 'उन्होंने आईपीएल और भारत में कई साल तक कोच के तौर पर अपनी सेवाएं दी हैं और फ्रैंचाइजी क्रिकेट को वह अच्छी तरह से जानते हैं। वहीं बॉन्ड ने टीम से जुड़ने पर कहा, 'यह एक बेहतरीन फ्रैंचाइजी है जो अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस टीम की गेंदबाजी समूह में युवा और अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं। ऐसे में उनके साथ काम करना शानदार अनुभव होगा।

हमेशा अपने को बेहतर बनाने का प्रयास करता हूँ: विराट

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के अनुसार उनका लक्ष्य हमेशा बेहतर होना रहा है पर वह इसके पीछे भागते नहीं। कोहली ने अभी तक विश्वकप में भारत की ओर से सबसे अधिक रन बनाये हैं। उन्होंने पांच मैच में 118.00 की औसत से 354 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। कोहली ने कहा, 'मैंने हमेशा प्रयास किया है कि मैं हर दिन, हर अभ्यास सत्र, हर साल और हर सत्र में अपने को कैसे बेहतर बना सकता हूँ। इसी ने मुझे इतने लंबे समय तक खेलने और प्रदर्शन करने में मदद की है।

पति मनीष-पत्नी प्राची ने एक ही दिन जीते पदक

दूसरे दिन भारत को चार स्वर्ण सहित 18 पदक

हंगझोऊ।

पैरा एशियाई खेलों के दूसरे दिन भारत ने चार स्वर्ण, छह रजत और 8 कांस्य पदक जीते। दिन का आकर्षक पति-पत्नी मनीष कौरव-प्राची यादव और लगातार दूसरे एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने वाले नीरज यादव रहे। भोपाल में टेनिंग करने वाली ग्वालियर की प्राची कनोइंग में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। वह केएल-2 कैटेगरी में जीतें तो उनके पति मनीष कौरव ने कनोइंग में ही केएल-3 कैटेगरी में कांस्य पदक जीता। वहीं जकार्ता पैरा एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतने वाले नीरज यादव ने लगातार दूसरे पैरा एशियाई खेलों में एशियाई रिकॉर्ड के साथ डिस्कस थ्रो की एफ-54, 55, 56 कैटेगरी में स्वर्ण जीता। दीप्ति जीवनजी ने महिलाओं की 400 मीटर टी-20 में और एमएस शरत ने पुरुषों की 5000 मीटर टी-13 कैटेगरी में देश को स्वर्ण पदक दिलाए। भारत को अब तक 10 स्वर्ण, 12 रजत और 13 कांस्य समेत कुल 35 पदक मिल चुके हैं। पदक तालिका में उसका चौथा स्थान है।

इस प्रतियोगिता में देश के लिए पदक जीतने वाले सभी पैरा खिलाड़ियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। पैरा एशियाई खेलों के दूसरे दिन भारत ने चार स्वर्ण, छह रजत और आठ कांस्य पदक जीते।

पति से बोलीं प्राची यहाँ से खाली हाथ नहीं जाएंगे

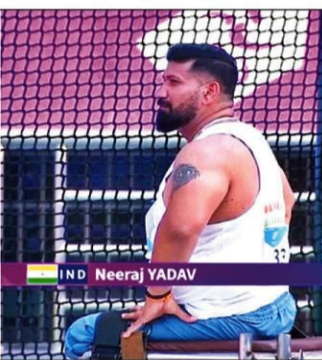
जावली (गाजियाबाद) के रहने वाले नीरज सात साल के थे जब



हम दोनों यहाँ से खाली हाथ नहीं जाएंगे। प्राची ने हंगझोऊ में पहुंचने के बाद अपने पति मनीष से यही बात कही। प्राची रजत जीत गईं। मनीष पर दबाव था, लेकिन उन्हें अपनी पत्नी के शब्द याद रहे, जो उनके पदक जीतने के लिए प्रेरणा बने। मनीष ने जहाँ कांस्य जीता तो प्राची स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहीं। प्राची बताती हैं कि वे और मनीष एम्पी वाटर स्पोर्ट्स अकादमी, भोपाल में मिले थे और दोनों ने तीन वर्ष पहले शादी की है, लेकिन दोनों का एक साथ पदक जीतना उनकी जिंदगी की सबसे सुखद उपलब्धि है।

पहले चलना बंद हुआ, फिर पिता को खोया अब पैरा एशियाई खेलों में दोहरा स्वर्ण

जावली (गाजियाबाद) के रहने वाले नीरज सात साल के थे जब



न्यूरोजिकल समस्या के चलते उनके शरीर के निचले हिस्से ने एकदम से काम करना बंद कर दिया। 2011 में उनके पिता का देहांत हो गया। नीरज ने इस दौरान व्हील चेयर टेनिस खेलना शुरू किया। वह देश के पहले पैरा व्हील चेयर टेनिस राष्ट्रीय चैंपियन बनें, लेकिन उपेक्षा के चलते उन्होंने यह खेल छोड़ एथलेटिक्स को अपना लिया। वह डिस्कस, शॉटपुट करने लगे। जकार्ता पैरा एशियाई खेलों में उन्होंने स्वर्ण जीता और 38.56 की थ्रो लगाकर गेम्स और एशियाई रिकॉर्ड के साथ फिर स्वर्ण जीता। नीरज कहते हैं कि उनका लगातार दूसरे एशियाई खेलों में जीतने का सपना था, जो पूरा हो गया है। नीरज की इस कैटेगरी में टोक्यो पैरालिंपिक के पदक विजेता योगेश कथुनिया ने रजत और मुत्थु राजा ने कांस्य जीता।

दूसरे दिन पदक जीतने वाले

जावली (गाजियाबाद) के रहने वाले नीरज सात साल के थे जब

डि कॉक सबसे तेज 20 शतक बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल, डिविलियर्स, सचिन और रोहित को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली।

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज किंटन डि कॉक ने बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट के लीग मुकाबले में शतक लगाते ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। डि कॉक इस मैच में अपना शतक पूरा करने के साथ ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेजी से 20 शतक बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गये। इस दौरान डि कॉक ने अपने ही देश के स्टार खिलाड़ी एबी डिविलियर्स के अलावा महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और रोहित शर्मा को भी पीछे छोड़ दिया।

कॉक ने बांग्लादेश के खिलाफ 174 रन की पारी



खेली। डि कॉक ने इस प्रकार अपने 20 शतक 175 पारियों में लगाये जबकि सचिन ने 197 एकदिवसीय पारियों में अपने 20 शतक पूरे किए थे। वहीं रोहित ने ये शतक 183 पारियों में लगाये थे। सबसे तेज शतक पूरा करने वालों की सूची में सबसे उपर दक्षिण अफ्रीका के ही हासिम अमला हैं। अमला ने केवल 108 पारियों में ही ये शतक लगा दिये थे। वहीं भारत के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने 133 एकदिवसीय पारियों में 20 शतक लगाये और वह दूसरे नंबर पर रहे जबकि ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर 142 पारियों में 20 शतक लगाने के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। डि कॉक विश्वकप की शुरुआत से ही शानदार फार्म में चल रहे हैं और अब वह सबसे तेजी से 20 शतक के मामले में चौथे नंबर पर हैं।

लिगामेंट में मामूली चोट; वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ मैच में चोटिल हुए थे

मुम्बई।

हार्दिक बांग्लादेश के खिलाफ 19 अक्टूबर को पुणे में खेले गए मैच में चोटिल हो गए थे। वे अभी नेशनल क्रिकेट एकेडमी में रिहबे से गुजर रहे हैं। उनके लिगामेंट में मामूली चोट है। पंड्या इंग्लैंड के मुकाबले के बाद किस मैच से वापसी करेंगे, यह गुरुवार (26 अक्टूबर) को तय होगा। इस दिन मेडिकल टीम उनका फिटनेस टेस्ट करेगी।

हालांकि, अभी तक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

बांग्लादेश के खिलाफ मैच में हार्दिक चोटिल हुए थे

पंड्या धर्मशाला में 22 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मैच में भी नहीं खेले थे।



हार्दिक बांग्लादेश के खिलाफ 19 अक्टूबर को पुणे में खेले गए मैच में 9वें और अपने पहले ओवर में चोटिल हो गए थे। तीसरी बॉल पर हार्दिक का

टखाना मुड़ा और वह क्रौज पर बैठ गए। मेडिकल टीम ने चोट देखी और उन्हें मैदान से बाहर ले कर गए। हार्दिक की जगह विराट कोहली बॉलिंग करने आए। उन्होंने 3 बॉल में 2 रन दिए।

धर्मशाला नहीं गए पंड्या

पंड्या 22 अक्टूबर को धर्मशाला में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मैच के लिए पुणे से टीम के साथ नहीं गए। वे पुणे से बेंगलूर स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी में चले गए। अभी वह एनसीए में ही डॉक्टरों की निगरानी में रिहबे कर रहे हैं।

पंड्या ने लिए हैं 5 विकेट

वर्ल्ड कप में अब तक खेले 4 मैचों में 6.84 की इकोनॉमी रेट से 5 विकेट ले चुके हैं। वहीं उन्होंने 11 रन भी बनाए हैं।

इंग्लैंड को आत्मविश्वास हासिल करना होगा और हर मैच जीतना पड़ेगा: मोईन

बेंगलूर।

डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड पर मौजूदा विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाने की दौड़ से बाहर होने का खतरा है और अनुभवी ऑलराउंडर मोईन अली ने कहा है कि टीम जानती है कि उन्हें क्या करना है। अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद इंग्लैंड गुरुवार को एम पिन्नासवामी स्टेडियम में 1996 के चैंपियन श्रीलंका के खिलाफ मैच में उतर रहा है। इंग्लैंड का कुल रिकॉर्ड एक जीत और तीन हार है। इंग्लैंड विश्व कप के अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड से भी हार था। इसके अलावा, अब वे चोटिल तेज गेंदबाज रीस टॉपले के बिना मैदान में उतरे, जो टूर्नामेंट में उनके प्रमुख विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। मुंबई में दक्षिण अफ्रीका से 229 रन की भारी हार के दौरान रीस टॉपले की उमंगली टूट गई थी। उनके स्थान पर तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स को शामिल किया गया है।

मोईन अली ने कहा, हम स्पष्ट रूप से परिणाम से निराश हैं और न केवल परिणाम से बल्कि जिस तरह से हमने खेला उससे भी, लेकिन प्रतियोगिता में आपको जितनी जल्दी हो सके आगे बढ़ना होगा। हम जानते हैं हम पहले भी ऐसी मुश्किलों का सामना कर चुके हैं। ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर ने विश्व कप में एक ही मैच खेला है और उन्होंने कहा कि अभी उनकी भूमिका प्लेइंग-11 में प्रवेश के लिए खुद को तैयार करना है।



मोईन अली ने कहा, हम स्पष्ट रूप से परिणाम से निराश हैं और न केवल परिणाम से बल्कि जिस तरह से हमने खेला उससे भी, लेकिन प्रतियोगिता में आपको जितनी जल्दी हो सके आगे बढ़ना होगा। हम जानते हैं हम पहले भी ऐसी मुश्किलों का सामना कर चुके हैं। ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर ने विश्व कप में एक ही मैच खेला है और उन्होंने कहा कि अभी उनकी भूमिका प्लेइंग-11 में प्रवेश के लिए खुद को तैयार करना है।

हार्दिक पंड्या इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेलेंगे

लिगामेंट में मामूली चोट; वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ मैच में चोटिल हुए थे

मुम्बई।

हार्दिक बांग्लादेश के खिलाफ 19 अक्टूबर को पुणे में खेले गए मैच में चोटिल हो गए थे। वे अभी नेशनल क्रिकेट एकेडमी में रिहबे से गुजर रहे हैं। उनके लिगामेंट में मामूली चोट है। पंड्या इंग्लैंड के मुकाबले के बाद किस मैच से वापसी करेंगे, यह गुरुवार (26 अक्टूबर) को तय होगा। इस दिन मेडिकल टीम उनका फिटनेस टेस्ट करेगी।

हालांकि, अभी तक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

बांग्लादेश के खिलाफ मैच में हार्दिक चोटिल हुए थे

पंड्या धर्मशाला में 22 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मैच में भी नहीं खेले थे।



हार्दिक बांग्लादेश के खिलाफ 19 अक्टूबर को पुणे में खेले गए मैच में 9वें और अपने पहले ओवर में चोटिल हो गए थे। तीसरी बॉल पर हार्दिक का

टखाना मुड़ा और वह क्रौज पर बैठ गए। मेडिकल टीम ने चोट देखी और उन्हें मैदान से बाहर ले कर गए। हार्दिक की जगह विराट कोहली बॉलिंग करने आए। उन्होंने 3 बॉल में 2 रन दिए।

धर्मशाला नहीं गए पंड्या

पंड्या 22 अक्टूबर को धर्मशाला में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मैच के लिए पुणे से टीम के साथ नहीं गए। वे पुणे से बेंगलूर स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी में चले गए। अभी वह एनसीए में ही डॉक्टरों की निगरानी में रिहबे कर रहे हैं।

पंड्या ने लिए हैं 5 विकेट

वर्ल्ड कप में अब तक खेले 4 मैचों में 6.84 की इकोनॉमी रेट से 5 विकेट ले चुके हैं। वहीं उन्होंने 11 रन भी बनाए हैं।

पूर्व दिग्गज बोले, बाबर आजम की जगह शाइन को बनायें कप्तान

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ टीम को मिली हार के बाद उन्हें कप्तानी से हटाये जाने की मांग उठने लगी है। पूर्व क्रिकेटर्स वसीम अकरम हो, मिस्बाह उल हक, रमीज राजा, राशिद लतीफ, मुहम्मद हफीज, आकिब जावेद, शोएब मलिक, मोईन खान और शोएब अख्तर का मानना है कि भारत, ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के खिलाफ टीम की हार के लिए बाबर की कमजोर कप्तानी जिम्मेदार रही है। अफगानिस्तान के खिलाफ मिली हार के बाद पाक के सेमीफाइनल में पहुंचने की राह और कठिन हो गयी है। बाबर ने हार के बाद अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज रहमनुल्लाह पुरबाज को बल्ला सौंपा था जिससे भी पूर्व क्रिकेटर भड़के हैं। पूर्व गेंदबाज आकिब ने कहा कि बाबर की जगह शाइन अफरीदी को सीमित ओवरों के प्रारूपों में कप्तान बनाया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि शाइन पाक क्रिकेट का भविष्य है। बाबर सीमित ओवरों के प्रारूप में कप्तान के तौर पर असफल रहे हैं। अकरम ने कहा कि अफगानिस्तान के खिलाफ खिलाड़ियों का क्षेत्ररक्षण भी बेहद खराब रहा। गेंदबाजी भी कमजोर थी जिससे टीम 283 रनों के लक्ष्य का बचाव नहीं कर पायी।



मोईन अली ने कहा, हम स्पष्ट रूप से परिणाम से निराश हैं और न केवल परिणाम से बल्कि जिस तरह से हमने खेला उससे भी, लेकिन प्रतियोगिता में आपको जितनी जल्दी हो सके आगे बढ़ना होगा। हम जानते हैं हम पहले भी ऐसी मुश्किलों का सामना कर चुके हैं। ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर ने विश्व कप में एक ही मैच खेला है और उन्होंने कहा कि अभी उनकी भूमिका प्लेइंग-11 में प्रवेश के लिए खुद को तैयार करना है।

सरबजोत को 10 मीटर एयर पिस्टल में पदक, ओलंपिक कोटा भी हासिल किया



नई दिल्ली।

सरबजोत सिंह ने कोरिया के चांगवोन में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता और भारत के लिए पेरिस ओलंपिक कोटा स्थान पक्का कर लिया। सरबजोत ने फाइनल में 221.1 का स्कोर किया। वह चीन के झांग यिफान (स्वर्ण, 243.7) और लियू जिनयाओ (242.1) के बाद तीसरे स्थान पर रहते हुए भारत के लिए निशानेबाजी में आठवां ओलंपिक कोटा हासिल करने में सफल रहे। यह पिस्टल स्पर्धा में देश का पहला ओलंपिक (2024) कोटा है।

भारतीय निशानेबाज ने इससे पहले 581 अंक के साथ आठवें स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। चीन ने इस स्पर्धा में पहले ही अपने दोनों कोटा हासिल करने का प्रयास किया। सरबजोत ने शुरुआती पांच निशानों के बाद बढ़त बना ली थी लेकिन इसके बाद चीन के दोनों खिलाड़ी

उन्हें पीछे छोड़ने में सफल रहे। कोई भी देश अधिकतम हर स्पर्धा में अधिकतम दो ओलंपिक कोटा अर्जित कर सकता है। अन्य भारतीय वरुण तोमर (578), कुपाल राणा (577) क्रमशः 16 और 17वें स्थान पर रहे। शिवा नरवाल (576) बीसवें और सौरभ चौधरी (569) 35वें स्थान पर रहे।

रिदम-ईशा नहीं बना पाई शीर्ष-8 में जगह

महिलाओं की एयर पिस्टल स्पर्धा में केवल रिकॉर्ड अंक के लिए खेलने वाली भारतीयों सहित पांच निशानेबाजों में से कोई भी शीर्ष आठ में जगह नहीं बना सकीं। रिदम सांगवान (577), ईशा सिंह (576), सुरभि राव (575) क्रमशः 11वें, 13वें और 15वें स्थान पर रहे जबकि रुचिता विनेकर (571) 22वें और पलक राणा (570) 25वें स्थान पर रहीं। पुरुष एयर पिस्टल में अन्य भारतीयों में वरुण तोमर (578) और कुपाल राणा (577) क्रमशः 16वें और 17वें स्थान पर रहे जबकि शिवा (576) 20वें और सौरभ चौधरी (569) 35वें स्थान पर रहे।



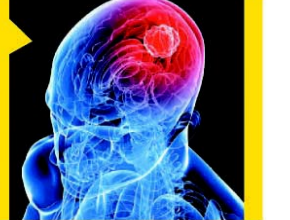
हरड़ का सेवन रखें शरीर को तंदुरुस्त

हरड़ त्रिफला चूर्ण से बनी आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है। यह कई प्रकार से सेहत के लिए लाभकारी होती है। इसे इरीतकी भी कहा जाता है। इसके सेवन से बहुत सारी बीमारियों से छुटकारा मिलता है। हरड़ पेट को साफ करने और पाचन तंत्र को सुधार कर इसे मजबूत करने का काम करती है। आयुर्वेद के अनुसार यह जड़ी-बूटी पोषक तत्वों का अच्छे से समावेश कर शरीर को स्वस्थ बनाती है।



इन कारणों से हो सकता है ब्रेन ट्यूमर

सिरदर्द होना आम बात है, जिसे लोग हमेशा हलके में लेते हैं। लेकिन ये सिर दर्द आपके ब्रेन ट्यूमर का कारण बन सकता है। यदि ऐसे स्थिति से आप गुजर रहे हैं तो तुरंत जांच कराएं अगर आपको सुबह उठकर उबकी या उल्टियां आती हैं, तो इसे हलके में बिल्कुल न लें। जब शरीर में मूवमेंट करने के दिक्कत आ रही हो, तो तुरंत जाकर जांच करवाइए। ऐसा तब होता है जब सेरिबेलम में ट्यूमर पनपने लगता है।



पैरों व टखनों की सूजन कम करने के उपाय

पैरों या टखनों की सूजन एक आम समस्या है जो कई कारणों से हो सकती है। इस समस्या में पैरों में सूजन व काफी दर्द होता है। इससे निपटने के लिए घरेलू उपाय अपनाए जा सकते हैं। जैसे गर्म पानी में पैर डुबाना, तेल मालिश, बर्फ की मसाज आदि।

इन कारणों से होती है सूजन

पैर व टखनों की नसों में होने वाली सूजन को टेन्डोनाइटिस कहा जाता है। इस स्थिति में पीड़ित व्यक्ति को काफी तकलीफ का सामना करना पड़ता है। इसमें पैर, खासतौर पर टखनों और एडियों के आसपास सूजन, लालिमा और जलन हो जाती है। यह समस्या पैर के निचले हिस्से में भारी दबाव के कारण पैदा होती है। कई बार यह गलत साइज के जूते पहनने से, मोटापे से, गर्भावस्था में, ठोकर लगने से या शूगर के कारण भी यह समस्या पैदा हो जाती है। लेकिन इसके लिए बहुत ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं। आप कुछ आसान प्राकृतिक व घरेलू उपाय अपनाकर भी पैरों व एडियों की सूजन से निजात पा सकते हैं।

गर्म तेल से मालिश



कटोरी में थोड़ा तेल लें, तब पर रखकर उसे गर्म कर लें। इस तेल से पैर की मसाज करें। मसाज हल्के हाथों से, कुछ मिनटों के लिए करें। इससे प्रभावित नसों में रक्त का संचार होगा और दर्द दूर होगा और आपको आराम मिलेगा। जब तक सूजन बनी रहे, दिन में दो से तीन बार इस तरह से मसाज करें। इस मसाज के लिए आप जैतून या नारियल के तेल का इस्तेमाल करें। ये ध्यान रखें मालिश के समय कमरे का तापमान सामान्य हो। एसी या ठंडे वातावरण में मालिश ना करें।

सिरके का उपयोग

पैर का दर्द और सूजन सिरके से भी कम कर सकते हैं। सामान मात्रा में पानी और सिरका मिलाकर इस कुछ देर तक गर्म करें और इसमें एक मुलायम मलमल या फिर सूती का कपड़ा डालकर

बर्फ की सेंक

बर्फ की सेंक टखने की सूजन और दर्द को दूर करने के लिए एक कारगर घरेलू उपाय है। इसके लिए, कुछ बर्फ के टुकड़े लें और उसे बेलन या किसी और चीज की सहायता से तोड़ लें। फिर एक बैग में रखकर कौटन के टॉवल में लपेट लें। इस बैग को दर्द वाली जगह पर रखें। इससे सूजन और दर्द दोनों कम होंगे। एक बार में आप इस बैग को 15 मिनट तक रख सकते हैं। ज्यादा आराम के लिए इसे दिन में कई बार इस्तेमाल करें।

दर्द वाली जगह पर लगाएं। इस प्रक्रिया को दिन में दो से तीन बार करें और बाद में इसे पोंछकर मॉइस्चराइजिंग क्रीम लगाएं।

गर्म पानी और नमक

फुट टेन्डोनाइटिस में गर्म पानी और सेंधा नमक भी कारगर है। गर्म पानी में सेंधा नमक मिलाकर 10 से 15 मिनट के लिए अपना पैर इसमें रखें। पानी की गर्माहट दर्द को खींच लेगी और सेंधे नमक से शरीर में मैग्नीशियम की पूर्ति होगी। पैर को ड्राईनेस से बचाने के लिए इस प्रक्रिया को दिन में एक बार ही करें। इसके बाद गीलेपन को पोंछ लें। इस पानी में खुशबू वाले तेल की कुछ बूंदें भी डाल सकते हैं।

आटा



आटा ऐसी चीज है जो हर किचन में आसानी से उपलब्ध हो जाती है। आटा गर्माहट देने वाला होता है, इसकी गर्माहट से दर्द से जल्दी राहत मिल जाती है। आटे और वाइन का पेस्ट बना कर तीस मिनट तक दर्द वाली जगह पर लगाएं। उसके बाद गुनगुने पानी से इसे धोकर हल्की मसाज के साथ मॉइस्चराइजिंग लगाएं।

लहसुन

रोज लहसुन या फिर लहसुन के तेल वाली कैप्सूल खाने से टखनों और पैरों की सूजन कम होने लगती है। अपने खाने में लहसुन मिलाएं या फिर ऐसे ही लहसुन की कली चबाएं। आप देखेंगे कि इसका असर तुरंत होता है।

बॉल के साथ एक्सरसाइज

जूते को खोलकर आराम से बैठ जाएं। उसके बाद गोल्फ की गेंद के ऊपर बारी-बारी से पैरों को रख कर धीरे-धीरे गेंद को गोलाकार गति में घुमाते हुए दबायें। इस व्यायाम से पैरों का दर्द कुछ देर के बाद कम होने लगेगा। इस व्यायाम से पैरों की मांसपेशियों को भी जान मिलती है।



लिंफ नोड्स की सूजन हटाएं

लिंफ नोड में अगर सूजन आ गई है तो शरीर में दूसरी समस्याएं भी शुरू हो सकती हैं, लिंफ नोड की सूजन कम करने के लिए आपके घर में कौन से घरेलू नुस्खे मौजूद हैं, इसके बारे में इस स्लाइडशो में जानते हैं।

क्यों है लिंफ नोड में सूजन

लिंफ नोड्स एक नहीं कई ग्रंथियां होती हैं जो शरीर के विभिन्न हिस्सों जैसे - जबड़े के पीछे, आर्मापिट, कान के पीछे, कान के पीछे, सिर के पीछे, आदि अंगों में होता है। इसका प्रमुख काम इम्यून सिस्टम को सुचारु करना है जिससे शरीर हानिकारक कीटाणुओं से लड़ सकता है। लेकिन किसी कारण से लिंफ नोड्स में सूजन हो जाती है, इस समस्या को लिंफेडोनेथी या लिंफेडोनाइटिस कहते हैं। इसके कारण शरीर के दूसरे अंगों में संक्रमण भी हो सकता है। इसके अलावा कोल्ड, टॉसिल, जिंजिवाइटिस, त्वचा में संक्रमण, आदि समस्याएं भी हो सकती हैं। लिंफ नोड्स की सूजन कम करने के लिए आप घरेलू नुस्खों को आजमा सकते हैं। इस स्लाइडशो में उन नुस्खों के बारे में बता रहे हैं।

गर्म पानी से सिंकाई

लिंफ नोड्स में सूजन कम करने के लिए गर्म पानी से सिंकाई कीजिए। जब गर्म तापमान का संपर्क शरीर के दूसरे अंगों से होता है तब शरीर का रक्त संचार बढ़ जाता है और सूजन कम हो जाती है। इसके लिए पानी को गर्म कीजिए और उसमें एक साफ कपड़े को भिगोकर सूजन वाली जगह पर 5 से 10 मिनट के लिए रखें। जब तक सूजन समाप्त न हो जाए इस क्रिया को दिन में कई बार दोहराएं। गर्म पानी से सूजन वाली जगह की सफाई भी कर सकते हैं।

नमक पानी

गले में या जबड़े में पाई जाने वाली लिंफ नोड में सूजन है तो नमक पानी का गरारा करने से जल्द आराम मिलता है। नमक और पानी लिंफ नोड की

फायदेमंद है लहसुन

लहसुन एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो किसी भी तरह के संक्रमण को आसानी से दूर करते हैं। इसके लिए लहसुन की 2 या 3 कलियों का सेवन कीजिए। खाने में भी लहसुन का प्रयोग कीजिए। अगर समस्या अधिक गंभीर है तो लहसुन के तेल से दिन में 2 या 3 बार मालिश करें। इससे जल्द आराम मिलेगा।

सेब का सिरका

सेब का सिरका लिंफ नोड की सूजन कम करने में के लिए बहुत प्रभावशाली माना जाता है। यह शरीर के पीएच लेवल को बढ़ा देता है जिससे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। साथ ही इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण संक्रमण से भी



सेहत के लिए फायदेमंद है खुबानी

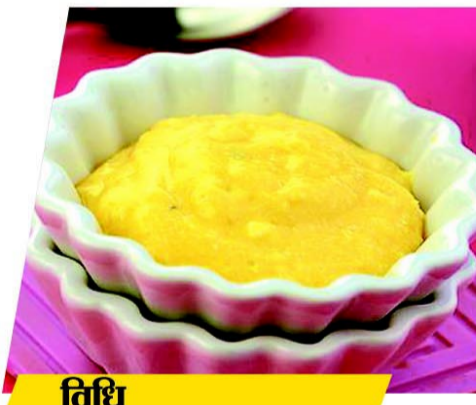
खुबानी यानी ऐप्रिकॉट एक बीजयुक्त फल है। इस फल में कई प्रकार के विटामिन्स और फाइबर होते हैं। खुबानी के बीज स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं। खुबानी के अनेकों लाभ हैं। खुबानी को न सिर्फ फल के रूप में बल्कि खुबानी के बीज भी इम्यून सिस्टम मजबूत करने में सहायक होते हैं। खुबानी के बीज अवश्य ही खाएं इससे शरीर को ताकत मिलती है। आप जानें खुबानी के स्वास्थ्य लाभों के बारे में।

पाचन स्वास्थ्य में सुधार - खुबानी फाइबरयुक्त फल है। इससे पाचन तंत्र ठीक होता है। खुबानी खाने से कब्ज संबंधी समस्या दूर होती है। खुबानी कई पाचन संबंधी विकार और बवासीर रोग दूर करने में भी लाभकारी है। खुबानी फल से पेट के कीड़े नष्ट हो जाते हैं। सूखे



खुबानी के सेवन से दूर हो सकते हैं। इतना ही नहीं वर्तमान में उद्योग जगत में खुबानी का प्रयोग कार्क सौंदर्य उत्पाद भी बनाए जा रहे हैं।
कैसर निरोधी - खुबानी के बीजों में कैसर निरोधी तत्व मौजूद होते हैं। शोधों में भी यह बात साबित हो चुकी है कि खुबानी बीज में पाया जाने वाला विटामिन बी-17 सामान्य कोशिकाओं के लिए पूर्णतया सुरक्षित है और जो कैसर से बचाव में लाभकारी है।
आंखों को लाभ - खुबानी में प्रचुर मात्रा में विटामिन ए होते हैं। विटामिन ए और एंटीऑक्सीडेंट आंखों की कोशिकाओं और ऊतकों के नुकसान की पूर्ति करते हैं। मोतियाबिंद वाले रोगियों के लिए खुबानी उत्तम फल है। खुबानी के बीज से भी आंखों संबंधी समस्याएं दूर होती हैं।
खुबानी के बीज, सूखी खुबानी और खुबानी का रस सभी स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

रेसिपी



विधि
दूध को उबालकर 2-3 मिनट तक एक तरफ रख दें। 1 टी-स्पून नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। अगर दूध पुरी तरह से ना फटे तो एक और चम्मच नींबू का रस डालकर दूध को पुरी तरह फटने दें। दूध से छे पुरी तरह निकल जाना चाहिए। सूती कपड़े से छानकर छे को अलग रख दें। छाने हुए फ्रीम चीज को मिवसर में डालकर पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें, जहां आप इसे पतला करने के लिए थोड़ा छे मिला सकते हैं। इसे पुरी तरह छे करके रख दें। फल और शक्कर डालकर दुबारा पीसकर मुलायम मिश्रण बना लें। तुरंत परोसें।

फ्रूटी क्रीम चीज

सामग्री
1 कप दूध
1 से 2 टी-स्पून नींबू का रस
2 टेबल-स्पून स्ट्रीबेरी की प्युरी या आम का पल्प
1 टी-स्पून शक्कर

कोवालम मटर

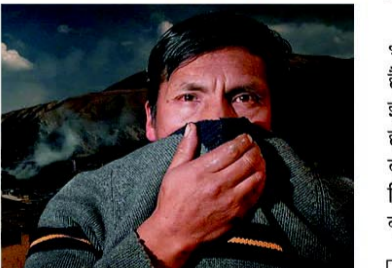
सामग्री
1 1/4 कप उबले हुए हरे मटर, 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1 टी-स्पून उड़द दाल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 टी-स्पून लहसुन की पेस्ट, 1 टी-स्पून धनिया-जीरा पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च का पाउडर, 1/4 टी-स्पून हल्दी, 1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ टमाटर, नमक, स्वाद अनुसार, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, पीस कर नारियल-काजू की मुलायम पेस्ट बनाने के लिए (थोड़े पानी का उपयोग करते हुए), 4 टेबल-स्पून कसा हुआ नारियल, 1 टेबल-स्पून टुकड़ा किया हुआ काजू

विधि
एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करिए और उसमें जीरा और उड़द दाल डालिए। जब जीरा चटखने लगे, तब उसमें प्याज डालिए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट भूणिए। उसमें लहसुन की पेस्ट, धनिया-जीरा पाउडर, लाल मिर्च का पाउडर, हल्दी, टमाटर, नमक और 2 टेबल-स्पून पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 मिनट, बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए। उसमें बनाया हुआ नारियल-काजू के पेस्ट, हरे मटर, धनिया और 1/2 कप पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट, बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए गरमा गरम परोसिए।

हर पल मौत के बीच...

दुनियाभर में ऐसी कई जगहें हैं, जो रहने के लिहाज से बेहद खतरनाक मानी जाती हैं। हालांकि, इसके बावजूद इन जगहों पर लोग जान जोखिम में डालकर रहते हैं। इनमें से कई जगहें काफी ठंडी हैं, तो कई सबसे ज्यादा प्रदूषित। वहीं, कहीं पर आए दिन ज्वालामुखी विस्फोट होते रहते हैं। आइये जानें दुनिया की ऐसी ही जगहों के बारे में, जहां के लोग हर पल मौत के बीच रहते हैं।

अजब सी वो गंध



दक्षिण अमेरिकी देश पेरू की ला ओरोया सिटी दुनिया की खतरनाक जगहों में से एक है। यहां की आबोहवा इस शहर को खतरनाक बनाती है। दरअसल, ला ओरोया दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक है। यहां की हवा में हमेशा अजीब सी दुर्गंध आती है, जिसमें सांस ले पाना बेहद मुश्किल होता है।

बावजूद इसके, इस शहर में लगभग 33 हजार लोग रहते हैं।

जानलेवा लावा



ज्वालामुखी से निकलने वाला लावा पल भर में किसी को भी मौत की नींद सुला सकता है। लेकिन कुछ ऐसी जगहें हैं, जहां पर लोग इस तरह के खतरों के बावजूद रहते हैं। ऐसी ही एक जगह इथोपिया का डर्वाल है। दरअसल, यहां पर कई सक्रिय ज्वालामुखी हैं, फिर भी लोग वहां रहते हैं। इतना ही नहीं, यहां का तापमान साल भर 40 डिग्री सेल्सियस से

ज्यादा रहता है। यहां ऊंट के जरिए ही ट्रेवल किया जा सकता है।

पारा माइनस 89.2



धरती की सबसे ठंडी जगह में अंटार्कटिका के वोस्तोक का नाम शुमार किया जाता है। यहां पर रूस का अंटार्कटिक रिसर्च स्टेशन भी है। अगस्त के मौसम में यहां का तापमान सबसे कम हो जाता है। पिछले साल अगस्त में अब तक का सबसे कम तापमान -89.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा चुका है।

बचो बिजली से

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो के किफुका शहर में रहना तलवार की नोक पर चलने जितना कठिन है। दरअसल, यहां हर साल बिजली गिरने की अनेक घटनाएं होती हैं। यहां हर साल प्रत्येक वर्ग किलोमीटर में 158 से ज्यादा आकाशीय बिजलियां गिरती हैं।



सलामांडर की अनोखी क्षमता...



अगर सलामांडर एक्सोलोटल का कोई अंग टूट रहा है तो उसे इस बात की फिक्र नहीं, क्योंकि इस जीव की खासियत है कि इसका अंग शरीर से अलग होने के बाद फिर से आ जाता है। एक्सोलोटल को आप एक तरह की छिपकली कह सकते हैं, जो जलीय जीवों में गिनी जाती है। इस जीव में अंगों के फिर से बनने और स्वयं घाव भरने की अद्भुत क्षमता होती है और तो और नए अंग बनने के बाद इस जीव के शरीर पर किसी तरह का निशान भी बाकी नहीं रहता। रीढ़ की हड्डी, दिल और दिमाग में गंभीर चोट भी इसी तरह ठीक होती है। एक्सोलोटल के पंगु बनने जैसी कोई घटना नहीं होती। प्रजनन के समय एक्सोलोटल अपने अंग ऊपर उठाकर लहराती हैं। जानवरों के रहने के प्राकृतिक स्थान बढ़ते शहरीकरण और दूषित जल के कारण खत्म होते जा रहे हैं, लेकिन एक्सोलोटल के अंगों के फिर से बनने की क्षमता के कारण इसके अस्तित्व को फिलहाल कोई खतरा नहीं है। शोधकर्ता यह जानने के की कोशिश कर रहे हैं कि एक्सोलोटल में किस तरह से घाव भरने की प्रक्रिया होती है। इसके लिए वे एक्सोलोटल के उत्तकों के जीन अनुक्रम को समझने की भी कोशिश कर रहे हैं। इस प्रक्रिया के दौरान देखा गया कि एक्सोलोटल घाव भरने और अंगों के निर्माण की विधि को गति देता है। कोशिकाओं के साथ किए गए प्रयोग में देखा गया कि एक्सोलोटल एंजाइम त्वचा की कोशिकाओं के फिर से बनने में सहायक है।